www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

1936 सत्य • सार्थक • सदैव

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बुधवार
7 फरवरी 2024, नई दिल्ली, नगर संस्करण

● पांच प्रदेश ● 21 संस्करण

सचिन पायलट बोले, थोड़ी और मेहनत करते तो राजस्थान में चुनाव जीत जाते

GOVERNMENT OF KARNATAKA

#मेराटैक्समेराअधिकार

श्री डी.के. शिवकुमार
माननीय उपमुख्यमंत्री

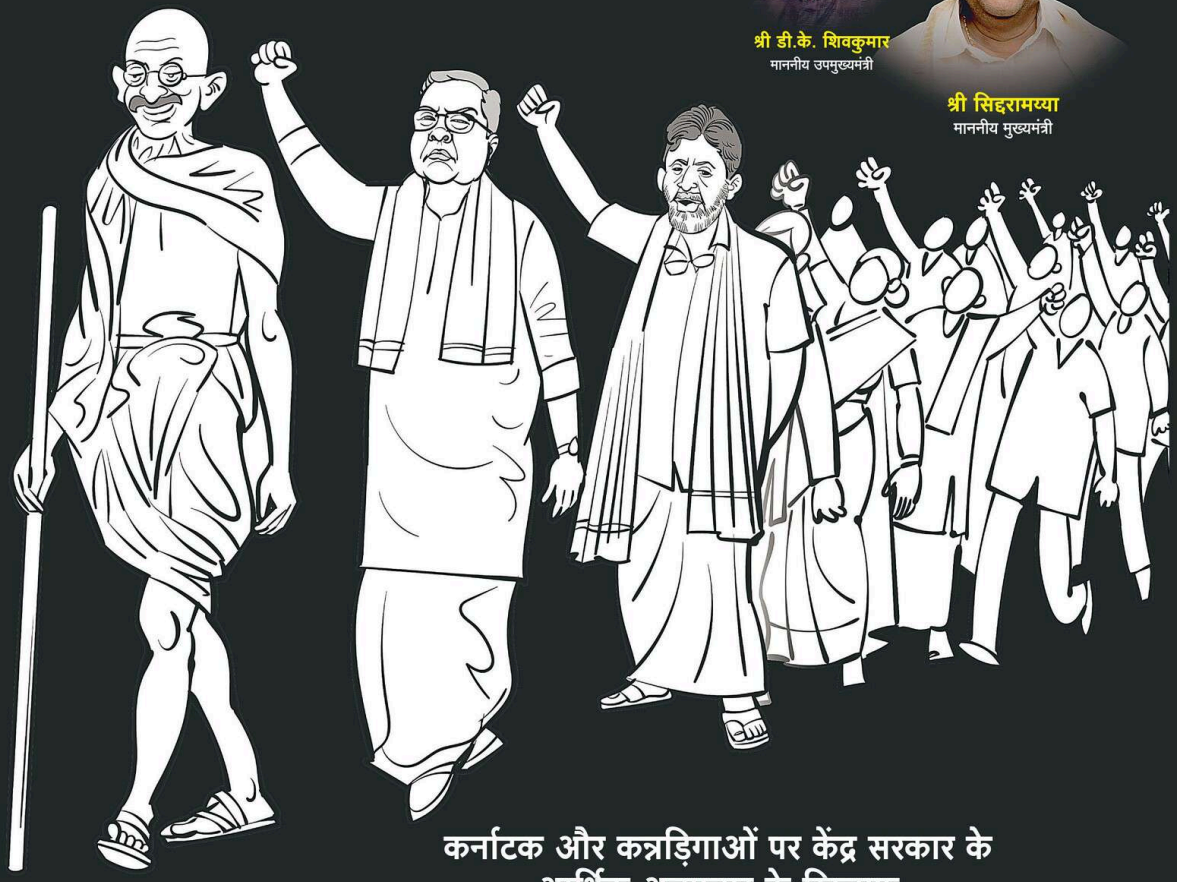

श्री सिद्दरामय्या
माननीय मुख्यमंत्री

कर्नाटक और कन्नड़िगाओं पर केंद्र सरकार के आर्थिक अत्याचार के ख़िलाफ़

चलो दिल्ली

अनुदान देने में कर्नाटक के साथ हो रहा भेदभाव !
सुविधाओं के प्रावधान में कन्नड़िगाओं के साथ अन्याय !!

07 फरवरी 2024 को
सुबह 11.00 बजे

जंतर मंतर
नई दिल्ली

दिल्ली चलिए
सवाल कीजिए...

- **सूखा राहत के लिए धन क्यों नहीं ?**
  राज्य की मांग: 18,177 करोड़ रुपए
  केंद्र द्वारा जारी: शून्य
- **विशेष अनुदान क्यों नहीं ?**
  15वें वित्त आयोग की सिफारिश: 5,495 करोड़ रुपए
  केंद्र सरकार द्वारा जारी: शून्य
- **टैक्स हिस्सेदारी में भेदभाव क्यों ?**
  4.72 प्रतिशत से 3.64 प्रतिशत की कमी
  राज्य को नुकसान: 62,098 करोड़ रुपए (पांच वर्षों में)
- **साझेदारी योजना के लिए अनुदान में कटौती क्यों ?**
  वर्ष 2021-22: 20,000 करोड़ रुपए
  वर्ष 2022-23: 13,000 करोड़ रुपए
- **भद्रा अपलैंड परियोजना की उपेक्षा**
  2023-24 में घोषणा : 5,300 करोड़ रुपए.
  केंद्र सरकार द्वारा जारी : शून्य
- **एक अधूरा सपना**
  एम्स एक सपना बना हुआ है
  महादाई योजना को मान्यता नहीं है

केंद्र सरकार के अन्याय के कारण 2017-18 से कर्नाटक का नुकसान **रु.1,87,000 करोड़**

As enshrined in our Constitution - to safeguard public property and to abjure violence is the fundamental duty of every citizen of India.

CMofKarnataka https://dipr.karnataka.gov.in/

दक्षिण रेलवे

(परियोजना संगठन)

निविदा सूचना

क्र.सं.	कार्य का विवरण	आइटम नं. 1
1.	कार्य का नाम	दक्षिण रेलवे के चेन्नै डिवीजन में एजेजे-जेटीजे सेक्शन में चित्तेरी(सीटीआरई), महेन्द्रवाड़ी (एमडीवीई), शोलिन्घुर (एसएचयू), सेवुर (एसवीयूआर) में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (सेंट्रलाइज्ड) (इंडोर एवं आउटडोर) द्वारा मौजूदा पैनल इंटरलॉकिंग के बदलाव के संबंध में सिग्नलिंग व्यवस्था का प्रावधान करना।
2.	ई-निविदा सूचना सं.	PROJ_MS_EI_4Stn_2401 Dt: 03.02.2024
3.	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 45,83,82,041.11/-
4.	बोली प्रक्रिया प्रणाली	दो लिफाफा (खुली) निविदा
5.	धरोहर राशि (ईएमडी)	रु. 24,41,900.00/-
6.	समापन अवधि	12 माह
7.	निविदा दस्तावेज को ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय (क्लोजिंग)	26/02/2024 को 11.00 बजे तक
8.	वेबसाइट पता, समय एवं तिथि जिस पर निविदा दस्तावेज उपलब्ध होंगे	भारतीय रेलवे वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर 03.02.2024 से
9.	प्रस्तावों की वैधता	90 दिन

नोटः विस्तृत निविदा सूचना, नियम एवं शर्तों सहित निविदा दस्तावेज तथा यदि कोई निविदा का शुद्धिपत्र जारी किया जाता है, तो इसे (www.ireps.gov.in) के माध्यम से देखा जा सकता है।

उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, परियोजना
दक्षिण रेलवे, चेट्पट्, चेन्नै-31

हमें फॉलो करें: twitter.com/GMSRailway

रेल विद्युतीकरण, बेंगलुरू

ई-निविदा सूचना सं.: आरईएसबीसी-ई-296-बीएडब्लू-एचएएस-डब्लूटी-03 दिनांक: 05.02.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, उप मुख्य इंजीनियर, रेलवे विद्युतीकरण, बेंगलुरु सुपरवाइजर ट्रेनिंग सेन्टर (एमडीडीटीआई) के निकट केएसआर बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन, बेंगलुरु-560023, वेबसाइट https://ireps.gov.in (CORE–SBC–ENGINEERING/CORE) पर ई-निविदा अपेक्षित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले निविदाकारों से नीचे उल्लिखित कार्य के लिए आमंत्रित की जाती हैं।

कार्य का नामः रेलवे विद्युतीकरण, दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलुरु डिवीजन में चन्नरायपटना स्टेशन पर टावर वैगन साइडिंग और शेड का निर्माण, जिसमें मिट्टी का काम, रिटेनिंग वॉल और अन्य सहायक कार्य आदि और चिक्कबाणवर-हासन सेक्सन में कोई अन्य बचा हुआ विविध कार्य, (जीआर 296)

अनुमानित मूल्य	ई.एम.डी	निविदा प्रपत्र का मूल्य
₹ 3,16,73,410.64/-	₹ 3,08,400.00/-	निल

कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय
06 (छः) माह	05.03.2024 15.00 बजे

इस ई-निविदा के विरुद्ध व्यक्ति या डाक द्वारा कोई भी मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा, भले ही प्रस्ताव फर्मों के लेटर हेड पर प्रस्तुत किया गया हो और समय पर प्राप्त हुआ हो। ऐसे सभी प्रस्तावों को अमान्य माना जाएगा और सरसरी तौर पर खारिज कर दिया जाएगा। उपरोक्त ई-निविदा की ई-निविदा दस्तावेजों सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://ireps.gov.in पर उपलब्ध है। बोलीदाताओं के पास क्लास-।।।डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल पर पंजीकृत होना आवश्यक है। उपरोक्त उल्लिखित ई-निविदा के लिए ई-निविदा के लिए सभी प्रासंगिक कागजात आईआरईपीएस की वेबसाइट पर अपलोड किए जाने चाहिए और वहां दिए गए निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे इस निविदा से संबंधित किसी भी बदलाव/शुद्धिपत्र के लिए निविदा बंद होने की तारीख से (15) पन्द्रह दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

No. PR/08/2024
R.D. Adv

उप मुख्य इंजीनियर
रेल विद्युतीकरण-बेंगलूरू

''ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ''

वैधानिक सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच–पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी विज्ञापन **जैसे टॉवर, नौकरी, ऋण सम्बंधी या अन्य** किसी भी प्रकार के संदर्भ में कोई राशि भेजता है या किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है तो ऐसा वह अपने स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई किसी क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Government of Gujarat
Office of the Resident Commissioner

Gujarat Bhawan, 11, Kautilya Marg
Chanakyapuri, New Delhi – 110 021

Tender Notice

Repairing for Air Conditioning VRV/VRF, ductable & cassette type units 'Hitachi' make installed at Gujarat Bhawan

Sealed tenders are invited under two bid systems (Technical & Financial) from firm/agencies for above noted work. Details of bidding documents available at www.gujaratbhawan.gujarat.gov.in.

Technical Bids will be submitted in the office of the Administrative Officer on or before 16.02.2024 upto 1600 hrs.

Sd/-
Administrative Officer

कल्याण सिंह अति विशिष्ट कैंसर संस्थान

सी0जी0 सिटी, सुल्तानपुर रोड, लखनऊ–226002
(उत्तर प्रदेश सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
Website: https://cancerinstitute.edu.in Email: office.sscih@gmail.com

GeM Bid Notice

सूचित किया जाता है कि **GeM** बिड संख्या **GEM/2024/B/4588208** दिनांक **06.02.2024** को **Bid for Services— Monthly Basis Cab & Taxi Hiring Services** के लिए **GeM** पोर्टल पर अपलोड किया गया है। समस्त इच्छुक सेवा प्रदाताओं/ निविदाकर्ताओं से निविदा की शर्तों के अनुसार जेमपोर्टल बिड आमंत्रित की जाती है। निदेशक, के.एस.एस.एस.सी.आई., लखनऊ बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी बिडो को किसी भी स्तर पर स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

Pre-bid Meeting: -Date: 09.02.2024, Time: 02:00 pm

नोट : 1. RTGS/NEFT के माध्यम से पिछली निविदा के लिए जमा की गई EMD को स्वीकार किया जाएगा और इस निविदा के लिए वैध माना जाएगा। हालांकि इस GeM निविदा के साथ UTR No. और एक स्कैन की हुई प्रति अपलोड की जानी आवश्यक है।

2. पुनः निविदा की स्थिति में निविदादाताओं का पुराना प्रमाणपत्र भी स्वीकार्य होगा। (समान नियम एवं शर्त के साथ)।

निविदा दस्तावेज संस्थान की वेबसाइट www.cancerinstitute.edu.in पर उपलब्ध है।

Advt No. : KSSSCI/PRO-43/2023-24 निदेशक

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, गौतमबुद्धनगर

पत्रांकः– 325/7ए दिनांकः–29.01.2024

ई–प्रोक्योरमेन्ट अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदायें http://etender.up.nic.in के माध्यम से आर्थराइज्ड रजिस्टर्ड फर्म से दिनांक 07.02.2024 से दिनांक 13.02.2024 तक दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की बिड दिनांक 13.02.2024 को अपराहन 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपस्थित गठित समिति के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्नीकल बिड में क्वालीफाइड पाये गये ठेकेदारों की फाइनेन्शियल बिड की दिनांक अलग से सूचित की जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुटटी होने की दशा में टैक्नीकल बिड/फाइनेन्शियल बिड उसी क्रम एंव समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

कार्यों का विवरण निम्नवत हैः–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	जमानत धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 सहित	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	सहायक अभियन्ता, द्वितीय के अधीन ग्रामीण मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	12.00	1.20	3 माह	500+225 18%GST= 856.00	उ0प्र0, लो0नि0वि0, ए.बी.सी.डी में
2	सहायक अभियन्ता, तृतीय के अधीन ग्रामीण मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	11.00	1.10	3 माह	500+225 18%GST= 856.00	उ0प्र0, लो0नि0वि0, ए.बी.सी.डी में
3	सहायक अभियन्ता, चतुर्थ के अधीन ग्रामीण मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	11.00	1.10	3 माह	500+225 18%GST= 856.00	उ0प्र0, लो0नि0वि0, ए.बी.सी.डी में
4	सहायक अभियन्ता, पंचम के अधीन ग्रामीण मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	15.00	1.50	3 माह	500+300 18%GST= 944.00	उ0प्र0, लो0नि0वि0, ए.बी.सी.डी में
5	जनपद गौतमबुद्धनगर के अन्तर्गत विधानसभा दादरी में ओ0डी0आर0 मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	12.00	1.20	3 माह	500+22518 %GST= 856.00	उ0प्र0, लो0नि0वि0, ए.बी.सी.डी में
6	जनपद गौतमबुद्धनगर के अन्तर्गत विधानसभा जेवर में एस0एच0/एम0डी0आर0/ओ0डी0आर0 मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	11.00	1.10	3 माह	500+225 18%GST= 856.00	उ0प्र0, लो0नि0वि0, ए.बी.सी.डी में

1 कार्य को पूर्ण करने की अवधि उक्त तालिका के कॉलम सं0–5 में वर्षाकाल सहित अंकित है।
2 निविदा प्रपत्र शुल्क का भुगतान इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से किया जाना अनिवार्य होगा।
3 समस्त पंजीकृत ठेकेदारो द्वारा पिछले 5 वर्षो का टर्न ओवर जोकि सी0ए0 से सत्यापित हो, एवं पिछले 5 वर्षो से सन्तोषजनक रूप से किये गये अधिकतम लागत के कार्यों का विवरण चाणक्य सॉफ्टवेयर में निविदा डालने के पूर्व अपलोड किया जायेगा। ई–निविदा, जोकि http://etender.up.nic.in पर अपलोड की जायेगी। उसका विवरण लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 के चाणक्य सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय से पूर्व अपलोड करना अनिवार्य होगा।
4 निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा अन्य विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
5 कार्य सम्पादन के समय ठेकेदार को उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी कोविड–19 से सम्बन्धित समस्त सुरक्षा उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।
6 लोक निर्माण विभाग में निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से होना है। प्रहरी का यू0आर0एल http://wms.uppwd.gov.in/Prahari/ है।
7 ठेकेदार द्वारा रजिस्टर्ड रिफाईनरी से बिटुमिन की खरीद स्वयं अपने स्तर से की जायेगी एवं मूल में सी0आर0सी0 कार्य से सम्बन्धित ई/आई को उपलब्ध कराई जायेगी।

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
गौतमबुद्धनगर।

उ0प्र0: 202277 दिनांक: 05.02.2024
Website: www.upgov.nic.in

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, हापुड़

ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

(Email-pwdcd03@gmail.com)

पत्रांकः– 214/3ए दिनांक : 29.01.2024

1 महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रतिशत दर पर ऑनलाइन निविदाय http://etender.up.nic.in ई–टेंडरिंग के माध्यम से मार्ग कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग में मार्ग श्रेणी में पंजीकृत ए/बी/सी/डी श्रेणी होना आवश्यक है। बिड डाक्यूमेण्ट ऑनलाईन दिनांक 08.02.2024 से दिनांक 16.02.2024 सांय 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा निविदा की टेक्नीकल बिड कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, हापुड़ में दिनांक 16.02.2024 को 12.30 बजे गठित समिति के समक्ष ऑनलाइन खोली जायेगी। तकनीकी बिड में क्वालीफाईड पाये गये ठेकेदारों की फाइनेन्सियल बिड की दिनांक अलग से सूचित की जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में टैक्नीकल बिड/फाइनेन्शियल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

2 कार्य का विवरणः–

क्रम सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता का पता	सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता का पता
1	हापुड	जनपद हापुड में त्वरित आर्थिक विकास योजनान्तर्गत रा0मा0 24 जूनियर हाई स्कूल खुडलिया से मध्य गंग नहर पुल से मुरादपुर होते हुए नया बांस ग्राम तक मार्ग पर अवशेष निर्माण कार्य	31.50	3.15	300+ 500 + GST18%	2 माह	प्रा0ख0, लो0नि0वि0, हापुड़	बु0वृत्त, लो0नि0वि0, बुलन्दशहर	मे0क्षे0, लो0नि0वि0 मेरठ

3 समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को पिछले 5 वर्षों का टर्न ओवर जोकि सी0ए0 से सत्यापित हो एवं पिछले 5 वर्षों में सन्तोषजनक रूप से किये गये अधिकतम लागत के कार्य का विवरण चाणक्य सॉफ्टवेयर में निविदा डालने से पूर्व अपलोड करना होगा। ई–निविदा http://etender.up.nic.in पर अपलोड की जायेगी उसका विवरण लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 के चाणक्य सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय से अपलोड करना अनिवार्य होगा।

4 निविदादाता को टेंडर प्रक्रिया मे प्रतिभाग करने हेतु "प्रहरी एप" पर शासनादेश संख्या 879(1)/23-7-2020लो0नि0, अनुभाग–7 लखनऊ दिनांक 25.08.2020 के अनुसार समस्त प्रपत्र चाणक्य सॉफ्टवेयर (पोर्टल) के लिंक पर अपलोड करने होंगे। प्रहरी का यू0आर0 http://wms.uppwd.gov.in/Prahari/है।

5 निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्तें तथा अन्य विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
हापुड़

अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
हापुड़

UP 202333 Dt. 05.02.2024
Website: www.upgov.nic.in

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता/डीजल, उत्तर रेलवे, डीजल लोको शेड, तुगलकाबाद के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा केवल निर्धारित निविदा दस्तावेज में ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएगी।

कार्य विवरण : डब्लू.ए.जी.9/डब्लू.ए.जी.9एच प्रकार के इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में कन्वेंशनल ब्रेक रिगिंग व्यवस्था का प्रावधान।
काम की जगह : डीजल शेड, तुगलकाबाद, नई दिल्ली-110044
समापन की अवधि : 3 साल
अनुमानित लागत राशि : रु. 1,75,13,233.70/- 18% जीएसटी सहित (एक करोड़ पचहत्तर लाख तेरह हजार दो सौ तैंतीस रुपये और सत्तर पैसे मात्र)
बयाना राशि : रुपये 2,37,600/- (रुपये दो लाख सैंतीस हज़ार छह सौ केवल)
समान सेवा अनुबंध का विवरण : समरूप कार्य की अनुमोदित परिभाषा है– "डब्लू.ए.पी.-7/डब्लू.ए.जी.-9 लोकोमोटिव निर्मित बोगियों/ब्रेक गियर व्यवस्था के निर्माण के लिए सी.एल.डब्लू. अनुमोदित स्रोत" **(या)** "भारतीय रेलवे में 3-फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव में कन्वेंशनल ब्रेक गियर व्यवस्था/ब्रेक रिगिंग के प्रावधान/मरम्मत/रिहैबिलिटेशन के सफल समापन वाले स्रोत"
तकनीकी योग्यता मापदंडः तकनीकी योग्यता मापदंड का विवरण निविदा फॉर्म के दूसरी शीट के खंड10.1 पर दिया गया है।
वित्तीय योग्यता मापदंडः वित्तीय योग्यता मापदंड का विवरण निविदा फॉर्म के दूसरी शीट के खंड10.2 पर दिया गया है।
ई-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने व अपलोड करने की वेबसाइट : www.ireps.gov.in
ई-निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय : 28.02.2024 को 12:00 बजे तक।
ई-निविदा खुलने की तिथि व समय : 28.02.2024 को 12:00 बजे के बाद।
निविदा की वैधता : निविदा खुलने से 60 दिन
विनिधान : 05-511-32

निविदा प्रपत्र भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तृत कार्य विवरण, कार्य अनुभव और नियम व शर्तों के लिए कृपया निविदा प्रपत्र का अवलोकन करें।

सं.: टी.के.डी-इलेक्ट.-सी.बी.आर.-ओ.टी.-आर.टी-2024 दिनांक: 06.02.2024 393/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

सत्य • सार्थक • सदैव 1936

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बुधवार
7 फरवरी 2024, नई दिल्ली, नगर संस्करण

वर्ष 89, अंक 33, 16 पेज, मूल्य ₹ 5.00, हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ मूल्य ₹ 10.50 एवं एचटी एज के साथ मूल्य ₹ 6.75 • पांच प्रदेश • 21 संस्करण

पीवी सिंधु एशियाई टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप से चार महीने बाद मैदान पर लौटेंगी

P-12

कार्रवाई : दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितता मामले में ईडी ने कई स्थानों पर तलाशी ली

केजरीवाल के करीबियों पर छापे

नई दिल्ली,एजेंसी/प्र.सं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक बिभव कुमार, आप के राज्यसभा सांसद एनडी गुप्ता समेत अन्य लोगों के परिसरों पर छापे मारे। दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़ी धनशोधन की जांच मामले में यह कार्रवाई की गई।

आरोप है कि जल बोर्ड की निविदा प्रक्रिया में अनियमितताओं से करीब 21 करोड़ की रिश्वत को चुनावी कोष के रूप में आम आदमी पार्टी (आप) को भेजा गया। ईडी के अधिकारियों ने पीएमएलए के तहत सुबह सात बजे से करीब 10-12 परिसरों में तलाशी अभियान शुरू किया। केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने बिभव कुमार, दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सदस्य शलभ कुमार, पार्टी के राज्यसभा सदस्य और कोषाध्यक्ष एन.डी. गुप्ता के कार्यालय तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) पंकज मंगल के अलावा पार्टी से जुड़े कुछ अन्य लोगों के परिसरों की तलाशी ली।

यह छापेमारी जल बोर्ड के ठेके की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से जुड़ी है। इसी मामले में 31 जनवरी को ईडी ने सेवानिवृत्त मुख्य इंजीनियर जगदीश कुमार अरोड़ा और ठेकेदार अनिल कुमार अग्रवाल को गिरफ्तार किया था। विशेष पीएमएलए अदालत ने सोमवार को उनकी हिरासत अवधि और पांच दिन बढ़ा दी। ईडी ने दावा किया कि 'वृहद साजिश' का पता लगाने के लिए उनसे हिरासत में पूछताछ करने की जरूरत है। मामला सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है।

सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप है कि अरोड़ा ने डीजेबी के कुछ ठेके 38 करोड़ में एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दिए जबकि कंपनी तकनीकी योग्यता के मानदंड को पूरा नहीं करती थी। ईडी के सूत्रों के अनुसार, जांच में पाया गया कि एनकेजी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने कथित तौर पर फर्जी, जाली और झूठे दस्तावेज जमा कर ठेका हासिल किया।

➤सबूत मिटाने का आरोप P05

नई दिल्ली में मंगलवार को आप सांसद के आवास के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी। • प्रेट्र

21 करोड़ रुपये के गबन का आरोप

16 घंटे के करीब चली कार्रवाई

क्या हैं आरोप

आरोप है कि जगदीश अरोड़ा को इस बात की जानकारी थी कि कंपनी तकनीकी योग्यता के मानदंड को पूरा नहीं करती। सूत्रों ने बताया कि अरोड़ा को नकद के रूप में और बैंक खातों में 'रिश्वत' भेजी गई और उन्होंने यह कथित रिश्वत बिभव, शलभ कुमार, पंकज मंगल और अन्य को भेजी। ईडी जांच में पाया गया कि डीजेबी के ठेके 'अत्यधिक उच्च दरों' पर दिए गए ताकि ठेकेदारों से रिश्वत ली जा सके।

छापों के बाद भी कुछ नहीं मिला: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने छापों को राजनीतिक द्वेष बताया। उन्होंने कहा, पहले भी पूर्व उपमुख्यमंत्री, सांसद और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के यहां छापे मारे गए, लेकिन कुछ नहीं मिला। उन्हें गिरफ्तार किया गया। केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मेरे निजी सहायक के घर 16 घंटे गहन छानबीन की, लेकिन एक पैसा नहीं मिला। ये देश कानून और संविधान से चलता है।

डराने का प्रयासः आतिशी

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि आप नेताओं के खिलाफ छापेमारी पार्टी को 'डराने और चुप कराने' की कोशिश है। आतिशी ने आरोप लगाया कि ईडी ने आबकारी नीति समेत कुछ मामलों में 'आप' पदाधिकारियों के खिलाफ की जा रही जांच में गवाहों के बयान की ऑडियो रिकॉर्डिंग 'डिलीट' कर दी है।

भविष्य की ऊर्जा जरूरतों पर अभी से काम कर रहे : मोदी

बेतुल (गोवा), एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए भारत अभी से काम कर रहा है। सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि देश के हर कोने में किफायती दर पर ईंधन उपलब्ध हो। उन्होंने कहा, कई वैश्विक कारकों के बावजूद बीते दो वर्षों में पेट्रोल-डीजल के दाम घटे हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत ऊर्जा सप्ताह के दूसरे संस्करण का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश में अगले पांच से छह वर्ष के दौरान ऊर्जा क्षेत्र में 67 अरब डॉलर का निवेश होगा। यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विकास गाथा में ऊर्जा क्षेत्र के विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि भारत जल्द ही पूरी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार के सुधारों से देश में प्राकृतिक गैस के उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। इन सुधारों से ऊर्जा संसाधनों में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी 6.3% से बढ़ाकर वर्ष 2030 तक 15% तक करने के उद्देश्य के तहत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन की दिशा में भारत द्वारा किए जा रहे प्रयासों में प्राकृतिक गैस को एक प्रमुख ईंधन माना जाता है।

पात्र को योजनाओं का लाभ मिलना ही धर्मनिरपेक्षता

प्रधानमंत्री मोदी ने मडगांव में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, सभी पात्र व्यक्तियों को केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलना ही वास्तविक धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय है।

स्पोर्ट्स इंजरी केंद्र में बोन मैरो प्रत्यारोपण की सुविधा

अच्छी खबर

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के पुराने स्पोर्ट्स इंजरी केंद्र में मंगलवार को बोन मैरो प्रत्यारोपण इकाई का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा पुराने स्पोर्ट्स इंजरी केंद्र में कैंसर पीड़ितों के लिए आईसीयू में आठ बिस्तर की व्यवस्था भी की गई है।

सफदरजंग अस्पताल के कैंसर विभाग के अध्यक्ष डॉ. कौशल कालरा ने बताया कि बोन मैरो प्रत्यारोपण इकाई में छह बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध है। अभी तक तीन मरीजों का सफल बोन मैरो प्रत्यारोपण किया जा चुका और चौथा मरीज अभी अस्पताल में भर्ती है। इसके लिए निजी अस्पतालों में 12 से 25 लाख रुपये तक का खर्च आता है। एम्स दिल्ली में भी पांच से 15 लाख रुपये तक का खर्च आता है, लेकिन सफदरजंग अस्पताल में यह सुविधा बहुत काम कीमतों पर उपलब्ध होगी।

अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, प्रत्यारोपण का खर्च बिलकुल मुफ्त होता है लेकिन कुछ दवाएं और जांच मरीजों को बाहर से लेनी पड़ सकती हैं। कुछ हजार रुपये में यहां प्रत्यारोपण हो जाएगा। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल और सफदरजंग की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार मौजूद रहीं।

नई दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने बोन मैरो प्रत्यारोपण इकाई का उद्घाटन किया।

ये सुविधाएं भी

13 बिस्तरों का डे-केयर वार्ड हेमटोलोजी में

20 बिस्तरों वाला डे-केयर वार्ड कैंसर मरीजों के लिए

- सफदरजंग अस्पताल में छह बिस्तर उपलब्ध रहेंगे
- कैंसर पीड़ितों के लिए भी आईसीयू में आठ बेड की व्यवस्था

प्रक्रिया के बारे में जानें

बोन मैरो प्रत्यारोपण एक जटिल मेडिकल प्रक्रिया होती है। इसमें क्षतिग्रस्त या नष्ट हुई स्टेम सेल को स्वस्थ बोन मैरो सेल से बदला जाता है। बोन मैरो या अस्थि मज्जा हड्डियों के बीच पाया जाने वाला एक पदार्थ होता है, जिसमें स्टेम सेल होते हैं। ब्लड कैंसर, एप्लास्टिक एनीमिया और थैलेसीमिया जैसी बीमारियों से पीड़ित मरीजों के इलाज में इसका इस्तेमाल होता है।

इसलिए पड़ती है जरूरत

ट्रांसप्लांट की जरूरत तब पड़ती है, जब बोन मैरो ठीक से काम करना बंद कर देता है या पर्याप्त मात्रा में स्वस्थ रक्त कोशिकाओं का उत्पादन नहीं कर पाता है। इस ट्रांसप्लांट में यह जरूरी है कि रोगी का बोन मैरो डोनर के बोन मैरो से मेल खाता हो। रक्त कैंसर जैसे लिंफोमा, ल्युकिमिया, एपलास्टिक एनीमिया आदि बीमारियों में मरीजों को बोन मैरो प्रत्यारोपण की जरूरत पड़ सकती है।

ये रक्तदान की तरह होता है

बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए सबसे पहले भाई-बहन को डोनर के रूप में वरीयता दी जाती है। अगर इनके साथ मिलान नहीं हो पाता है तो किसी को भी डोनर के रूप में लिया जा सकता है। बोन मैरो रक्तदान की तरह होता है।

शहर 30s

सरकार ने भारत चावल लांच किया

नई दिल्ली में मंगलवार को कर्तव्यपथ पर एक महिला को भारत चावल का बैग वितरित करते केंद्रीय मंत्री विजय गोयल और अश्विनी चौबे। ● एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले महंगाई पर काबू पाने के लिए केंद्र सरकार ने कोशिश तेज कर दी है। चावल की कीमतों में बढ़ती कीमतों पर वृद्धि के बाद सरकार ने भारत चावल की बिक्री शुरू की है। यह चावल 29 किलोग्राम की कीमत पर बेचा जाएगा। केंद्रीय उपभोक्ता मामले मंत्री पीयूष गोयल ने भारत ब्रांड के तहत चावल की बिक्री शुरू करते हुए 100 मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाई है। पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री की निगरानी में सरकार आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण रख रही है।

पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर जाम लगाया

नई दिल्ली/बरेली। दो भाइयों समेत तीन युवकों की दिल्ली में मौत के बाद मंगलवार को उनके परिजन ने शवों को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने के दौरान रामपुर रोड पर जाम लगा दिया। इस दौरान उन लोगों ने दिल्ली पुलिस पर सुनवाई न करने का आरोप लगाकर जमकर नारेबाजी की। मौके पर पहुंची किला थाने की पुलिस ने उन्हें शांत करके अपनी मौजूदगी में शवों का अंतिम संस्कार कराया। डाबड़ी थाना क्षेत्र स्थित सीतापुर में शनिवार को किराये के कमरे में तीनों के शव मिले। तीनों के मुंह से खून निकल रहा था।

जेएनयूएसयू की बैठक असंवैधानिक : एबीवीपी

नई दिल्ली। जेएनयू में मंगलवार को आयोजित हुई छात्र संगठनों की बैठक को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने असंवैधानिक करार दिया। इसके बाद बैठक का बहिष्कार किया। एबीवीपी ने कहा कि जेएनयूएसयू द्वारा जेएनयू के स्टूडेंट कम्युनिटी सेंटर के अननोटिस्ड कक्ष में स्वघोषित जेएनयूएसयू द्वारा सभी संगठनों की बैठक बुलाई गई थी। जेएनयू के सामान्य छात्रों का कोई प्रतिनिधित्व न होने के कारण और संवैधानिक मूल्यों का हनन होने के कारण इस बैठक का बहिष्कार किया।

जेएनयू में कर्मचारियों की भर्ती पर सवाल उठे

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में कर्मचारियों द्वारा कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया पर उठाए गए सवालों के बाद जेएनयू मल्टी टास्किंग स्टाफ की होने वाली भर्ती प्रक्रिया को स्थगित कर दिया है। हालांकि, यह परीक्षा क्यों स्थगित की गई इसको लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। इस बारे जेएनयू प्रशासन ने एक अधिसूचना भी जारी की है। विगत वर्ष अप्रैल माह में जेएनयू में हुई कर्मचारियों की भर्ती नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से की गई थी।

चोरी का सामान बेचने आया कुख्यात दबोचा

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस की स्टेशल स्टाफ टीम ने दो फरवरी को चोरी का सामान बेचने साकेत आए एक कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी 36 वर्षीय मो. जफर के पास लाखों रुपये की ज्वेलरी, दो दोपहिया वाहन, दो मोबाइल, एक लाख 75 हजार रुपए चार कलाई घड़ियां, चोरी के पैसों से खरीदी गई बाइक और दो मोबाइल बरामद किए हैं।

दिन में धूप निकलने से लोगों को राहत मिली, आठ फरवरी के बाद तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना

दो दिन सर्द हवाओं से सर्दी बढ़ने के आसार

मौसम का मिजाज

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। राजधानी के ज्यादातर हिस्सों में मंगलवार को दिन भर धूप निकलने से लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, सर्द हवाओं के चलते ठंड का भी सामना करना पड़ा। मौसम विभाग का अनुमान, अगले दो दिन भी सर्द हवाओं के चलते सर्दी बढ़ने के आसार हैं।

दिल्ली में सुबह के समय बेहद हल्का कोहरा देखने को मिला। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ ही कोहरा छंट गया। सर्द हवाओं के बावजूद दिनभर धूप निकलने से अधिकतम तापमान में इजाफा नहीं हुआ।

दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस रहा। यह दोनों ही सामान्य से दो डिग्री कम हैं। आर्द्रता का स्तर 98 से 40 फीसदी तक रहा।

मौसम विभाग का अनुमान, बुधवार और गुरुवार को हवा की गति 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रह सकती है। उत्तर पश्चिम दिशा से आने वाली यह हवा अपने साथ हिमपात वाले हिस्सों की ठंड लेकर आएगी। इसके चलते सर्दी का असर बना रहेगा। आठ फरवरी के बाद हवा की रफ्तार कम होगी और तापमान में दो डिग्री तक का इजाफा होगा। नौ फरवरी को अधिकतम तापमान के 23 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

नई दिल्ली में तेज हवा चलने के कारण मंगलवार को कर्तव्यपथ पर आसमान साफ नजर आया। ● सोनू मेहता

मध्यम श्रेणी में पहुंचा एक्यूआई

हवा की रफ्तार बढ़ने से प्रदूषक कणों का बिखराव तेज से हो रहा है। इसके चलते हवा में मौजूद प्रदूषक कण काफी हद तक साफ हो गए हैं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, मंगलवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मध्यम श्रेणी के साथ 141 अंकों पर रहा।

कहां पर कितना रहा तापमान

स्थान	अधिकतम पारा
पालम	19.0
सफदरजंग	21.0
रिज	21.5
आयानगर	20.8

100 से ज्यादा विमानों ने देरी से उड़ान भरी

दिल्ली एयरपोर्ट से मंगलवार को कोहरे के कारण 100 से ज्यादा विमानों ने देरी से उड़ान भरी। इनमें 20 अंतरराष्ट्रीय उड़ान जबकि 80 घरेलू उड़ान शामिल हैं। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि कई विमानों ने तीन से चार घंटे की देरी से उड़ान भरी। वहीं, दिल्ली आने वाली रेलगाड़ियों पर भी इसका देखने को मिला। मंगलवार को 40 से ज्यादा रेलगाड़ियां स्टेशनों पर देरी से पहुंचीं। लगभग 12 गाड़ियां देरी से दिल्ली के अलग-अलग स्टेशनों से रवाना हुईं।

नहर से युवक का शव बरामद हुआ

नई दिल्ली/बुलंदशहर, संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र मॉट ब्रांच नहर सूबरा गांव के पास दिल्ली निवासी युवक की हत्या कर फेंके गए शव को बरामद किया है। मंगलवार सुबह दिल्ली पुलिस, एनडीआरएफ ने सूबरा गांव के पास नहर से शव बरामद किया है।

पुलिस ने बताया कि थाना नांगलोई बुध बाजार मदनी मस्जिद निवासी 23 वर्षीय अब्दुल मलिक को उसके चार दोस्तों ने 28 जनवरी रात को अगवा किया था।

'एआई से मुश्किल समय में अदालतें'

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अनीश दयाल ने मंगलवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के आने के साथ ही अदालतें एक जटिल और कठिन समय का सामना कर रही हैं, क्योंकि न्यायाधीशों को उनके समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों की प्रमाणिकता पर निर्णय करने में मुश्किल हो सकती है।

एसोचैम द्वारा आयोजित तीसरे आईपी उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह में न्यायमूर्ति दयाल ने कहा, एआई आने के साथ, हम एक बहुत ही दिलचस्प, जटिल दहलीज पर खड़े हैं, जहां हम हो सकता है कि उन सबूतों पर विश्वास नहीं कर पायें जो हमारे सामने प्रस्तुत किए गए हैं।

दूसरी मस्जिद में छात्रों की पढ़ाई शुरू

■ 45 साल से महरौली में स्थित पुरानी मस्जिद डीडीए ने ध्वस्त कर दी थी

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दक्षिणी दिल्ली के महरौली में करीब 45 वर्ष पुरानी अखूंदजी मस्जिद को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद मस्जिद में पढ़ने वाले 25 छात्रों की पढ़ाई बाधित हो गई थी।

अब मंगलवार को महरौली में ही कुछ दूर स्थित कलां महल मस्जिद में फिर से छात्रों की मदरसे और अन्य विषयों की पढ़ाई शुरू हो गई। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान 25 छात्रों में से 6 वापस अपने शहर लौट गए थे। हालांकि, इन्हें पढ़ाने वाले शिक्षक ने बताया कि सभी छात्र जल्द ही वापस लौट आएंगे।

कलां महल मस्जिद में इमाम जाकिर हुसैन ने मंगलवार सुबह 6 से 10:30 बजे तक 19 छात्रों की मदरसे की पढ़ाई फिर से शुरुआत की। बाकी विषयों की पढ़ाई शिक्षक मुजम्मिल सलमानी ने शुरू की।

शिक्षक मुजम्मिल ने बताया कि 19 छात्रों में से 9 छात्र अनाथ हैं। सभी छात्र दिल्ली, पश्चिम बंगाल, बिहार, हरियाणा के मेवात जैसी जगहों से आकर मदरसे और आधुनिक शिक्षा की पढ़ाई कर रहे हैं। 10 छात्रों के अभिभावकों की अनुमति से उन्हें शिक्षा दी जा रही है।

एनजीओ के सहयोग से स्कूल बैग खेल के उपकरण वितरित किए : शिक्षक मुजम्मिल ने बताया कि विभिन्न एनजीओ और लोगों के सहयोग से बीते तीन दिनों के दौरान सभी छात्रों को स्कूल बैग, बैडमिंटन और अन्य खेल के उपकरण वितरित किए गए।

स्टार्टअप को बढ़ावा देगा 'ड्रिफ्टेक'

नई दिल्ली (प्र.सं)। तेल एवं प्राकृतिक गैस क्षेत्र में तकनीक को बढ़ावा देने के लिए 'ड्रिफ्टेक' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आयल इंडिया लिमिटेड और आईआईटी दिल्ली के सहयोग से मंगलवार से शुरू हुए इस नवोन्मेषी कार्यक्रम का लक्ष्य उद्यमियों और दूरदर्शी लोगों को सशक्त बनाना है।

आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंगन बनर्जी ने कहा कि इसके तहत शोध और स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 24 महीने के लंबे समय से काम कर रहे प्रोटोटाइप और उससे ऊपर के स्तर के स्टार्ट-अप को सहयोग प्रदान करेगा।

हंगामे के कारण तीन बार सदन स्थगित हुआ

निगम बैठक

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली नगर निगम के सदन की बैठक में बजट को अंतिम रूप देने के लिए विशेष बैठकों का आयोजन हो रहा है। मंगलवार को दूसरी विशेष बैठक का आयोजन हुआ।

महापौर डॉ. शैली ओबरॉय ने दोपहर 2.30 बजे सदन की कार्यवाही को शुरू किया। इसके बाद चार पार्षदों ने बजट पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इसके बाद विपक्ष ने सत्ता पक्ष पर कट मोशन के तहत बजट के लिए पेश किए गए संशोधित प्रस्तावों पर कई आरोप लगाए। इसके खिलाफ विपक्ष के पार्षदों ने 3.10 बजे के बाद विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद बैठक को बार महापौर ने स्थगित किया। अंत में महापौर ने 4.30 बजे के बाद बैठक को फिर से स्थगित कर दिया। अब बुधवार को फिर से बजट पर आखिरी विशेष बैठक होगी। इसके बाद गुरुवार को नेता सदन मुकेश गोयल सदन में बजट को अंतिम रूप देंगे। साथ ही विभिन्न संशोधित प्रस्तावों के तहत पार्षद वोट भी उन प्रस्तावों पर देंगे।

नेता सदन बोले, संशोधित प्रस्तावों के तहत महापौर मद में फंड को बढ़ाया जा रहा : निगम में नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह ने प्रेसवार्ता करते हुए सत्ता पक्ष और महापौर पर कई आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि निगम में आम आदमी पार्टी की सरकार महापौर मद को असंवैधानिक तरीके से बढ़ा रही है। विभिन्न वार्ड समिति व विभागों के मदों के फंड को खत्म करते हुए उसे महापौर मद में जोड़ा जा रहा है। महापौर का मद कुल 10 करोड़ रुपये का है। अन्य विभागों व समितियों के मदों को मिलाकर कुल 1500 करोड़ रुपये के मद को उनके मद में शामिल करते हुए संशोधित प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस कट मोशन के जरिए सदन में पेश किया गया है। यह व्यवस्था निगम अधिनियम के अनुरूप नहीं है। भाजपा इसका पुरजोर विरोध करती है।

महापौर ओबरॉय ने भाजपा पार्षदों पर निशाना साधा

दिल्ली नगर निगम सदन में बजट पर चर्चा के दौरान भाजपा पार्षदों द्वारा हंगामे को लेकर महापौर डॉ. शैली ओबरॉय ने निशाना साधा है। महापौर ने कहा कि भाजपा पार्षद निगम के बजट पर सार्थक चर्चा करने के बजाए निगम सदन को राजनीतिक अखाड़ा बना दिया है। मेरी उनसे अपील है कि वह बजट सत्र के आखिरी दिन सदन को शांति से चलने दे, जिससे दिल्ली की जनता, कर्मचारियों और व्यापारियों के हितों को लेकर लाएं गए बजट पर चर्चा होने दें।

रेलवे स्टेशन के पास स्टैंड हटा

नई दिल्ली (प्र.सं)। हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को अब उसके मुख्य गेट के समीप जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। रेलवे अधिकारियों के अनुरोध पर परिवहन विभाग ने यहां से बस स्टैंड हटा लिया है। इसके चलते स्टेशन के रास्ते पर लगने वाला जाम अब नहीं लगेगा।

दिल्ली मंडल के डीआरएम सुखविंदर सिंह ने कहा कि स्टैंड हटने से अब निजामुद्दीन स्टेशन आने वाले लोगों को जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा।

'प्रभावितों को 20 लाख मुआवजा दें'

अदालत से

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शहर सरकार से कहा है कि वह उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुरूप सीवर लाइन में सफाई के काम में अपनी जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिवारों को अतिरिक्त 20 लाख रुपये का भुगतान करने का प्रयास करे।

उच्च न्यायालय ने कहा कि यह अच्छी तरह से स्थापित है कि जब कोई व्यक्ति अदालत में जाता है और अपने पक्ष में कानून की घोषणा प्राप्त करता है, तो यह उम्मीद की जाती है कि राज्य उन व्यक्तियों को अदालत में जाने के लिए मजबूर किए बिना सभी समान स्थिति वाले व्यक्तियों को समान लाभ प्रदान करेगा।

पीठ ने कहा कि अदालत उम्मीद करती है कि राज्य मैला ढोने में अपनी जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों को रिट याचिका दायर करके इस अदालत में जाने के लिए मजबूर करने के बजाय समान रूप से रखे गए सभी व्यक्तियों को 20 लाख रुपये की शेष राशि का भुगतान करने का प्रयास करेगा। उच्च न्यायालय ने कई विधवाओं की याचिका को अनुमति दे दी है।

पीड़ित परिवारों ने दिल्ली सरकार को उच्चतम न्यायालय के 2023 के फैसले के अनुसार 20 लाख रुपये अतिरिक्त मुआवजा देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया कि दिल्ली सरकार ने अपनी नीति के तहत याचिकाकर्ताओं समेत जिन लोगों की इस बीच मौत हुई है, उनके परिवार को 10 लाख रुपये दिए हैं।

उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया था कि सीवर में होने वाली मौतों के मामलों में मुआवजा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये किया जाना चाहिए। सीवर संचालन से उत्पन्न होने वाली स्थायी विकलांगता के मामलों में मुआवजे की राशि को बढ़ाकर 20 लाख रुपये और अन्य प्रकार की विकलांगता के लिए 10 लाख रुपये से कम नहीं करने का निर्देश दिया था।

आयोजन समय के साथ नाटकों के प्रारूप में बदलाव आया, यौन हिंसा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक कर रहे

समाज से जुड़े विषय लोगों को लुभा रहे

भारंगम महोत्सव

■ अभिनव उपाध्याय

नई दिल्ली। भारत रंग (भारंगम) महोत्सव में आयोजित होने वाले नुक्कड़-नाटक आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय परिसर में प्रतिदिन एक से तीन बजे के बीच शैक्षणिक संस्थानों के छात्र नुक्कड़-नाटकों की प्रस्तुति दे रहे हैं। समय के साथ नाटकों के प्रारूप और विषय में भी बदलाव आया है। अब इनका विषय महिला सशक्तिकरण, मजदूर एकता या राजनीतिक दलों का आंदोलन न होकर मीडिया साक्षरता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेक्स एजुकेशन हैं, जो सीधे समाज को प्रभावित कर रहे हैं।

आज 'जस्मा ओड़न' का मंचन : पंजाब यूनिवर्सिटी के नाट्य समूह डिपार्टमेंट ऑफ इंडियन द्वारा नाटक 'जस्मा ओड़न' का मंचन शाम 7:30 बजे किया जाएगा। इसकी लेखिका शांता गांधी हैं, जबकि निर्देशक डॉ. नवदीप कौर हैं।

लोगों को जागरूक करने की जरूरत : चारु सेन

डीयू के लेडी इरविन कॉलेज की सोसाइटी अकार भारंगम में 10 फरवरी को सेक्स एजुकेशन पर 'नुक्कड़-नाटक एट योर ओन रिस्क' प्रस्तुत करने जा रही है। सोसाइटी की सचिव चारू सेन बताती हैं कि सेक्स एजुकेशन बहुत जरूरी है, लेकिन इसके बारे में लोग बात करने से कतराते हैं। वहीं, महोत्सव में मंगलवार को कालिंदी कॉलेज की सोसाइटी रक्स की अध्यक्ष खुशी अरोड़ा साथियों के साथ एआई पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करने आई थी। उनका कहना था कि जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आया तो सब ओर इसकी चर्चा होने लगी। फिर सोचा कि क्यों न इसको लेकर एक नुक्कड़-नाटक की स्क्रिप्ट लिखी जाए और हमने ऐसा किया। इस नाटक की खूब सराहना हुई।

कार्यालय अधिशासी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड-अलवर

क्रमांक: 1006 दिनांक: 31.01.2024

निविदा सूचना सं. 32/2023-24

निविदा की कुल लागत (लाख रु. में)	5.02 लाख (कुल 5 कार्य सबसे बड़े कार्य की लागत 1.09 लाख)
कुल धरोहर राशि (रुपयों में)	(2% Rs. 10040/-) (1/2% Rs. 2510/-)
फार्म मिलने की तारीख	12.02.2024 को सायं 2.00 बजे तक
फार्म जमा करने की तारीख एवं समय	12.02.2024 को सायं 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख एवं समय	12.02.2024 को सायं 3.30 बजे तक

निविदा से संबंधित अन्य आवश्यक विवरण डीआईपीआर की वेबसाइट www.dipronline.org एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

UBN No. PWD2324WSOB18599, PWD2324WSOB18600, PWD2324WSOB18601, PWD2324WSOB18602, PWD2324WSOB18603

(राजेश जैन)
अधिशासी अभियन्ता, सा.नि.वि.
विद्युत खण्ड-अलवर, 9784297501 (M)

Dipr/c/660/2024

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

Portal : http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार हेतु सरल क्र. 1 से 3 हेतु दिनांक **21.02.2024** तक निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ. सू.क्र./ दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	300	बरौर उषाढ़ मार्ग के कि.मी. 10/10 से 11/6 = 0.80, मरवाही कटरा बेलझिरिया कांसबहरा मार्ग के कि.मी. 1, 3, 4/2 एवं 4/4 = 2.40 कि.मी. एवं कि.मी. 4/6 से 4/10, 5, 7/2 से 7/8 = 2.40 कि.मी. में बी.टी. नवीनीकरण का कार्य। प्रथम आमंत्रण । पेण्ड्रा संभाग, पेण्ड्रारोड।	91.32
2	301	लोक निर्माण विभाग हाईकोर्ट उपसंभाग क्र. 2 बिलासपुर के अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय परिसर बोदरी में वार्षिक मरम्मत एवं संधारण कार्य। प्रथम आमंत्रण । संभाग क्र. 2 बिलासपुर।	125.00
3	302	लोक निर्माण विभाग हाईकोर्ट उपसंभाग क्र. 2 बिलासपुर के अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय परिसर बोदरी के सेक्टर 2 एवं 3 में वार्षिक मरम्मत एवं संधारण कार्य। प्रथम आमंत्रण । संभाग क्र. 2 बिलासपुर।	50.00

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

G-07513/2

आज़ादी का अमृत महोत्सव
उत्तर रेलवे
निविदा सूचना (ई-टेंडरिंग द्वारा)

कार्य का नाम तथा स्थान	रेल भवन में रेलवे बोर्ड प्रेस ब्रीफिंग रूम/स्टूडियो की स्थापना में दूरसंचार सुविधाओं का प्रावधान।
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹ 1,01,11,371.73/- मात्र
धरोहर राशि (₹)	₹ 2,00,600.00/- मात्र
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता-C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र जमा अपलोड करने का समय दिनांक 01.03.2024 15:00 बजे तक।
वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें या देखें नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055

निविदा संख्या : 558-सिगनल-16-टेली-ओपनटेंडर-989
दिनांक : 06.02.2024 398/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आज़ादी का अमृत महोत्सव
उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता/डीजल, उत्तर रेलवे डीजल लोको शेड, तुगलकाबाद के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ईनिविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा केवल निर्धारित निविदा दस्तावेज में ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएगी।

कार्य विवरण	एम48/आईओएच ने 03 वर्षों के लिए डीजल शेड टीकेडी आधारित लोकोमोटिव मे लगे विभिन्न प्रकार के एयर ड्रायर की ओवरहालिंग की अनुसूची (मात्रा-238 सं0)
काम की जगह	डीजल शेड, तुगलकाबाद, नई दिल्ली-110044
समापन की अवधि	3 साल
अनुमानित लागत राशि	रु. 33,22,258.66/- जीएसटी सहित (तैंतीस लाख बाईस हजार दो सौ अठावन और छियासठ पैसे मात्र)
बयाना राशि	रु. 66,500/- (छियासठ हजार पांच सौ रूपये मात्र)
तकनीकी एव वितीय योक्यता मापदंड	निविदा दस्तावेज के निविदा प्रपत्र (दूसरी शीट) के खंड 10 के अनुसार
ई-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने व अपलोड करने की वेबसाइट	www.ireps.gov.in
ई-निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय	28.02.2024 को 12:00 बजे तक।
ई-निविदा खुलने की तिथि व समय	28.02.2024 को 12:00 बजे के बाद।
निविदा की वैधता	निविदा खुलने से 60 दिन
विनिधान	05-311-32

निविदा प्रपत्र भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तृत कार्य विवरण, कार्य अनुभव और नियम व शर्तों के लिए कृपया निविदा प्रपत्र का अवलोकन करें।

निविदा सूचना सं. डीजल-टी.के.डी-एयर-ड्रायर-ओ.टी.-23
दिनांक : 06.02.2024 394/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

www.livehindustan.com

1936
सत्य • सार्थक • सदैव

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बुधवार
7 फरवरी 2024, नई दिल्ली, नगर संस्करण

● पांच प्रदेश ● 21 संस्करण

सचिन पायलट बोले, थोड़ी और मेहनत करते तो राजस्थान में चुनाव जीत जाते P-13

तलाक पर पति-पत्नी को समान अधिकार, लिव इन में रहने के लिए पंजीकरण कराना होगा

उत्तराखंड में यूसीसी का रास्ता साफ, विधेयक पेश

देहरादून, मुख्य संवाददाता। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में बहुप्रतीक्षित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किया। इसमें बहुविवाह और हलाला जैसी प्रथाओं को आपराधिक कृत्य बनाने तथा लिव-इन में रह रहे जोड़ों के बच्चों को जैविक बच्चों की तरह उत्तराधिकार दिए जाने का प्रावधान है। इस दौरान विपक्षी सदस्यों ने जमकर हंगामा किया।

विधानसभा में सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही मुख्यमंत्री धामी संविधान की प्रति हाथ में लेकर सदन पहुंचे। विधेयक पेश किए जाने के दौरान सत्तापक्ष के विधायकों ने मेज थपथपाकर उसका स्वागत किया।

देहरादून में मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी संविधान की प्रति लेकर विधानसभा पहुंचे।

> हमारी सरकार ने पूरी जिम्मेदारी के साथ समाज के सभी वर्गों को साथ लेते हुए समान नागरिक संहिता का विधेयक विधानसभा में पेश किया है। देवभूमि के लिए वह ऐतिहासिक क्षण निकट है, जब उत्तराखंड एक भारत, श्रेष्ठ भारत का मजबूत आधार स्तंभ बनेगा।
>
> -पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

इससे पहले, कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी कांग्रेस के सदस्यों ने आरोप लगाया कि इस विधेयक को सरकार जल्दबाजी में पारित करना चाहती है और इसका अध्ययन करने और उस पर चर्चा के लिए समय नहीं दिया जा रहा है। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने आश्वासन दिया कि विधेयक पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय दिया जाएगा। इसके बाद स्पीकर ने दोपहर दो बजे तक के लिए सत्र स्थगित कर दिया। इसके बाद सत्र शुरू हुआ और विधेयक पर चर्चा हुई। 740 पृष्ठों के मसौदे को सुप्रीम कोर्ट की समिति ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री को सौंपा था। कानून बनने के बाद उत्तराखंड आजादी के बाद यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य होगा। गोवा में पुर्तगाली शासन के दिनों से यूसीसी लागू है।

➤ संबंधित खबरें P11

प्रमुख प्रावधान

- **शादी की उम्र** : सभी धर्मों की लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र 18 और लड़कों के लिए 21 वर्ष।
- **विवाह पंजीकरण** : शादी के छह माह के भीतर अनिवार्य तौर पर कराना होगा विवाह पंजीकरण।
- **तलाक** : पति जिस आधार पर तलाक ले सकता है, उसी आधार पर अब पत्नी भी तलाक की मांग कर सकेगी।
- **बहु विवाह** : पति या पत्नी के रहते दूसरी शादी यानि बहु विवाह पर सख्ती से रोक रहेगी।
- **उत्तराधिकार** : लड़के और लड़कियों को समान अधिकार।
- **लिव इन रिलेशनशिप** : लिव इन में रहने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाना होगा, विवाहित पुरुष या महिला नहीं रह पाएंगे लिव इन में।
- **वसीयत** : कोई भी अपनी संपदा की वसीयत कर सकता है। अब सभी धर्मों के लिए समान नियम।
- **बच्चों के अधिकार** : बच्चों को उस दंपति का जैविक बच्चा माना गया, जिसमें दत्तक, नाजायज, सैरोगेसी, टेस्ट ट्यूब बेबी शामिल है।

शरद पवार को झटका, अजित गुट को असली एनसीपी का दर्जा मिला

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। भारतीय निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को घोषणा की कि अजित पवार गुट ही असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) है। यह फैसला पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के लिए झटका है।

आयोग ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार को पार्टी के साथ एनसीपी का प्रतीक 'दीवार घड़ी' भी आवंटित कर दिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय और अरुण गोयल की पीठ ने कहा, निर्णय में ऐसी याचिका की रखरखाव के निर्धारित परीक्षणों का पालन किया गया, जिसमें पार्टी संविधान के लक्ष्यों और उद्देश्यों का परीक्षण, पार्टी संविधान का परीक्षण, संगठनात्मक और विधायी दोनों बहुमत के परीक्षण शामिल थे।

आयोग ने कहा कि विधायी इकाई में बहुमत के परीक्षण को मामले की इस परिस्थिति में अनुकूल पाया गया, जहां दोनों समूहों को पार्टी संविधान और संगठनात्मक चुनावों के बाहर काम करते पाया गया है। बीते वर्ष जुलाई में पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के भतीजे अजीत पवार ने पार्टी में बगावत कर कुछ विधायकों के साथ अलग गुट बना लिया था। बाद में वे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले सरकार में उपमुख्यमंत्री बन गए। इसके बाद अजित ने निर्वाचन आयोग में याचिका दाखिल कर पार्टी पर दावा किया था।

➤ कोर्ट जाएंगे P13

शरद गुट को बुधवार तक आवेदन करने की छूट

निर्वाचन आयोग ने आगामी राज्यसभा चुनावों के मद्देनजर शरद पवार की अगुवाई वाले गुट को राजनीतिक दल के लिए एक नाम का दावा करने और बुधवार तक तीन प्राथमिकताएं बताने के लिए आवेदन की छूट दी है। आयोग ने कहा, इस बारे में आवेदन करने में विफल रहने पर शरद पवार गुट के विधायकों को निर्दलीय माना जाएगा। इस मामले में आयोग ने 10 दिन में सुनवाई की है।

प्रमुख पांच

युवा ब्रिगेड छठे विश्व कप से एक जीत दूर

1 भारतीय युवा टीम छठे अंडर-19 विश्व कप से केवल एक जीत दूर रह गई है। जीत हुई तो यह एक रिकॉर्ड होगा। P12

संजय सिंह शपथ लेने संसद जा पाएंगे

2 कोर्ट ने आप सांसद संजय सिंह को आठ अथवा नौ फरवरी को शपथ लेने के लिए संसद जाने की अनुमति दी। P05

रालोद के एनडीए में जाने की अटकलें

3 रालोद और भाजपा गठबंधन की अटकलें तेज हो गई हैं। चर्चा है कि चार सीटों पर बात बन सकती है। P13

परीक्षा विधेयक को लोकसभा से मंजूरी

4 सरकारी भर्ती, प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने वाले लोक परीक्षा बिल को लोकसभा ने मंजूरी दी। P07

भाजपा के नए आत्मविश्वास का गणित

5 एक तरफ सुगठित सेना है, जिसके पास मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नजरिया है, जबकि विरोधी मोर्चे में उथल-पुथल है। ऐसे में, प्रधानमंत्री का वक्तव्य यदि सच हुआ, तो आश्चर्य न होगा।

राहुल वर्मा P08

पटाखा फैक्टरी में आग, 11 की मौत

- मध्य प्रदेश के हरदा में हादसा, 174 घायल
- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने घटना पर शोक जताया

हरदा, एजेंसी। मध्य प्रदेश के हरदा शहर में मंगलवार को पटाखा कारखाने में विस्फोट के बाद आग लग गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 174 अन्य घायल हो गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम लोगों ने हादसे पर शोक जताया।

घटना के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए, जिसमें घटनास्थल पर रुक-रुक कर हो रहे विस्फोटों के साथ आग लगने के बीच लोग खुद को बचाने के लिए भागते नजर आ रहे हैं। घटना के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बैठक की। हादसे की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है।

➤ धरती हिली P06

मुआवजे का ऐलान किया

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा, मृतकों के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे। वहीं, प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रत्येक मृतक के परिजन को चार-चार लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की। साथ ही घायल व्यक्तियों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी।

यूपीआई सेवा प्रभावित होने से भुगतान अटके

नई दिल्ली। यूपीआई उपयोगकर्ताओं को मंगलवार देर शाम पैसे भेजने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि यूपीआई सर्वर ठप होने से यह संकट खड़ा हुआ। इससे गूगल-पे, फोनपे, पेटीएम पर भुगतान अटक गए। लोगों ने सोशल मीडिया पर शिकायतें की। हालांकि, खबर लिखे जाने तक राष्ट्रीय भुगतान निगम और बैंकों ने सर्वर ठप होने की पुष्टि नहीं की।

दिल्ली से संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

- कुपवाड़ा से पकड़े गए मॉड्यूल का हिस्सा था
- जनवरी, 2023 में सेना से सेवानिवृत्त हुआ

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। रेलवे पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के एक संदिग्ध आतंकी को नई दिल्ली स्टेशन से गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान 41 वर्षीय रियाज अहमद के रूप में हुई। वह 31 जनवरी, 2024 में सेना से सेवानिवृत्त हुआ है।

आरोपी हाल में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा कुपवाड़ा से पकड़े गए आतंकी माड्यूल का हिस्सा रहा है। पीओके में मौजूद आतंकियों से एलओसी पर खुर्शीद अहमद और गुलाम सरवर के साथ हथियार लेने में भी वह शामिल रहा है। डीसीपी केपीएस मल्होत्रा के अनुसार, जांच एजेंसियों से पता चला था कि उन्हें रियाज की तलाश है। वह आतंकी संगठन लश्कर से जुड़ा है। हाल में कुपवाड़ा से पकड़े गए संदिग्ध आतंकियों ने उसके नाम का खुलासा किया। पुलिस ने उनसे पांच एके राइफल, पांच मैगजीन, 16 छोटी एके गोलियां बरामद की हैं। इस बाबत कुपवाड़ा में मामला भी दर्ज है। जांच में पता चला कि पीओके से लश्कर आतंकी मंजूर अहमद शेख उर्फ शकूर और काजी मोहम्मद खुशल ने यह हथियार भेजे हैं।

➤ हथियार लाता था P04

आरोपी ने 20 साल तक बॉर्डर पर ड्यूटी की, आठ जनवरी को जबलपुर में बटालियन के मुख्यालय गया था

एलओसी से हथियार लेकर आता था रियाज

खुलासा

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। रेलवे पुलिस द्वारा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से रविवार को गिरफ्तार हुआ लश्कर का संदिग्ध आतंकी रियाज चार वर्षों से एलओसी से आतंकियों के लिए हथियारों की खेप लेने का काम कर रहा था। वह सेना में रहने के दौरान बॉर्डर पर करीब 20 साल कार्यरत रहा।

इस दौरान वह पीओके में मौजूद लश्कर के आतंकियों के संपर्क में आया और उनके लिए हथियारों की तस्करी करने लगा। यह खुलासा दिल्ली पुलिस द्वारा की गई प्राथमिक पूछताछ में लश्कर के संदिग्ध आतंकी रियाज अहमद ने किया है। पुलिस को शक है कि वह भारतीय सेना से संबंधित जानकारी भी लीक कर रहा था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी रियाज अहमद परिवार सहित कुपवाड़ा में रहता है। वर्ष 2004 में वह सेना में भर्ती हुआ था। उसकी तैनाती एलओसी के पास थी। वहां रहने के दौरान कुछ आतंकियों ने उससे संपर्क किया और लश्कर-ए-तैय्यबा में शामिल कर लिया। उसे एलओसी पर पीओके से हथियार लेकर जम्मू कश्मीर में मौजूद आतंकियों को देने की जिम्मेदारी मिली थी। वर्ष 2019 से वह इस काम में जुटा हुआ था। अधिकारियों का मानना है कि इस काम के लिए उसे आतंकियों की तरफ से रुपये भी मिल रहे थे, लेकिन इसकी पुष्टि जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा पूछताछ के बाद ही हो सकेगी।

जबलपुर से दिल्ली आ गया था : पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि बीते जनवरी में उसे सेनानिवृत्त होना था। इसके चलते वह बीते 8 जनवरी को जबलपुर गया था, जहां उसकी बटालियन का मुख्यालय है। वहां से 31 जनवरी 2024 को वह सेवानिवृत्त हो गया था।

इसके बाद उसे पता चला कि जम्मू कश्मीर पुलिस ने लश्कर के कुछ आतंकी पकड़े हैं। इनमें उसका भांजा भी शामिल है। इसके चलते वह जबलपुर से दिल्ली आ गया था। शनिवार की दोपहर वह निजामुद्दीन पहुंच गया था। उसके साथ अल्ताफ भी था जो सेना से सेनानिवृत्त है। उसके साथ ही वह दिल्ली के कई इलाकों में घूमता रहा।

उत्तर संपर्क क्रांति से जाना था जम्मू : पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दिल्ली से जम्मू जाने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन आया था। वहां उसके लिए छिपने के कई ठिकाने हो सकते थे। वह रविवार को दिनभर रेलवे स्टेशन पर छिपकर रहने वाला था और रात होने पर उत्तर संपर्क क्रांति से सफर करने वाला था, लेकिन इससे पहले ही रेलवे स्टेशन से दिल्ली पुलिस ने उसे रविवार को पकड़ लिया।

आरोपी रियाज। • फाइल फोटो

31 जनवरी को सेवानिवृत्त हो गया था आरोपी

- सेना की जानकारी लीक करने का शक
- कई दिन से दिल्ली के इलाकों में घूम रहा था

मोबाइल नंबर मिलने के बाद पुलिस को सफलता मिली

जम्मू में हुई गिरफ्तारी के बाद रियाज का मोबाइल नंबर जम्मू कश्मीर पुलिस को मिल गया था। उन्होंने जब टेक्निकल सर्विलांस की मदद ली तो पाया कि वह दिल्ली में मौजूद है। रविवार को उसकी लोकेशन नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास आ रही थी। इसलिए अधिकारियों ने रेलवे पुलिस से संपर्क किया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के एसएचओ विश्वनाथ पासवान की टीम ने रियाज को पकड़ लिया।

ट्रांजिट रिमांड पर सौंपा

जम्मू कश्मीर पुलिस के अधिकारी मंगलवार को आरोपी रियाज को लेने के लिए दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पुलिस ने दोपहर को आरोपी को तीस हजारी अदालत में पेश किया। वहां से अदालत ने आरोपी को तिहाड़ जेल भेज दिया। जम्मू कश्मीर पुलिस ने उसे ट्रांजिट रिमांड पर ले जाने के लिए आवेदन किया, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। पूछताछ के लिए जम्मू पुलिस उसे साथ ले जाएगी।

साथी पूर्व में पकड़े गए

पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी रियाज अहमद और उसका फरार साथी अल्ताफ भारतीय सेना में कार्यरत थे। जनवरी 2024 में दोनों सेना से सेवानिवृत्त हुए थे। पुलिस को शक है कि रियाज अहमद ने हथियारों की एक खेप खुर्शीद अहमद और गुलाम सरवर से ली है। यह दोनों ही आरोपी जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

ठिकाना तलाश रहा था

रियाज अहमद ने पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी अल्ताफ के साथ महाकौशल एक्सप्रेस में आया था। दोनों जबलपुर से ट्रेन में शनिवार दोपहर हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां से ऑटो लेकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे। रियाज अहमद छिपने के लिए नया ठिकाना तलाश रहा था। हाल में कुपवाड़ा से दबोचे गए संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ में पता चला कि इनका एक साथी रियाज अहमद फरार चल रहा है। वह कुछ ही देर में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचने वाला है। इस जानकारी पर टीम ने स्टेशन पर उसकी तलाश शुरू कर दी। रविवार सुबह वह भागने का प्रयास कर रहा था, तभी उसे पकड़ लिया गया।

समुद्र भट्टाचार्य को पितृशोक

नई दिल्ली। एचटी मीडिया ग्रुप (प्रिंट बिजनेस) के सीईओ समुद्र भट्टाचार्य के पिता दिलीप भट्टाचार्य का मंगलवार को यहां निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे।

पेशे से सफल व्यवसायी दिलीप भट्टाचार्य कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उन्हें जसोला स्थित अपोलो हॉस्पिटल में बेहतर चिकित्सा के लिए स्थानांतरित किया गया था, जहां मंगलवार देर शाम उन्होंने अंतिम सांस ली।

रुपये नहीं लौटाने पर दोस्त की हत्या

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। वसंत विहार इलाके में सोमवार देर रात एक युवक ने 15 सौ रुपये नहीं लौटाने पर दोस्त की गला रेतकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी संजय को गिरफ्तार कर लिया है।

संजय ने बताया कि अश्वनी ने उससे 15 सौ रुपये उधार लिए थे। जिन्हें वह नहीं लौटा रहा था। सोमवार को दोनों ने रात मद्रासी मंदिर के पास पार्किंग में शराब पी थी। इसके बाद दोनों में इन पैसों को लेकर झगड़ा हो गया। इस दौरान उसने अश्वनी का गला रेत दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

शहर 30s

सीआईएसएफ ने विदेशी मुद्रा पकड़ी

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट के रास्ते अवैध तरीके से विदेशी मुद्रा ले जा रहे दो यात्रियों को सीआईएसएफ ने पकड़ा है। आरोपियों में उज्बेकिस्तान की रहने वाली एक महिला और एक पुरुष शामिल है। इनके पास से 25 हजार अमेरिकी डॉलर मिले हैं, जिनकी कीमत लगभग 20 लाख भारतीय रुपयों के बराबर है। यह मुद्रा आरोपियों ने अपनी जैकेट में छिपाकर रखी हुई थी। सीआईएसएफ ने दोनों को कस्टम के हवाले कर दिया है।

बेटे ने दोस्तों के साथ पिता की जान ली थी

नई दिल्ली/जमुई। तीन दिन पहले ऑटो चालक की चाकू मारकर की गई हत्या के मामले में जमुई पुलिस ने ऑटो चालक कारू साह के बेटा सुजीत कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सुजीत दिल्ली और मध्य प्रदेश से दो दोस्तों को लेकर जमुई आया था। तीनों ने मिलकर हत्या को अंजाम दिया। बीते 3 फरवरी को खैरा में नरियाना पुल के पास एक शव बरामद किया गया था।

मकान का ताला तोड़कर नगदी और गहने उड़ाए

नई दिल्ली। राजधानी के रोहिणी सेक्टर-18 के ए ब्लॉक स्थित आईटी इंजीनियर के मकान से बीते गुरुवार को ताला तोड़कर नकदी और गहने चोरी हो गए। दो संदिग्ध सीसीटीवी में दिखाई दे रहे हैं। अलमारी के लॉकर में रखे 50 ग्राम सोने के टुकड़े, 5 सेंटीमीटर सोने की तार, तीन अंगूठी, दो कंगन, एक जोड़ी कान के इयररिंग्स और 70 हजार रुपये भी गायब मिले।

महाप्रबंधक ने प्रगति कार्य की समीक्षा की

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने मंगलवार को विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें प्लेटफॉर्मों के विस्तार, प्लेटफॉर्मों की सतह को ऊंचा करने, दूसरे प्रवेश द्वार का प्रावधान करने, फुट-ओवर-ब्रिज बनाने, एस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा आदि को लेकर निर्देश दिए। उन्होंने गतिशीलता वृद्धि, विकासात्मक ढांचागत कार्यों, माल लदान और रेलपथों पर संरक्षा की प्रगति की भी जानकारी ली।

गला दबाकर लूटपाट करने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। सागरपुर थाना पुलिस ने अकेले देखकर पीछे से गला दबाकर कर लूटने वाले दो आरोपियों को 4 फरवरी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों आकाश पांडे और मोहम्मद हसीब के पास से लूटा गया मोबाइल और 15 हजार रुपए बरामद किया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर जांच कर रही है। इन्होंने लूटपाट के लिए वारदात को अंजाम दिया था।

पंजाबी बाग में बीच सड़क युवक को चाकू से गोदा

सनसनीखेज

नई दिल्ली, व.सं.। पंजाबी बाग इलाके में रविवार रात 9:30 बजे फैक्टरी से लौट रहे युवक को अज्ञात बदमाश ने बीच सड़क पर चाकू से गोद दिया। पुलिस ने घायल 31 वर्षीय मोनू को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती किया, जहां सोमवार को उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि मोनू अपने परिवार के साथ मंगोलपुरी इलाके में रहता था और मादीपुर स्थित चप्पल बनाने की फैक्टरी में काम करता था। रविवार देर रात पुलिस को आंबेडकर पार्क स्थित बस स्टैंड पर एक युवक को चाकू मार कर घायल करने की सूचना मिली थी। खबर मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि युवक के सीने और पेट में चाकू के घाव हैं। पुलिस ने तुरंत घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उसे सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बस के इंतजार में था

घटना के समय मोनू मादीपुर स्थित फैक्टरी से निकलकर बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रहा था। उसके पास से पर्स और मोबाइल मिला है। इससे आशंका है कि रंजिश की वजह से हत्या की होगी। पुलिस को घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी फुटेज मिली है। इसमें एक व्यक्ति मोनू का काफी दूर से पीछा करते हुए आ रहा था। बस स्टैंड पर पहुंचते ही आरोपी ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गया।

देश में लोकतंत्र पहले से ज्यादा मजबूत : गडकरी

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। भारत ने लोकतांत्रिक शासन प्रणाली का आदर्श स्थापित किया है। आज भारत का लोकतंत्र पहले से ज्यादा मजबूत हुआ है। ये बातें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को लोकमत समूह द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित लोकमत सांसदी अवॉर्ड कार्यक्रम के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि दुनिया का यह सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि जैसा प्रधानमंत्री कहते हैं कि यह 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' है। हमारा लोकतंत्र संविधान से चलता है और संविधान ने हर व्यक्ति के कर्तव्य तथा अधिकार के बारे में लिखा है। संसद में अपनी बात रखने के साथ ही क्षेत्र के प्रति उत्तरदायित्व के साथ काम करना भी महत्वपूर्ण है। संसद में सबका योगदान जितना गुणात्मक होगा, संसद का महत्व उतना ही ज्यादा बढ़ेगा।

गडकरी ने कहा है कि आज गौरवपूर्ण लोकतंत्र को आगे बढ़ाने में हमारे सांसदों की गुणवत्ता है, लेकिन आज हमारी समस्या नेताओं के बीच मतभेद नहीं बल्कि विचारों की शून्यता है। केंद्रीय मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने वाजपेयी से सीखा है कि नेताओं के बीच मतभेद होना चाहिए यह अच्छा है, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि वर्ष 2017 से दिया जाने वाला यह अवॉर्ड अच्छा काम करने वाले हर पार्टी के सांसदों को दिया जाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल पटेल ने कहा कि लोकमत ने इस अवॉर्ड के जरिए अच्छी और स्वस्थ परंपरा का निर्माण किया है। इससे पूर्व लोकमत समूह के चेयरमैन विजय दर्डा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

नई दिल्ली में मंगलवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर को सम्मानित करते केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी। साथ में, लोकमत समूह के अध्यक्ष विजय दर्डा, राजेंद्र दर्डा, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल पटेल। • सोनू मेहता

चार श्रेणियों में आठ सांसद सम्मानित

लोकमत समूह द्वारा चार श्रेणियों में कुल आठ सांसदों को सम्मानित किया गया। लोकसभा में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ सांसद का अवॉर्ड डॉ. शशि थरूर और राज्यसभा में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ सांसद का अवॉर्ड डॉ. संबित पात्रा को दिया गया। लोकसभा में सर्वश्रेष्ठ नवोदित सांसद का अवॉर्ड कुंवर दानिश अली और राज्यसभा में डॉ. जॉन ब्रितास को दिया गया। लोकसभा में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड मेनका गांधी और राज्यसभा में रामगोपाल यादव को दिया गया। लोकसभा में सर्वश्रेष्ठ महिला सांसद का अवॉर्ड हरसिमरत कौर और राज्यसभा में डॉ. सरोज पांडेय को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट भी पहुंचे।

www.livehindustan.com

टॉप ट्रेंडिंग खबरें
www.livehindustan.com पर सबसे ज्यादा देखी-पढ़ी गई खबरों को पढ़ने के लिए QR कोड स्कैन करें।

टॉप वीडियो
www.livehindustan.com पर जारी शीर्ष नवीनतम वीडियो को देखने के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन करें।

टॉप पॉडकास्ट
www.livehindustan.com के शीर्ष नवीनतम पॉडकास्ट सुनने के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन करें।

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क.वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदाये आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	दिल्ली डिवीजन/उत्तर रेलवे के दिल्ली उप-शहरी क्षेत्र के एनडीएलएस-सीपीवाईजेड अनुभाग में 1 एक्स 25 केवी ओएचई सिस्टम को 2 एक्स 25 केवी ओएचई सिस्टम में परिवर्तित करने के लिए मौजूदा ओएचई व्यवस्था में संशोधन की आवश्यकता है। गति को 160 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने के संबंध में डफरिन ब्रिज पर एसएसपी का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण परीक्षण और कमीशनिंग शामिल है।
2	अनुमानित लागत	Rs. 9,08,67,668.32/-
3	बयाना राशि	Rs. 6,04,300/-
4	ई-निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	15.02.2024 (00.00 बजे)
5	ई-निविदा समापन की अंतिम तथा ई-निविदा खुलने की तारीख और समय	29.02.2024 (15.00 बजे)
6	निविदा छपाई की लागत	00879732(EBR-IF)
7	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

निविदा संख्या : 42A-क.वि.-नई दिल्ली-2023-24 दिनांक : 05.02.2024 389/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना
पत्र संख्या. 128-डब्लू/280/निविदा सूचना/23-24/डब्लू-I (NIT-55) दिनांक:06.02.2024
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल अभियंता/प्रथम, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	मौजूदा रिले हट संख्या एकल 07 और 10 विश्वसनीयता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक स्थायी रिले हट भवन का निर्माण SSE/W/SNP के अंतर्गत सहायक मंडल अभियंता/पानीपत के अधीन।
अनुमानित लागत	रु. 5637037.01/-
धरोहर राशि	रु. 112800/- (यह नेट बैंकिंग या केवल भुगतान gate way के रूप में होना चाहिए। नोट : एफ.डी.आर या डिमांड ड्राफ्ट के रूप में ई.एम.डी स्वीकार नहीं की जाएगी। (रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या 2015/सीई-1/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016) के अनुसार आई.आर.ई.पी.एस. पर आमंत्रित निविदा के लिए।
समापन अवधि	06 महीने
ई-निविदा खोलने और प्रस्तुत करने के लिए दिनांक और समय	01.03.2024 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत करने तथा निविदा खुलने का समय दिनांक 01.03.2024 को 15:00 बजे।
निविदा की वेब साइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
सामान प्रकार के कार्य	पूर्वनिर्मित संरचना (भवन, केबिन, शौचालय आदि) की आपूर्ति और निर्माण

नोट :- शपथ पत्र संलग्नक XXIV अनिवार्य रूप के रूप में निविदा शर्तों के साथ संलग्न नए प्रारूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। और सभी संलग्न दस्तावेज निविदाकर्ता द्वारा स्वयं सत्यापित किया जाना चाहिए। 401/24
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उदघोषणा
धारा 82 Cr. P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त देवेन्द्र@जॉनी, पुत्र फूल कुमार, निवासी मकान नं. 101, शिव मंदिर के पास, रणहौला, दिल्ली ने केस प्रथम सूचना रिर्पोट सं. 185/2023 U/s 302/34 IPC, पुलिस थाना नांगलोई, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध की है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त देवेन्द्र@जॉनी मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त देवेन्द्र@जॉनी फरार हो गया हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उदघोषणा की जाती हैं कि केस प्रथम सूचना रिर्पोट सं. 185/2023 U/s 302/34 IPC, पुलिस थाना नांगलोई, दिल्ली के अभियुक्त देवेन्द्र@जॉनी से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 09.04.2024 को या उससे पहले हाजिर हों।
आदेशानुसार
श्री शुभम् देवदिया
महानगर दण्डाधिकारी-05
कमरा नंबर 336ए, तीसरी मंजिल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/1215/OD/2024(Court Matter)

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना सं. इज्जत/इलै/ओ.टी./01/2024 दि. 05.02.2024
निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/विद्युत/पूर्वोत्तर रेलवे/इज्जतनगर द्वारा आमन्त्रित की जाती है:-
क्रम सं0 1:- कार्य का नाम: न्यू मॉडल कॉलोनी, इज्जतनगर और ऑफिस कॉलोनी इज्जतनगर की प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करना और कासगंज मेन सबस्टेशन एवं हॉस्पिटल कॉलोनी के वर्तमान एल.टी. पैनल को नये एल.टी. पैनल को बदलना। अनुमानित लागत रु. में: ₹ 40,43,346.50, धरोहर राशि रु. में: ₹ 80,900.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में: शून्य, ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय: 28.02.2024, 11.00 बजे तक। स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: चार माह।
क्रम सं0 2:- कार्य का नाम: काठगोदाम हल्द्वानी, लालकुँआ, हल्दी रोड, रुद्रपुर सिटी, बिलासपुर रोड, चमरूआ, केमरी, किच्छा तथा पंतनगर स्टेशन की प्रकाश व्यवस्था में सुधार। अनुमानित लागत रु. में: ₹ 50,01,156.81, धरोहर राशि रु. में: ₹ 1,00,100.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में: शून्य, ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय: 28.02.2024, 11.00 बजे तक। स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: चार माह।
इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदादाता ही ई टेण्डरिंग में भाग ले सकते हैं। सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए।
वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर(सा.)
मुजाधि/विद्युत-263 इज्जतनगर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना सं.: व.मं.वि.इ./गति शक्ति/इज्जत./इलै./02/2024 दिनांक 05-02-2024
निम्नलिखित कार्यों के लिये ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/विद्युत/पूर्वोत्तर रेलवे/इज्जतनगर द्वारा आमन्त्रित की जाती है:-
क्रम सं.-01, कार्य का नाम: इज्जतनगर मंडल के अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत (कासगंज, फर्रूखाबाद, कन्नौज, इज्जतनगर, बरेली सिटी, काठगोदाम, टनकपुर, काशीपुर, पीलीभीत तथा लालकुआँ) रेलवे स्टेशनों के लिये एस्केलेटर की व्यवस्था के संबंध में विद्युत कार्य। विवरण: अनुमानित लागत रू. में ₹ 67,23,168.01, धरोहर राशि रू.में: ₹ 1,34,500/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य रू.में: शून्य, ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय: 29-02-2024, 11:00 बजे तक, स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: चार माह। क्रम सं.-02, कार्य का नाम: अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत फर्रूखाबाद व कासगंज में 12 मीटर चौड़े द्वितीय एफ.ओ.बी. के प्रावधान और एफ.ओ.बी. लालकुआं स्टेशन के साथ रूफ प्लाजा के विकास के संबंध में विद्युत कार्य। विवरण: अनुमानित लागत रू. में: ₹ 41,83,884.90, धरोहर राशि रू.में: ₹ 83,700/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य रू.में: शून्य, ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय: 29-02-2024, 11:00 बजे तक, स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि: चार माह।
• इस निविदा के लिये किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जायेगा। • पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। • निविदादाता के पास क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। • केवल पंजीकृत निविदादाता ही ई-टेण्डरिंग में भाग ले सकते हैं। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिये।
वरि. मंडल विद्युत इंजी. (सा./गतिशक्ति)
मुजाधि/विद्युत-264 इज्जतनगर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

भारतीय रेल
भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)
सं. आरएस(पोल)/58/0501/2/2023 नई दिल्ली, दिनांक 06.02.2024
विषय: हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) की खरीद के लिए रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की ई-निविदा सं. 2023 एचएसडी टीसी के लिए ई-निविदा सूचना।
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से कार्यपालक निदेशक, रेल भंडार (सी), रेल मंत्रालय, (रेलवे बोर्ड), भारत सरकार नीचे दिए गए ब्यौरों के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	ई-निविदा सं.	2023 एचएसडी टीसी
2	कार्य का नाम	हाई स्पीड डीजल (एचएसडी)/बायो डीजल मिश्रित एचएसडी: आईएस: 1460 के अनुरूप (नवीनतम संशोधन)
3	अनुमानित मात्रा लीटर में	11.07 लाख किलोलीटर
4	निविदा लागत	शून्य
5	बयाना	50 लाख रु.
6	ई-निविदा को जमा करने की अंतिम तारीख एवं समय	12.03.2024 को 14:00 बजे
7	पूर्ण ब्यौरों तथा ई-निविदा के लिए वेबसाइट	http://www.ireps.gov.in

(एस.के. वर्मा)
निदेशक, रेल भंडार (एम)
टेलीफोन नं. 011-23073191, ईमेल आईडी: drsm@rb.railnet.gov.in
तृतीय तल, कमरा नं. 363, रेल भवन
397/24
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बंधक बनाकर युवती से दुष्कर्म, लोहे की रॉड से पीटकर शरीर को जलाया

दरिंदगी

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दक्षिणी दिल्ली के नेब सराय इलाके में 30 जनवरी को शख्स ने उत्तर-पूर्वी राज्य की युवती के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने पीड़िता को कई घंटे तक फ्लैट में बंधक बनाकर रखा। उसकी लोहे की रॉड से जमकर पिटाई की। उसके शरीर को एक दर्जन से ज्यादा बार जलाया।

युवती के शरीर पर बीस से ज्यादा चोट के निशान हैं। फिलहाल वह अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता उत्तर-पूर्वी राज्य की रहने वाली है। उसने बताया कि कुछ माह पहले पारस से उसकी दोस्ती फेसबुक पर हुई थी।

दोनों के बीच फोन पर बातें होने लगी। पीड़िता ने पारस से उसकी नौकरी लगवाने की बात कही। इस पर आरोपी ने उसे दिल्ली आने के लिए कहा। युवती बैंगलोर जा रही थी हाउस में नौकरी के लिए। एक दिन के लिए दिल्ली रुकी थी। फिर यहीं आरोपी के पास रुक गई। आरोपी उत्तराखंड का रहने वाला है और ढाबे पर रसोइया है। पीड़िता 10 जनवरी को दिल्ली आई थी। पारस उसे अपने साथ रहने के लिए खानपुर ले गया। वहां उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

आईसीयू में भर्ती : पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता फिलहाल अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है। उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। आरोपी पारस को सतबारी इलाके से गिरफ्तार कर लिया है।

शादी के लिए कहने पर मारपीट

पीड़िता के अनुसार उसने पारस से शादी करने के लिए कहा तो वह मारपीट करने लगा। कई दिनों तक मारपीट के बाद आरोपी 30 जनवरी को उसे नेब सराय स्थित फ्लैट पर ले गया। वहां फिर उसके साथ दुष्कर्म किया और लोहे की रॉड से जमकर पीटा। आरोपी ने पीड़िता को कई जगह से जलाया। उसके शरीर पर जख्मों के लगभग 20 निशान हैं।

पांच घंटे तक फ्लैट पर रखा, गर्म दाल फेंकी

पीड़िता का आरोप है कि उसे करीब पांच घंटे तक बंधक बनाकर रखा। पारस फ्लैट को बाहर से बंद कर चला गया। करीब पांच घंटे बाद लौटा और फिर झगड़ा करने लगा। वह बाहर से खाना लेकर आया था। उसने गर्म दाल उसके ऊपर फेंक दी। इससे पीड़िता कई जगह से झुलस गई। इसके बाद वह चला गया। पीड़िता को रोते और चिल्लाते देखकर अज्ञात ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

शादी में फायरिंग का वीडियो वायरल

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के घड़ौली गांव में रविवार शाम बारात निकलने के दौरान बेटे की शादी में पिता ने हवाई फायरिंग कर दी। फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

इसके बाद मामले में गाजीपुर थाना पुलिस ने फायरिंग करने वाले पिता सतपाल के खिलाफ संबंधित धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी के पास पिस्तौल का लाइसेंस है।

चोरी के आभूषण पर लोन लेने वाले धरे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बदमाशों के एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो आभूषण चोरी कर उसे मुथूट फाइनेंस में रखकर लोन लेता था। पुलिस ने गिरोह के दो बदमाशों को कड़कड़डूमा के समीप स्थित जागृति एंक्लेव से 26 जनवरी को गिरफ्तार किया था, जिनकी पहचान नोएडा निवासी विजय सिंह और त्रिलोकपुरी निवासी अमन के रूप में हुई है।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

नई दिल्ली, व.सं.। दिल्ली कैंट इलाके में रविवार देर रात तेज रफ्तार बाइक सवार ने सड़क पर खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई।

पुलिस ने केस दर्ज कर ट्रक ड्राइवर नसीम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 25 वर्षीय राहुल के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। आशंका जताई जा रही है कि अंधेरा होने के कारण बाइक सवार ट्रक को देख नहीं पाया और हादसा हो गया।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते है:-
क्रम सं.-1, ई-प्रापण निविदा संख्या: उप मु.इं.-नि.-मुख्या.-21-2023, दिनांक: 02-02-2024, कार्य का नाम: मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/गोरखपुर अधिकारी विश्राम गृह, अधीनस्थ विश्राम गृह स्थित स्टेशन गोरखपुर का रखरखाव एवं नवीनीकरण इत्यादि कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,69,24,202.82, बयाना राशि (रू.): ₹ 2,34,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: Nil, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 18 (अठ्ठारह माह)
नोट: • बिडिगं प्रारम्भ करने की तिथि: दिनांक 12-02-2024, • उपरोक्त ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि: दिनांक 26-02-2024, 15:00 बजे तक। • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 26-02-2024, 15:00 बजे। • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट https://ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखो में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।
• श्री रवि प्रकाश, सहा. कार्यपालक इंजी./निर्माण/मुख्या./गोरखपुर,मो. 9794844281
उप मुख्य इंजीनियर/नि./मुख्या.
मुजाधि/डब्लू-530 गोरखपुर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमेरिका से फोन करवाकर रंगदारी मांगने वाले पकड़े

फॉलोअप

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। द्वारका जिला पुलिस ने राजौरी गार्डन के कपड़ा कारोबारी से रंगदारी मांगने के मामले में विवेक दहिया को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान सुगम शुक्ला, विवेक दहिया और अजल के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 2023 में विवेक दहिया जेल से बाहर आया था। बाहर आने के बाद वह अपने साथियों के साथ गैंग चलाने लगा। बदमाश अमेरिका में मौजूद अपने सरगना को दिल्ली के कारोबारियों के बारे में जानकारी मुहैया कराते हैं और वहां से कारोबारियों को धमकी भरे कॉल आते थे। आरोपी सुगम से पूछताछ कर गैंग में शामिल बदमाशों की तलाश में पुलिस ने दिल्ली और एनसीआर में छापेमारी की। तकनीकी जांच के जरिए, पुलिस ने अजल और विवेक दहिया को डाबड़ी से गिरफ्तार किया।

भाजपा नेता की हत्या में भी शामिल था आरोपी

पुलिस ने बताया कि विवेक भाजपा नेता सुरेंद्र मटियाला की उनके ऑफिस में की गई हत्या की वारदात में भी शामिल था। जब यह हत्या हुई थी, उस समय वह नाबालिग था। एक साल पहले जेल से निकलने के बाद वह बालिग हो गया। जेल से निकलने के बाद वह अपने साथियों के साथ मिलकर डाबड़ी इलाके में गैंग चलाने लगा।

काम की खबरें

1 स्वास्थ्य देखभाल विषय की प्रेक्टिकल परीक्षा कल
शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए शिक्षा निदेशालय ने स्वास्थ्य देखभाल विषय की सीबीएसई प्रेक्टिकल परीक्षा के लिए अंतिम मौका दिया है। आठ फरवरी सुबह साढ़े दस बजे कमरा नंबर एक में रिपोर्ट करना होगा।

2 आईपीयू में दाखिले के लिए आवेदन 31 मार्च तक
गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए आईपी यूनिवर्सिटी के सभी प्रोग्राम में आवेदन की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन यूनिवर्सिटी के ऑनलाइन पोर्टल **www.ipu.admissions.nic.in** पर 31 मार्च तक किया जा सकता है।

3 ट्रैफिक ब्लॉक के चलते कई रेलगाड़ियां रद्द रहेंगी
कुरुक्षेत्र एवं डोढा खेरी के बीच चल रहे कार्य के चलते 9 फरवरी को दिल्ली जंक्शन-अंबाला कैंट के बीच ट्रैफिक ब्लॉक किया जाएगा। इसके चलते नई दिल्ली-अमृतसर, नई दिल्ली-जालंधर सिटी, नई दिल्ली-कुरुक्षेत्र ईएमयू और पानीपत जाने वाली गाड़ी नौ फरवरी को रद्द रहेगी।

4 नगर संकीर्तन के चलते यातायात प्रभावित रहेगा
गौदिय मिशन नगर संकीर्तन बुधवार को निकाला जाएगा। रामलीला मैदान से शुरू होकर यह संकीर्तन आसफ अली रोड, दिल्ली गेट, बहादुर शाह जफर मार्ग होते हुए मथुरा रोड तक जाएगा। इन जगहों पर दोपहर दो बजे से शाम 6 बजे तक यातायात प्रभावित रह सकता है।

5 लालकिले में पर्यटकों के लिए कैंटीन शुरू
लालकिले और पुराना किले में पर्यटकों के लिए कैंटीन शुरू कर दी गई है। लालकिले की कैंटीन में पुरानी दिल्ली के व्यंजनों का स्वाद भी ले सकेंगे। परिसर में स्थित ए-1 और ए-2 बैरेक के पीछे इसे बनाया गया है। दिल्ली के दूसरे स्मारकों में भी कैंटीन खोलने पर काम चल रहा है।

आज का मौसम
21.0° अधिकतम | 07.0° न्यूनतम
सूर्योदय: 07:07 | सूर्यास्त: 18:04

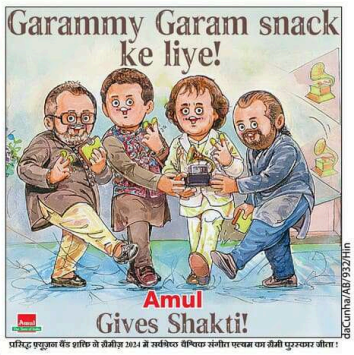

अनुमान
मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में आसमान रहने के आसार हैं।

प्रसिद्ध फ्यूज़न बैंड शक्ति ने ग्रैमीज़ 2024 में सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत एल्बम का ग्रैमी पुरस्कार जीता!

दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने ईडी पर हमला बोला, अदालत में आवेदन दाखिल

आरोप : ईडी ने वीडियो फुटेज से गवाहों के बयान गायब किए

वार

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर तथाकथित आबकारी घोटाले में गवाहों के लिए गए बयानों के वीडियो फुटेज से ऑडियो गायब करने का आरोप लगाया है। आप ने राउज एवेन्यू के ईडी और सीबीआई कोर्ट में आवेदन दाखिल करके सारे वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग की मांग की है।

पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में आतिशी ने कहा कि बीते दिनों तथाकथित आबकारी घोटाले के एक आरोपी (बगैर नाम लिए) ने कोर्ट में कहा कि उसका जब गवाह के साथ आमना-सामना कराया गया था तो उस समय उसने जो बोला और ईडी ने कोर्ट में जो रखा, वह उलट है। आरोपी ने कोर्ट से पूछताछ का सीसीटीवी फुटेज मांगा था। यह फुटेज 2020 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए मांगा था। फैसले के मुताबिक, कोई भी जांच एजेंसी गवाहों से सीसीटीवी की निगरानी में पूछताछ करेगी, जिसमें वीडियो के साथ ऑडियो भी रिकॉर्ड करना होगा। आतिशी ने कहा कि आरोपी को जो सीसीटीवी फुटेज दिया गया, उसमें ऑडियो गायब था। इसका मतलब साफ है कि कुछ तो गड़बड़ है। आखिर किसे बचाया जा रहा है। ईडी से हमारी मांग है कि पिछले डेढ़ साल में गवाहों से हुई पूछताछ की ऑडियो देश और कोर्ट के सामने रखे।

आतिशी ने जांच को फर्जी बताया

आतिशी ने दावा किया कि हमारे एक विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि ईडी ने पूछताछ के सभी वीडियो फुटेज से ऑडियो गायब कर दिया है। लिहाजा, यह प्रश्न उठ रहा है कि बिना ऑडियो के कैसे पता चलेगा कि ईडी ने जिन गवाहों से बयान लिए, वो सही है या गलत है या फिर उनकी गवाही से मेल खाते हैं या नहीं। सच तो यह है कि ईडी की पूरी जांच ही फर्जी है।

कोई रिकवरी नहीं हुई : जास्मिन
आप नेता जास्मिन शाह ने कहा कि डेढ़ साल से चल रही तथाकथित आबकारी घोटाले की जांच में आज तक एक रुपये की रिकवरी नहीं हुई है। ईडी के पास कोई सबूत नहीं है। पूरी जांच सरकारी गवाहों के बयानों पर आधारित है। इनमें से कुछ गवाह कोर्ट में पहले ही धमकाकर बयान लेने का आरोप भी लगा चुके हैं। उनके पास कोर्ट में एक मात्र आधार गवाहों का बयान है, जो अब फर्जी निकला। अगर गवाहों का बयान दबाव में नहीं लिया गया या गड़बड़ नहीं है तो ईडी को ऑडियो गायब करने की जरूरत क्यों पड़ी।

> आप सरकार ने नौ वर्ष में दिल्ली जल बोर्ड को लूट का अड्डा बना दिया है। जल बोर्ड के सभी काम में भ्रष्टाचार है। सीवर लाइन डालने से लेकर पेयजल के टैंकर वितरण में घोटाला है। आप नेताओं पर ईडी के छापों से साफ है कि जल बोर्ड में घोटाला है, जिसकी ईडी निष्पक्षता से जांच कर रही है।
>
> -**वीरेंद्र सचदेवा**, प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा

झूठे आरोप लगाकर माहौल बना रहे आप प्रवक्ता : बांसुरी

पलटवार

नई दिल्ली, प्र.सं.। दिल्ली भाजपा की मंत्री बांसुरी स्वराज ने आम आदमी पार्टी पर भ्रष्टाचार बढ़ाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार हो या दिल्ली नगर निगम दोनों भ्रष्टाचार के पर्याय बन गए हैं।

बांसुरी स्वराज ने कहा कि आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता झूठे बयान देकर माहौल बनाते हैं। जब दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय दिल्ली जल बोर्ड घाटाले की जांच के लिए छापेमारी कर रहा है तो आप प्रवक्ता शराब घोटाले पर बार बार प्रेस वार्ता कर ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। पूरी आप सरकार दिल्ली के विकास को छोड़ अपने भ्रष्टाचार पर लीपापोती में लगी है पर अब दिल्ली वाले इन पर विश्वास करने को तैयार नहीं हैं। भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा, भ्रष्टाचार का अब बचाव संभव नहीं रहा।

हम शिक्षा-स्वास्थ्य पर 40% बजट खर्च करते हैं : सीएम

दिल्ली के पश्चिम विहार में मंगलवार को स्कूल की नई इमारत के उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। ● एजेंसी

नई दिल्ली, प्र. सं.। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को स्कूल के उद्घाटन अवसर पर कहा कि शिक्षा-स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है और हम इसपर बजट का 40 फीसदी खर्च करते हैं।

किराड़ी में चार स्कूलों की नींव रखने के बाद केजरीवाल ने पश्चिमी विहार में आधुनिक सुविधाओं से लैस स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस की नवनिर्मित इमारत का उद्घाटन किया। इस स्कूल में अगले शिक्षण सत्र से पढ़ाई शुरू होगी। इसमें 1200 बच्चे पढ़ सकेंगे।

इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि आज दिल्ली के सरकारी स्कूलों जैसी सुविधाएं बड़े निजी स्कूलों में भी नहीं हैं। उसी का नतीजा है कि अब निजी स्कूल के बच्चे भी सरकारी स्कूलों में दाखिला ले रहे हैं। किसी भी देश का भविष्य बच्चे होते हैं। उनकी शिक्षा सबसे ऊपर होनी चाहिए, इसलिए हमने दिल्ली सरकार के बजट का सबसे ज्यादा हिस्सा शिक्षा पर खर्च किया है। वहीं, उन्होंने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य पर कुल बजट का महज चार फीसदी ही खर्च करती है।

केजरीवाल ने कहा, पूरी दिल्ली में स्कूलों की पुरानी इमारतों को तोड़कर नई इमारत बनाई जा रही है। वहीं, शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा, पहले सरकारी स्कूलों की हालत एकदम खराब थी। साथ ही बुनियादी सुविधाएं भी जीरो थी। मगर अब सरकारी स्कूलों में शिक्षा क्रांति आ गई है।

सुविधाओं पर एक नजर
- 1200 बच्चे पढ़ेंगे
- 54 क्लास रूम
- दो पुस्तकालय
- 13 प्रयोगशाला
- 18 एक्टीविटी कमरे
- लिफ्ट और बहुउद्देश्यीय प्रयोग के लिए हॉल भी

शहर 30S

जाति प्रमाणपत्र जारी करने के निर्देश
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री राजकुमार आनंद ने राजस्व और एससी/एसटी विभाग के अधिकारियों के साथ शनिवार को समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जाति प्रमाणपत्र 15 दिन के अंदर जारी कर दिए जाएं। कुछ जगह से शिकायतें मिल रही हैं कि निर्धारित समय सीमा के अंदर प्रमाणपत्र नहीं बनाया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी 10 दिन के अंदर सत्यापन करेंगे।

बिजली बिल को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन
नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर मंगलवार को बिजली संशोधन बिल 2023 के खिलाफ प्रदर्शन हुआ। ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजन किया गया। संचालन दिल्ली बिजली उपभोक्ता संगठन के सचिव भास्करानंद के नेतृत्व में हुआ। प्रदर्शनकारियों ने निजीकरण, स्मार्ट एवं प्रीपेड मीटर लगाने, बिजली दरों में बढ़ोत्तरी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

कर्नाटक के सीएम आज विरोध जताएंगे
नई दिल्ली। राज्य को वित्तीय आवंटन में असमानता सहित कई दूसरे मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जंतर-मंतर पर बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया विरोध दर्ज कराएंगे। 'मेरा कर मेरा अधिकार' के लिए 'चलो दिल्ली' का आह्वान किया गया है।

प्रधानाचार्यों के नेतृत्व विकास कार्यक्रम शुरु
नई दिल्ली। सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों, स्कूल प्रमुखों और मेंटर शिक्षकों के क्लस्टर नेतृत्व विकास कार्यक्रम की मंगलवार से शुरुआत हुई। इस संबंध में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक) डॉ. नाहर सिंह द्वारा सर्कुलर जारी किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 फरवरी तक चलेगा।

आठ को नई इमारत का शिलान्यास समारोह
नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर एक में नई स्कूल इमारत का आठ फरवरी को शिलान्यास समारोह होगा। इस संबंध में शिक्षा निदेशालय ने सर्कुलर जारी किया है। समारोह में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और शिक्षा मंत्री आतिशि शामिल होंगी। समारोह के सुचारू संचालन को लेकर निदेशालय ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

महिला मोर्चा ने कवि सम्मेलन आयोजित किया
नई दिल्ली। भाजपा महिला मोर्चा ने मंगलवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें प्रसिद्ध कवियत्री डॉ. कीर्ति काले, डॉ. बलबीर तनहा, दीपाली जैन जिया, प्रियंका राय, सरला मिश्रा के कविता पाठ से सभागार गूंज उठा। मंच संचालन डॉ रुचि चतुर्वेदी द्वारा किया गया। महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा, दीप्ति रावत, दिल्ली भाजपा उपाध्यक्ष योगिता सिंह मौजूद थी।

सरकार ने सड़क का सौंदर्यीकरण कराया
नई दिल्ली। दिल्ली सरकार तिमारपुर रेड लाइट से चंदगीराम अखाड़े तक की सड़क का सौंदर्यीकरण करवाएगी। दिल्ली की पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने सड़क सौंदर्यीकरण से जुड़ी परियोजना को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि सड़क के दोनों तरफ पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही, सड़क के दोनों तरफ स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी, जिससे कि सड़क पर रात में अंधेरा न रहे।

संजय सिंह को मिली शपथ की अनुमति
नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को आप नेता संजय सिंह को राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ लेने के लिए दोबारा अनुमति दे दी है। इससे पहले तीन फरवरी को अदालत ने अनुमति दी थी। शपथ न हो पाने के बाद संजय सिंह की तरफ से अदालत में आवेदन किया गया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

स्पेशल जज एमके नागपाल की अदालत में मंगलवार को ईडी और सिंह की तरफ से वकील पेश हुए। अदालत ने जेल प्रबंधन को आठ या नौ फरवरी को सिंह को पुलिस कस्टडी में राज्यसभा की शपथ ग्रहण कराने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने जेल अधिकारियों से कहा कि वह संजय सिंह को सुबह 10 बजे तक संसद भवन लेकर पहुंच जाएं।

'जल बोर्ड के खातों को ऑडिट करें'

अदालत से

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। जल बोर्ड उच्च न्यायालय ने मंगलवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) को 2018 से 2021 तक दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के खातों को तेजी से ऑडिट करने के निर्देश दिए हैं। याचिका में इन खातों को ऑडिट करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी।

याचिका में कहा गया कि वित्तीय ऑडिट कथित तौर पर पिछले कई वर्षों से नहीं किया गया है। सीएजी के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि उन्हें डीजेबी से वर्ष 2018-19 से 2020-21 के लिए वार्षिक खातों का विवरण प्राप्त हुआ है। वे खातों की ऑडिटिंग की प्रक्रिया में हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा कि सीएजी को कानून के मुताबिक डीजेबी के खातों का यथाशीघ्र ऑडिट करने का निर्देश देते हुए रिट याचिका बंद की जाती है।

अंतिम विवरण और बैलेंस शीट विधिवत तैयार हो : याचिका दिल्ली भाजपा नेता हरीश खुराना द्वारा दायर की गई है, जिसमें डीजेबी को उचित खाते और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड बनाए रखने तथा कानून के तहत 2015 के बाद से उचित बैलेंस शीट के साथ लाभ-हानि का वार्षिक विवरण तैयार करने के अलावा सीएजी को निरीक्षण करने का निर्देश देने की मांग की गई। इस पर डीजेबी ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि पारदर्शिता और कानून के अनुपालन के हित में सभी अंतिम विवरण और बैलेंस शीट विधिवत तैयार हो।

डीजेबी ने कहा, राजनीति से प्रेरित आरोप झूठे
डीजेबी ने याचिका को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे और परेशान करने वाले हैं। सीएजी ने उच्च न्यायालय को बताया कि उसने डीजेबी और दिल्ली सरकार से ऑडिट के लिए खाते मांगने के लिए कई बार पत्राचार किए, लेकिन खाते उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण ऑडिट पूरा नहीं किया जा सका।

अस्पतालों में डॉक्टर नहीं : भाजपा
नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि आप सरकार के नौ वर्षों में दिल्ली की स्वास्थ सेवाएं बदहाल हो गई हैं। अस्पतालों में चिकित्सक नहीं हैं।

सचदेवा ने कहा कि स्टाफ नहीं है और लोग इलाज के लिए परेशान हैं।। कोविड काल में दिल्ली ने देखा था की किस तरह स्वास्थ्य सेवाएं फ्लाप हुईं थी। मोहल्ला क्लीनिक सेवा ठप हो गई थी और आज मोहल्ला क्लीनिक घोटाला केन्द्र बन कर रह गये हैं। दिल्ली सरकार के अस्पताल एवं क्लीनिकों में पैथोलॉजी टेस्ट एवं एक्स रे की सुविधा नही है। नकली दवाओं के नाम पर घाटोला हो रहा है। पैरा मेडिकल स्टाफ की कमी है। सरकार पुराने अस्पतालों को भी चलाने में असफल रही।

'मिड-डे मील की निगरानी हो'
नई दिल्ली। स्कूलों में पीएम पोषण योजना के तहत बंटने वाले मिड-डे मील की ऑनलाइन निगरानी के निर्देश दिए हैं। दैनिक आधार पर मिड-डे मील कार्ड का ब्योरा देना होगा।

Mukherjee Mem. Sr. Sec. School
P & N-Pocket, Dilshad Garden, Delhi-110095
(Recognized & Govt. Aided School)
नोटिस
श्री राम गोपाल--सफाई कर्मचारी--आईडी 20037786, उम्र-42 वर्ष, पुत्र श्री सद्दन सिंह, पता-520/2, नजदीक-स्वामी दयानन्द अस्पताल शाहदरा, दिल्ली-110032
आप अपनी नौकरी से बिना किसी सूचना और छुट्टी की अनुमति लिए बगैर 400 से अधिक दिनों से लगातार अनुपस्थित हैं। चार बार इन्क्वायरी कमेटी द्वारा आपको सूचित करने के बाद भी आप इन्क्वायरी कमेटी के समक्ष कभी भी उपस्थित नहीं हुए। अब आपको अन्तिम चेतावनी दी जा रही है कि नोटिस के प्रकाशित होने के 15 दिनों के अन्दर प्रधानाचार्य महोदय के समक्ष प्रस्तुत हों और अपना पक्ष रखें अन्यथा सरकारी नियमानुसार आपके विरूद्ध एकतरफी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।
मुखर्जी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095

DHIRSONS
JEWELLERS PVT LTD
— DHIRAJ DHIR GROUP —
Today's Hallmark 92% Gold Rate
₹58600/-* per 10gms.
.916 certified by B.I.S.
MAKING CHARGES ONLY 7% ON ALL ITEMS
*T&C apply
LAJPAT NAGAR-II: D-32, Central Market New Delhi - 110024. Ph: 47284728

यमुना के लिए कोष बनाने की संभावना तलाशें : समिति
नई दिल्ली, एजेंसी। एक संसदीय समिति ने जल संसाधन विभाग को यमुना नदी के लिए एक कोष बनाने की संभावना तलाशने का सुझाव दिया है। समिति ने कहा, नदी की सफाई से संबंधित काम को निधियों के अभाव में न रोका जा सके।

जल संसाधन संबंधी स्थायी समिति ने दिल्ली तक ऊपरी यमुना स्वच्छता परियोजना एवं दिल्ली में नदी तलहटी प्रबंधन समीक्षा शीर्षक से अपनी 27वीं रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया है कि खासकर दिल्ली और उत्तर प्रदेश में संबंधित परियोजनाओं को तेजी से निष्पादित करने की आवश्यकता है, ताकि लागत और परियोजना करने की निर्धारित अवधि न बढ़े। समिति ने उम्मीद जताई है कि विभाग इन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए सभी मुद्दों/बाधाओं को दूर करने के लिए ठोस प्रयास करेगा।

विवादास्पद आईटीओ बैराज मुद्दे का समाधान हो : एक संसदीय समिति ने जल संसाधन मंत्रालय से कहा कि वह सभी पक्षों से आईटीओ बैराज के विवादस्पद मुद्दे के समाधान के लिए एक ईमानदार मध्यस्थ की भूमिका निभाए। वहीं, दिल्ली नगर निगम में दस साल पूरा करने वाले सफाई कर्मियों को नियमित करने की सिफारिश की है। समिति ने कहा कि इसके लिए एकसमान एवं पारदर्शी नीति बनाई जानी चाहिए।

सरकार बिजनेस ब्लास्टर्स का दायरा बढ़ाएगी
नई दिल्ली, प्र. सं.। दिल्ली सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के आगामी बजट में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देगी। सरकार इस बार बजट में सरकारी स्कूलों में चल रहे बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम का दायरा बढ़ाने की तैयारी में है।

इसके तहत मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों के अलावा कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों को भी बेहतरीन आइडिया के साथ आने पर उन्हें उस पर काम करने के लिए सीड मनी उपलब्ध कराई जाएगी। सूत्रों की मानें तो बजट में इसके लिए अलग से प्रावधान किया जाएगा।

CH. CHARAN SINGH UNIVERSITY, MEERUT
(NAAC ACCREDITED with A++ Grade)
CONTRACTUAL RECRUITMENT IN THE UNIVERSITY CAMPUS
Advt. SFS 02/2024
Online applications are invited for Teaching Assistants for eligible candidates (As per UGC notification 18 July 2018 and subsequent UP Government order no. 1190/सत्तर-1-2019-16(114)/2010 dated 15 October 2019 and first Statutes of University as amended from time to time) for appointment in the various departments in the University.
Online submission of application start from 05.02.2024 to 01.03.2024
Last date of submission of the printout of online filled form (downloaded) is 07.03.2024
Link for the form and other details:
http://www.ccsuniversity.ac.in/ccsu/recruitment in for further details and eligibility conditions
REGISTRAR

खालिद की भूमिका बताए पुलिस:कोर्ट

दिल्ली हिंसा

नई दिल्ली, प्र. सं.। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पुलिस से वर्ष 2020 की हिंसा के पीछे कथित बड़ी साजिश में उनकी भूमिका के संबंध में यूनाइटेड अगेंस्ट हेट के संस्थापक खालिद सैफी के खिलाफ सबूत दिखाने को कहा।

उच्च न्यायालय ने कहा कि इसके बाद आरोपी की जमानत याचिका पर निर्णय हो सकेगा। उत्तर-पूर्वी दिल्ली की हिंसा के पीछे की साजिश से संबंधित यूएपीए मामले में जमानत की मांग करने वाली सैफी की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत एवं न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने दिल्ली पुलिस के वकील से कहा कि मामले में पूरी सामग्री पर गौर किया गया। लेकिन यहां स्पष्ट आरोप नजर नहीं आ रहे हैं।

कोर्ट ने कहा कि पुलिस खालिद सैफी के खिलाफ लगे आरोपों को लेकर पुख्ता दलील पेश करे। पीठ ने कहा कि सैफी की भूमिका को लेकर पुलिस अपना पक्ष रखे।

पीठ ने यह भी कहा कि पुलिस बताए सैफी साजिश का हिस्सा किस तरह हैं। पीठ ने पुलिस को अगली सुनवाई पर इस मामले की केस डायरी भी पेश करने को कहा है। पीठ ने कहा कि वह सिर्फ मौखिक आरोप सुनने के लिए नहीं बैठे हैं। पुख्ता आधार पेश किए जाएं।

राइट्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
राइट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विशेषज्ञ
शिखर, प्लाट नं. 1, सेक्टर - 29, गुड़गांव - 122001
राइट्स कार्यालय, गुड़गांव में वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से निम्नलिखित पद/विषय में योग्य पेशेवरों की आवश्यकता है

रिक्ति सं.	पद	रिक्तियों की सं.
59/24	डिजाइन इंजीनियर-सिविल	01
60/24	सेक्शन इंजीनियर/सिविल-परमानेंट वे	03
61/24	कार्यकारी-लेखा	01
62/24	अनुभाग अभियंता/सिविल परियोजना स्थल के लिए	01
63/24	सेक्शन इंजीनियर/सिविल-ब्रिज	01
64/24	ड्राइंग एवं डिजाइन विशेषज्ञ/एस एवं टी	01
65/24	अनुभाग अभियंता/एस एवं टी-सिग्नलिंग	01
66/24	ड्राइंग एवं डिजाइन विशेषज्ञ/इलेक्ट्रिकल	01
67/24	सहायक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञ	03
68/24	सहायक पर्यावरण विशेषज्ञ	02
69/24	क्यूएस एवं बिलिंग इंजीनियर	01
70/24	सहायक आर एंड आर सामाजिक विशेषज्ञ	03
71/24	सेक्शन इंजीनियर-सिविल/डिजाइन	01
72/24	सेक्शन इंजीनियर-परमानेंट वे	01
73/24	सेक्शन इंजीनियर-ड्राइंग और डिजाइन (इलेक्ट्रिकल)	01

आवेदन कैसे करें, पद, पारिश्रमिक, योग्यता, आयु, तिथि और स्थान, चयन प्रक्रिया आदि के बारे में उम्मीदवार राइट्स वेबसाइट **www.rites.com** पर कैरियर अनुभाग के तहत पोस्ट किया गया विस्तृत विज्ञापन देख सकते हैं।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट और डीएनडी पर जाम से जूझे लोग

जाम का झाम

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के हनुमान मंदिर चौक पर मंगलवार रात करीब 7:30 बजे जाम लगने की वजह से वाहनों की एक किलोमीटर तक कतार लग गई। इसके अलावा डीएनडी पर भी वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ा।

ग्रेनो वेस्ट में जाम लगने से सुपरटेक इको विलेज-1 और अरिहंत गार्डन सोसाइटी की सर्विस रोड पर भी वाहन घंटों तक फंसे रहे। लोगों का आरोप है कि यहां हर रोज ऐसे ही जाम लग रहा है। मंदिर चौक के पास ही सुपटरटे इको विलेज-1 और अरिहंत गार्डन समेत कई सोसाइटी पड़ती हैं। इनकी सर्विस लेन पर भी वाहनों की लंबी कतार लग गई। दफ्तर से लौट रहे लोग जाम में फंसे रहे। सबसे ज्यादा दिक्कत गलत दिशा ने आने वाले वाहनों से होती है।

एंबुलेंस भी फंसी रही : शाम में वाहनों का दबाव अधिक होता है। इसके अतिरिक्त दादरी और चिटहेरा गांव के बीच भी लंबा जाम लगा रहा, जिसमें एंबुलेंस भी फंस गई।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के हनुमान मंदिर चौक पर मंगलवार रात जाम लगने से वाहनों की कतार लग गई। ● वीडियो ग्रैब

आगरा हाईवे पर भी वाहनों की कतार

फरीदाबाद। दिल्ली-आगरा हाईवे से दिल्ली आने वालों को वाईएमसीए चौक के पास मंगलवार सुबह से शाम तक जाम में फंसना पड़ा। इससे वाहन चालक हाईवे पर रेंग-रेंगकर चले।

हाईवे स्थित एस्कॉर्ट्स-फोर्टिस मेट्रो स्टेशन के एफओबी (फुट ओवरब्रिज) के बराबर में खड़े हाईटेंशन लाइन टावर को हटाने के लिए 11 फरवरी तक एनएचएआई ने वाईएमसीए चौक से लेकर बाटा मोड़ फ्लाईओवर तक सर्विस रोड पर वाहनों का आवगामन रोका है। इस वजह से आगरा हाईवे पर जाम लग रहा है।

एनसीआर 30s

टोल दर बढ़ाने से पहले रिपोर्ट मांगी

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे की टोल दरें बढ़ाने पर 26 फरवरी को होने वाली बोर्ड बैठक में फैसला लिया जा सकता है। इस फैसले से पहले यमुना प्राधिकरण ने एक्सप्रेसवे प्रबंधन कंपनी से रिपोर्ट मांगी है। यमुना प्राधिकरण की पिछली बोर्ड बैठक में टोल दरें बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया था। बोर्ड ने पूछा कि वर्तमान में जो टोल दरें हैं, क्या इससे 36 साल में एक्सप्रेसवे की लागत निकल जाएगी।

छात्र ने कनपटी पर गोली मारकर जान दी

मोदीनगर। गांव ग्यासपुर में सोमवार रात इंटर के छात्र हर्षवर्धन ने कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। दादा को गंभीर बीमारी होने का पता चलने पर अवसाद में आकर छात्र ने यह कदम उठाया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जब पोस्टमार्टम कराने के लिए शव को कब्जा में लेना चाहा तो उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ा।

चिंटल के फ्लैट की कीमत बढ़ाने की मांग

गुरुग्राम। सेक्टर-109 स्थित चिंटल पैराडाइसो के चार टावर ए, बी, सी और जे के फ्लैट मालिकों ने फ्लैट की कीमत बढ़ाने की मांग की है। मंगलवार शाम को एडीसी हितेश कुमार मीणा की अध्यक्षता में बैठक हुई। आरडब्ल्यूए का कहना है कि उन्हें एडीसी ने पुनर्मूल्यांकन कराने का आश्वासन दिया है। ये टावर भी तोड़े जा सकते हैं। बिल्डर ने 6500 रुपये प्रति वर्ग फीट की कीमत लगाई है।

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में मंगलवार को ओडिशा से आए कलाकारों ने चौपाल पर लोकनृत्य की प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध कर दिया। ● हिन्दुस्तान

दिल्ली कूच के लिए किसानों ने पंचायत की

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण दफ्तर के सामने किसानों का धरना मंगलवार को भी जारी रहा। किसानों ने आठ फरवरी को दिल्ली कूच को सफल बनाने के लिए गांव-गांव जाकर पंचायत की। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर पहलवान ने बताया कि मंगलवार को सफाबाद, सोरखा, बहलोलपुर, गढ़ी चौखंडी आदि गांवों के किसानों से दिल्ली चलने की अपील की।

ब्लैकमेल कर बंदीरक्षक से दुष्कर्म

गाजियाबाद। डासना स्थित जिला कारागार में तैनात महिला बंदीरक्षक का कहना है कि उसका और जेल में ही बंदीरक्षक ललित वाजपेयी का सरकारी आवास आसपास था। ललित ने दो साल पहले उसे अपने कमरे पर बुलाया और कोल्डड्रिंक पीने को दी। उसके साथ दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके जरिए ब्लैकमेल कर दो साल तक दुष्कर्म करता रहा।

कुत्ते ने स्कूल जा रहे बच्चे को काटा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की पंचशील ग्रीन्स-1 सोसाइटी में मंगलवार को कुत्ते ने स्कूल जा रहे बच्चे को काट लिया। लोगों ने कुत्ते को भगाकर बच्चे की जान बचाई। लोगों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से लावारिस कुत्तों के बारे में शिकायत की है। लोगों का आरोप है कि इस बाबत प्राधिकरण से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती है।

आवंटन रिपोर्ट तलब कर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त को पत्र जारी किया

मंत्री ने औद्योगिक भूखंडों की आवंटन प्रक्रिया पर सवाल उठाए

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने औद्योगिक भूखंडों की आवंटन प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। साथ ही साक्षात्कार के जरिये हाल ही में जो आवंटन हुए हैं, उनकी रिपोर्ट तलब की है।

आवंटन प्रक्रिया और भूखंड पाने वाले औद्योगिक संस्थानों के नाम भी मांगे हैं। मंत्री के आदेश के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की औद्योगिक भूखंडों की योजना खतरे में पड़ गई है। अब औद्योगिक भूखंडों का आवंटन साक्षात्कार के जरिये नहीं बल्कि नीलामी के जरिये किया जाएगा।

पिछले साल अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह की ओर से जारी आदेश के बाद नोएडा और ग्रेनो प्राधिकरण में औद्योगिक भूखंडों का आवंटन साक्षात्कार के जरिये करने पर उनके बोर्ड ने मुहर लगा दी थी।

योजना निकालकर साक्षात्कार के जरिये आवंटन कर दिया : नोएडा प्राधिकरण ने औद्योगिक भूखंड की योजना निकालकर साक्षात्कार के जरिये आवंटन कर दिया। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने भी 44 औद्योगिक भूखंडों की योजना निकाल दी। अब प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री ने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त को पत्र जारी किया है। इसमें औद्योगिक भूखंडों की आवंटन प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। मंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि साक्षात्कार के जरिये आवंटन नीति पर मुख्यमंत्री का आदेश-मार्गदर्शन लिया जाना था, लेकिन बिना इसके आवंटन प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

नंदी ने कहा कि कई औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उनसे मिले और आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शी नहीं बताया। इसमें सुधार की जरूरत है।

नीलामी से आवंटन होगा

औद्योगिक विकास मंत्री ने औद्योगिक विकास आयुक्त से कहा है कि साक्षात्कार के जरिये अब तक किन भूखंडों आवंटन किया गया। किस-किस औद्योगिक संस्था को भूखंड दिए गए, रिपोर्ट मांगी है। आवंटन प्रक्रिया को संकलित करते हुए मुख्यमंत्री को रिपोर्ट भेजी जानी है। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश के बिना अभी सिर्फ नीलामी के जरिये आवंटन हो। उन्होंने कहा कि आवंटन प्रक्रिया पारदर्शी है, लेकिन अभी तक इसमें मुख्यमंत्री का मार्गदर्शन नहीं मिला है।

44 भूखंडों की योजना 30 जनवरी को लॉन्च की थी ग्रेनो प्राधिकरण ने

135 से लेकर 20354 वर्ग मीटर एरिया तक के हैं ये औद्योगिक भूखंड

आदेश के बाद योजना पर संकट

ग्रेनो प्राधिकरण ने 44 औद्योगिक भूखंडों की योजना 30 जनवरी को लॉन्च की थी। मंत्री के आदेश के बाद यह योजना संकट में आ गई है। इन औद्योगिक भूखंडों का आवंटन साक्षात्कार के जरिए होना प्रस्तावित है। इन 44 भूखंडों में से आठ भूखंड सेक्टर ईकोटेक वन एक्सटेंशन वन में, सेक्टर ईकोटेक वन एक्सटेंशन में एक भूखंड, इकोटेक चार में एक, ईकोटेक छह बी में दो, ईकोटेक छह में 23 भूखंड और उद्योग केंद्र एक्सटेंशन वन में सात और उद्योग विहार एक्सटेंशन में दो भूखंड हैं। ये भूखंड 135 वर्ग मीटर से लेकर 20354 वर्ग मीटर एरिया तक के हैं। आदेश के बाद यह योजना बंद हो सकती है। हालांकि, अभी तक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

ग्रेनो के अधिकारियों ने चुप्पी साधी

औद्योगिक विकास मंत्री के आदेश पर प्राधिकरण के अफसर बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। हालांकि, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में योजना को वापस लेने की तैयारी चल रही है। सूत्रों का कहना है कि योजना बंद करने के लिए जल्द ही विज्ञापन जारी किया जाएगा ताकि आवेदन करने वालों को योजना बंद होने की जानकारी मिल सके।

"नोएडा प्राधिकरण की तरफ से निकाली गई औद्योगिक भूखंड योजना के तहत यूपी दिवस पर आवंटन पत्र भी जारी कर दिए हैं। योजना में कोई रुकावट नहीं है। भूखंड आवंटन करने के लिए सभी मानकों के अंतर्गत साक्षात्कार प्रक्रिया की गई थी। आगे शासन की तरफ से तय नीति पर ही आवंटन होगा।

–डॉ. लोकेश एम, सीईओ, नोएडा प्राधिकरण

द्वारका एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा इसी माह खुलेगा

- मामले में राव इंद्रजीत सिंह नितिन गडकरी मिले
- बोले, गुरुग्राम हिस्सा बनकर तैयार

गुरुग्राम, कार्यालय संवाददाता। द्वारका एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का गुरुग्राम हिस्सा इस महीने के अंत तक यातायात के लिए खोला जा सकता है। मंगलवार को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने इस सिलसिले में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। उनसे आग्रह किया कि गुरुग्राम हिस्सा तैयार है उसे खोला जाए।

राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि एक्सप्रेसवे पर यातायात शुरू होने से सीधा फायदा सेक्टर-69 से लेकर 115 तक विकसित सोसाइटी, कॉलोनियों और गांवों का होगा। गडकरी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अधिकारियों को आदेश जारी किए कि निरीक्षण के बाद इसे यातायात के लिए खोल दिया जाए। गुरुग्राम में 18.6 किमी का हिस्सा तीन महीने पहले बनकर तैयार हो चुका है।

निवेशकों को जमीन न मिलने से प्रोजेक्ट फंसे

- दस हजार करोड़ के प्रोजेक्ट पर संकट
- प्रशासन समस्या के समाधान में जुटा

गाजियाबाद, कार्यालय संवाददाता। जनपद में निवेशकों को जमीन न मिलने से करीब दस हजार करोड़ के प्रोजेक्ट फंसे हुए हैं। निवेशकों की इस समस्या का समाधान करने के लिए प्रशासन और जिला उद्योग केंद्र भी जुटा हुआ है, ताकि जल्द होने वाली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में यहां से करीब 36 हजार करोड़ के प्रस्ताव शामिल हो सके।

पिछले साल फरवरी में यूपी इन्वेस्टर्स समिट हुई थी, जिसमें जिले से करीब एक लाख करोड़ से अधिक का निवेश हुआ। अब जल्द ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी होनी है। इसमें जिला उद्योग केंद्र ने 36 हजार करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट का लक्ष्य तय किया था, जिसमें सभी प्रोजेक्ट का शिलान्यास कराया जाएगा। इसके बाद भी जनपद में अभी तक करीब 26 हजार करोड़ के निवेश की प्रक्रिया आगे बढ़ सकी है।

अपना देश

मध्य प्रदेश में धमाकों के बाद घबराए लोग घरों से बाहर आ गए, चालक गाड़ी छोड़कर भागे

दहशत : हरदा में धमाके से 30 किलोमीटर तक धरती हिली

हादसा

हरदा/भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के हरदा जिले की मगरधा रोड स्थित बैरागढ़ गांव में एक पटाखा फैक्टरी में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि पूरा क्षेत्र दहल गया। ऐसा लगा जैसे भूंकप आया हो। धमाके का असर 25 से 30 किलोमीटर दूर तक महसूस किया गया।

धमाके की आवाज के बाद दहशत में आए लोग अपने घरों से निकलकर रोड पर आ गए तो वाहन चालक गाड़ी छोड़कर भागने लगे। आग की लपटों से पूरा इलाका धुआं-धुआं हो गया। हादसे को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लोग इधर-उधर भागते दिख रहे हैं। वीडियो में कारखाने से निकलते धुएं के घरे गुबार दिखाई दे रहे हैं। हादसे की भयावहता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई लोगों के हाथ-पैर तक उखड़ गए हैं। कई शव कंकाल में बदल गए। कुछ शव मलबे से चिपके हुए थे।

हर तरफ बस चीख पुकार ही सुनाई दे रही थी। लोग अपने परिजनों को इधर-उधर खोजते दिखे। एक अधिकारी के मुताबिक, फैक्ट्री के आसपास बने घरों में बारूद रखा था। धमाके के बाद आसपास के करीब 60 घरों में आग लग गई।

मध्य प्रदेश के हरदा में मंगलवार को पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद आग की लपटों के साथ उठता धुएं का गुबार। भीषण आग पर काबू पाने के लिए हरदा के आसपास के सात जिलों की फायर ब्रिगेड मौके पर बुलाई गई। ● प्रेट्र

11 बजे विस्फोट हुआ विस्फोट, धमाके से पूरा क्षेत्र दहल गया

60 घरों में भी आग लग गई, लोगों के हाथ-पैर उखड़े

जांच कमेटी गठित

मध्यप्रदेश के गृह विभाग ने हरदा में पटाखा फैक्टरी हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई हैं। गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे इसके अध्यक्ष होंगे। जांच रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार शाम भोपाल के हमीदिया अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने इमरजेंसी और आईसीयू में हादसे में घायल हुए लोगों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल पूछा। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर और कमिश्नर से 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी।

घरों में अवैध रूप से रखा था बारूद

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो फैक्टरी के आसपास के घरों में अवैध रूप से बारूद रखा हुआ था। इस कारण कई घर पूरी तरह से उड़ गए। यहां से गुजर रहे कई राहगीर इसी चपेट में आए हैं। हालांकि, इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा दौरा रद्द कर दिया। उन्होंने कहा दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा।

सड़क किनारे पड़ी थीं लाशें

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो विस्फोट इतना जोरदार था कि सड़क पर जा रहे वाहन उछलकर दूर जा गिरे। कुछ लोगों की मौत सड़क पर ही हो गई। करीब एक घंटे तक धमाके होते रहे। आग की लपटें दूर तलक दिखाई दे रही थीं। हरदा कलेक्टर ऋषि गर्ग ने कहा कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। हमारा फोकस बचाव एवं राहत कार्यों पर है।

गलत व्यवसायी के घर पहुंच गई ईडी

कोलकाता, एजेंसी। ईडी के अधिकारी मंगलवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में छापा मारने एक गलत व्यवसायी के आवास पर पहुंच गए।

पीड़ित परिवार ने ऐसी घटना की पुनरावृत्ति होने पर केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी। केंद्रीय बलों के जवानों के साथ ईडी अधिकारियों की एक टीम ने मंगलवार सुबह चिनसुराह में सुभदीप साधुखा के घर पर छापा मारा, यह समझकर कि वह संदीप साधुखा था। यह छापेमारी मनरेगा फंड के कथित गबन की जांच के सिलसिले में थी। सुभदीप के पिता ने कहा कि शुरुआत में, ईडी अधिकारियों ने हमारी बात नहीं सुनी।

मनरेगा कोष गबन मामले में छापेमारी

कलंक के खिलाफ

कोलकाता, एजेंसी। ईडी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) कोष के कथित गबन की जांच के सिलसिले में मंगलवार सुबह पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर छापेमारी की।

अधिकारियों ने बताया कि सॉल्ट लेक के आईए ब्लॉक में एक पूर्व खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) के आवास पर छापा मारा गया। इससे पहले वह हुगली जिले के धनियाखाली में तैनात थे। निदेशालय के एक अधिकारी ने बताया कि जब वे पूर्व बीडीओ के आवास पहुंचे तो वह वहां मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह कहां हैं।

अधिकारियों ने बताया कि झारग्राम जिले में पश्चिम बंगाल लोक सेवा (डब्ल्यूबीसीएस) के एक अधिकारी के सरकारी आवास पर भी छापेमारी की गई है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी छापेमारी के अलावा डब्ल्यूबीसीएस के अधिकारी से पूछताछ भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एजेंसी के कर्मियों ने हुगली जिले के चिनसुराह में भी एक व्यवसायी के आवास और कार्यालय पर छापेमारी की। उन्होंने बताया कि मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर में भी राज्य सरकार के पंचायत विभाग में तैनात एक कर्मचारी से जुड़ी संपत्ति की तलाशी ली गई।

यह प्रतिशोध की राजनीतिः तृणमूल

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की समन्वित छापेमारी को प्रतिशोध की राजनीति बताया। तृणमूल के वरिष्ठ नेता शशि पांजा ने कहा कि यह राज्य का बकाया दिए जाने की मांग को लेकर पार्टी के जारी धरने पर से जनता और मीडिया का ध्यान हटाने की एक कोशिश है। उन्होंने छापेमारी की कार्रवाई को भाजपा का हताशा में उठाया गया कदम करार दिया।

'आनंद मोहन तुरंत पासपोर्ट जमा करें'

नई दिल्ली, वि.सं.। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आनंद मोहन को तुरंत स्थानीय थाने में अपना पासपोर्ट जमा करने और हर 15 दिन में थाने में हाजिरी लगाने का आदेश दिया है।

आनंद मोहन वर्ष 1994 में गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी जी. कृष्णैया की हत्या के मामले में दोषी हैं। मोहन को बिहार सरकार द्वारा सजा में छूट देकर समय से पहले रिहा कर दिया गया था। जस्टिस सूर्यकांत और के.वी. विश्वनाथन की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। पीठ ने इस बाबत केंद्र सरकार से याचिका पर हलफनामा दाखिल कर जवाब देने को एक सप्ताह का समय दिया।

एससी, एसटी में उप-वर्गीकरण के सवाल पर सुनवाई शुरू

अदालत से

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने इस कानूनी सवाल की समीक्षा मंगलवार को शुरू कर दी कि क्या राज्य सरकार को दाखिलों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए एससी/एसटी में उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली सात सदस्यीय संविधान पीठ पंजाब अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग (सेवाओं में आरक्षण) अधिनियम, 2006 की वैधता का भी अध्ययन कर रही है जो अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए तय आरक्षण के तहत सरकारी नौकरियों में ह्यमजहबी सिखह्न और 'वाल्मीकि' समुदायों को 50 प्रतिशत आरक्षण और प्रथम वरीयता देता है। पीठ में न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र मिश्रा शामिल हैं। पीठ 23 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है जिसमें पंजाब सरकार द्वारा दायर एक प्रमुख याचिका भी शामिल है जिसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के 2010 के फैसले को चुनौती दी गई है।

भाजपा की परिक्रमा यात्रा 12 से होगी

नई दिल्ली, वि.सं.। लोकसभा चुनाव की तैयारी में किसानों के बीच अपनी पहुंच मजबूत करने के लिए भाजपा का किसान मोर्चा 12 फरवरी से एक माह की ग्राम परिक्रमा यात्रा शुरू करने जा रहा है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रताल, मां शाकंभरी मंदिर, मुजफ्फरनगर से यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। यात्रा में भाजपा सरकार के विकास कार्यों की जानकारी देश के दो लाख से अधिक गांवों में पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित है। मोर्चा के अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने कहा कि यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प पत्र हेतु किसानों मजदूरों के सुझावों को लिया जाएगा।

'राज्यों के कर्ज से क्रेडिट रेटिंग प्रभावित'

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। भारत सरकार के अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 'राज्यों का कर्ज देश की क्रेडिट रेटिंग को प्रभावित करता है।' उन्होंने केरल सरकार की एक याचिका में एक लिखित नोट दाखिल करते हुए सुप्रीम कोर्ट को यह जानकारी दी है।

शीर्ष अदालत में दाखिल याचिका में केरल सरकार ने कहा कि केंद्र द्वारा उधार लेने की क्षमता कम किए जाने के चलते राज्य में वित्तीय संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

जस्टिस सूर्यकांत और के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने 12 जनवरी को इस मामले में केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। इसी मामले में अटॉर्नी जनरल ने दाखिल अपने नोट में कहा कि यदि किसी कारणवश किसी राज्य द्वारा कर्ज चुकाने में चूक करने से प्रतिष्ठा संबंधी समस्याएं उत्पन्न होंगी और इससे पूरे देश की वित्तीय स्थिरता खतरे में पड़ जाएगी।

उधार लेने को केंद्र की अनुमति लेना जरूरी : केंद्र सरकार की ओर से अटार्नी जनरल ने कहा कि सभी राज्यों को किसी भी स्रोत से उधार लेने के लिए केंद्र की अनुमति की आवश्यकता है।

वित्तीय संकट उत्पन्न हो जाएगा : राज्य सरकार

केरल सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा उधार लेने की क्षमता सीमित किए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। केरल सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि केंद्र द्वारा उधार लेने की क्षमता कम किए जाने के चलते राज्य में वित्तीय संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। केरल सरकार ने याचिका में केंद्र द्वारा उधार लेने की सीमा तय करने में हस्तक्षेप को राजकोषीय संघवाद के सिद्धांतों का उल्लंघन बताया है।

बृजभूषण के वकील ने दोषमुक्त करने की दलील दोहराई

नई दिल्ली, व.सं.। महिला पहलवानों के उत्पीड़न के मामले में मंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। अतिरिक्त मुख्य महानगर दंडाधिकारी प्रियंका राजपूत की अदालत में हुई सुनवाई में बृजभूषण शरण सिंह के वकील ने अपनी दलीलें रखी।

इस दौरान उन्होंने अदालत से सिंह को आरोप मुक्त किए जाने की अपील की। सिंह की तरफ से दलील पूरी करने के लिए सात फरवरी को दोपहर 2 बजे फिर सुनवाई होगी।

जालसाजी | नकली जूम मीटिंग और सीईओ बनकर किया फर्जीवाड़ा, हांगकांग की कंपनी से पैसे ट्रांसफर करवाया

डीपफेक के जरिये 200 करोड़ की धोखाधड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। डीपफेक तकनीक से पहली बार पूरी कंपनी के साथ फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, हांगकांग में एक एमएनसी से डीपफेक के जरिये लगभग 200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हो गई।

साइबर अपराधियों ने कंपनी का मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीईओ) बनकर नकली जूम मीटिंग की। इस दौरान कंपनी के वित्त कर्मचारी से पैसे ट्रांसफर करने को कहा। आदेश के बाद कर्मचारी ने पांच अलग-अलग बैंक खातों में कुल 15 बार पैसे भेजे। बाद में कर्चमारी को शक होने पर पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने अभी किसी को गिरफ्तार नहीं किया है।

ऐसे हुआ खुलासा : कर्मचारी ने पुलिस को बताया कि पैसों की मांग के लिए एक ईमेल जनवरी में आया था। उसने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद डीपफेक वीडियो कॉल की गई। सीईओ समेत सभी कर्मचारी असली नजर आए। जब मीटिंग में फर्जीवाड़ा करने वालों ने उसका परिचय पूछा और ज्यादा बात नहीं की तो थोड़ा शक हुआ। इसके बाद अपराधियों ने कॉल खत्म होने से पहले पैसे भेजने का आदेश दिया।

सीईओ से आदेश के कारण पैसों को तुरंत खातों में भेज दिया। बाद में मुख्यालय से पता लगाया तो मामले का खुलासा हुआ। अपराधियों ने फेशिअल रिकग्निशन प्रोग्राम का इस्तेमाल कर यह फर्जीवाड़ा किया।

मीटिंग में थे सभी नकली कर्मचारी

पुलिस ने बताया कि अपराधियों ने डीपफेक की मदद से एमएनसी से लगभग 25.6 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी की। जूम मीटिंग में सीईओ समेत सभी अधिकारी और कर्मचारी नकली थे। ब्रिटेन में बैठा वित्त कर्मचारी ही सिर्फ असली था। बातचीत के दौरान कर्मचारी के लगा कि यह असली कांफ्रेंस कॉल है। वह उनमें से कई लोगों को पहचानता था।

गृह मंत्री ने कहा, मोदी सरकार देश से लगती सीमाओं को अभेद्य बनाने के काम में तेजी के साथ जुटी हुई है

म्यांमार सीमा पर पूरी बाड़बंदी होगी : शाह

फैसला

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। भारत ने म्यांमार से लगती पूरी सीमा पर बाड़बंदी करने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट में ये ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश से लगती सीमाओं को अभेद्य बनाने के काम में तेजी से जुटी है।

निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाएगा : केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश से गुजरने वाली 1643 किलोमीटर लंबी म्यांमार सीमा पर बाड़बंडी होगी। उन्होंने कहा कि सीमा को सुरक्षित बनाने के लिए सीमा पर निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाएगा। सीमा पर गश्ती दल के आवागमन के लिए सीमा पर मूवमेंट के लिए ट्रैक बनाया जाएगा।

हाईब्रिड सर्विलांस सिस्टम होगा : गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मणिपुर के मोरेह में म्यांमार सीमा पर 10 किलोमीटर बाड़बड़ी का काम पूरा हो चुका है। दो पायलट प्रोजेक्ट के तहत हाईब्रिड सर्विलांस सिस्टम के तहत अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में एक किलोमीटर की फेंसिंग होगी। मणिपुर में म्यांमार से लगती सीमा पर 20 किलोमीटर बाड़बंदी का काम जल्द शुरू होगा।

नई दिल्ली में मंगलवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात करने पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह। • प्रेट्र

मुक्त आवागमन हो जाएगा बंद : केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद भारत- म्यांमार सीमा पर मुक्त आवागमन की व्यवस्था बंद होगी। दोनों देशों के बीच फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) मुक्त आवागमन को 2018 में इंडिया एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत लागू किया गया था। इसके तहत भारत- म्यांमार सीमा पर लोग बिना किसी कागज के 16 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकते हैं।

मैतेई समूह कर रहा था ये मांग : म्यांमार सीमा पर बाड़बंदी के लिए मणिपुर का मैतई समूह लंबे समय से मांग कर रहा था। मैतई समूह का आरोप था कि म्यांमार सीमा पर बाड़बंदी नहीं होने से बड़े पैमाने पर नशीली दवाओं की तस्करी होती है। इसके अलावा यहां से ऐसे लोग भी आते हैं जिससे राज्य की शांति व्यवस्था को खतरा बना रहता है।

सीमा पर खर्च होंगे करोड़ों रुपये : सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) पूर्व के अतिरिक्त महानिदेशक पीकेएच सिंह ने कुछ दिन पहले बताया था कि भारत से लगती म्यांमार सीमा पर बाड़बंदी का काम बीआरओ करेगा। उन्होंने बताया था कि उत्तर पूर्वी राज्यों से लगती सीमा पर बाड़बंदी में 30 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। बीआरओ के महानिदेशक ने कहा था इस कार्य में करीब पांच साल का वक्त लग सकता है।

लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात कर बधाई दी

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की। शाह और नड्डा ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की घोषणा के मद्देनजर बधाई दी। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश की सांस्कृतिक विरासत, राजनीति और प्रगति में आडवाणी ने अमूल्य योगदान दिया है। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आडवाणी को भारत रत्न देने का निर्णय लेकर उनके अथक संघर्षों और योगदान को सम्मानित करने का काम किया। वहीं, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र को सशक्त व श्रेष्ठ बनाने में आडवाणी का योगदान अविस्मरणीय है।

1643 किलोमीटर लंबी बाड़बंदी म्यांमार बॉर्डर पर होगी

राज्यों से लगती म्यांमार सीमा

राज्य	किलोमीटर
अरुणाचल	520
मिजोरम	510
मणिपुर	398
नगालैंड	215

म्यांमार जा रहे भारतीयों को विदेश मंत्रालय की हिदायत

नई दिल्ली, वि.सं.। भारतीय विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय नागरिकों को म्यांमार के रखाइन राज्य नहीं जाने की सलाह दी है। मंत्रालय ने कहा है कि जो भारतीय वहां मौजूद हैं वो तत्काल वहां से निकल जाएं।

मंत्रालय ने मंगलवार को इस संदर्भ में एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है वहां की बिगड़ती सुरक्षा स्थिति, लैंडलाइन सहित दूरसंचार के साधनों में व्यवधान और आवश्यक वस्तुओं की गंभीर कमी को देखते हुए सभी भारतीय नागरिकों को म्यांमार के रखाइन राज्य की यात्रा न करने की सलाह दी जाती है।

पीसी जॉर्ज की पार्टी का भाजपा में 13 को विलय

कोट्टायम। केरल जनपक्षम (सेक्युलर) के प्रमुख पी. सी. जॉर्ज ने मंगलवार को यहां कहा कि 13 फरवरी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में आधिकारिक तौर पर उनकी पार्टी का भाजपा में विलय हो जाएगा।

जॉर्ज ने कहा कि उस दिन उनकी पार्टी की राज्य समिति के 112 सदस्यों को भाजपा की सदस्यता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विलय केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में होगा, जहां शाह अगले सप्ताह पहुंचेंगे।

देश 30 S

नए निर्वाचन आयुक्त के चयन को बैठक आज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली एक समिति निर्वाचन आयुक्त पद के उम्मीदवार का चयन करने के लिए बुधवार को यहां बैठक करेगी। तीन सदस्यीय निर्वाचन आयोग में 14 फरवरी को चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे के सेवानिवृत्त होने के बाद एक पद रिक्त हो जाएगा मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) कानून के मुताबिक, कानून मंत्री की अध्यक्षता वाली एक खोज समिति प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली चयन समिति के विचार के लिए पांच उम्मीदवारों का नाम सूचीबद्ध करेगी।

ईशनिंदा कानून बनाए जाने की उठी मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को ईशनिंदा कानून बनाए जाने और संविधान की प्रस्तावना में अहिंसा शब्द जोड़े जाने की मांग की गई। शून्यकाल के दौरान भाजपा के अशोक वाजपेयी ने देश में ईशनिंदा कानून बनाए जाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि सौ से अधिक देशों में आस्था का अपमान करने वालों के लिए ईशनिंदा कानून है। भारत में सवा सौ करोड़ हिंदू हैं और वह उदारवादी और सहिष्णु होते हैं लेकिन आए दिन उनकी आस्था पर चोट की घटनाएं देखने को मिलती हैं।

संसद का बजट सत्र एक दिन के लिए बढ़ा

नई दिल्ली। संसद के मौजूदा बजट सत्र को एक दिन बढ़ाकर शनिवार तक किया जा रहा है। यह जानकारी संसदीय कार्य मंत्री प्राद जोशी ने दी। सूत्रों के अनुसार, सरकार 2014 से पहले और बाद में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति की तुलना करते हुए एक श्वेत पत्र पेश करने की योजना बना रही है। बजट सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को हुई थी और इसे नौ फरवरी को समाप्त होना था।

पीएम किसान के तहत राशि बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को सूचित किया कि उसके पास पीएम-किसान योजना के तहत किसानों की दी जाने वाली आर्थिक सहायता को 6,000 रुपये प्रतिवर्ष से बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि योजना के तहत महिला किसानों के लिए भी राशि बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

विदेशी जेलों में 266 भारतीय मछुआरे बंद

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को कहा कि करीब 266 भारतीय मछुआरे विदेशी जेलों में बंद हैं। उनकी जल्द रिहाई सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा, तमिलनाडु से 41 मछुआरे श्रीलंका गए, 184 मछुआरे गुजरात से पाकिस्तान गए, 10 मछुआरे बहरीन गए और 31 मछुआरे सऊदी अरब गए।

2018-2022 तक राजद्रोह के 701 मामले दर्ज

नई दिल्ली। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि राजद्रोह और देश के खिलाफ अपराधों के लिए 2018 से 2022 तक 701 मामले दर्ज किए गए। विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम (यूएपीए) के तहत 5,023 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि राजद्रोह और देश के खिलाफ अपराधों के तहत दर्ज मामलों की संख्या 2021 में 149 से घटकर 2022 में 68 रह गई।

साढ़े दस हजार से अधिक जन औषधि केंद्र

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को कहा कि देश में 12 करोड़ परिवारों यानी लगभग 60 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई है। वे अब पांच लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त करा सकते हैं। वहीं, 10,500 से अधिक जन औषधि केंद्रों के माध्यम से गरीबों को आवश्यक दवाएं किफायती दामों में उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सशस्त्र पुलिस बलों में 41 हजार महिलाकर्मी

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, और असम राइफल्स जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 41,606 महिलाकर्मी हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में महिलाकर्मियों की भर्ती को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

प्लास्टिक नोट शुरू करने पर फैसला नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने प्लास्टिक नोट शुरू करने का कोई निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि भारतीय बैंक नोटों को टिकाऊ और उसे नकल से बचाने को लेकर प्रयास सतत प्रक्रिया है।

केंद्रीय मंत्री पर सांसद बालू के बयान से सदन में हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में मंगलवार को उस समय सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली जब द्रमुक नेता टीआर बालू ने केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन पर निशाना साधते हुए कुछ टिप्पणी की।

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आरोप लगाया कि बालू ने मुरुगन के खिलाफ टिप्पणी करके पूरे दलित समाज का अपमान किया है। उन्होंने द्रमुक नेता से माफी की मांग की।

सदन में प्रश्नकाल के दौरान जब बालू तमिलनाडु में प्राकृतिक आपदा से नुकसान के संदर्भ में पूरक प्रश्न पूछ रहे थे तो मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री मुरगन ने उन्हें टोका। इसके बाद बालू ने पलटवार करते हुए उनके खिलाफ एक शब्द का इस्तेमाल किया। इसके बाद सत्तापक्ष के सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया। प्रह्लाद जोशी ने कहा, बालू एक वरिष्ठ सांसद हैं। उन्होंने एक एससी मंत्री के खिलाफ टिप्पणी की है। उनको माफी मांगनी चाहिए। मेघवाल ने कहा, बालू, आप इस तरह के शब्द का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं। यह दलित समाज का अपमान है। आपको माफी मांगनी चाहिए। इसके बाद द्रमुक और कांग्रेस के सदस्यों ने जवाब में आरोप लगाया कि तमिलनाडु के अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि बालू ने जिस शब्द का इस्तेमाल किया उसे कार्यवाही से हटा दिया जाएगा।

तमिलनाडु के साथ कोई भेदभाव नहीं: नित्यानंद

द्रमुक नेता के टिप्पणी को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच कुछ देर तीखी नोकझोंक चलती रही। हंगामा थमने पर बिरला ने प्रश्नकाल को आगे बढ़ाया। इसके पहले गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने द्रमुक और कांग्रेस सदस्यों के इन आरोपों को खारिज किया कि आपदा प्रबंधन और सहयोग के मामले में तमिलनाडु के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी की इच्छा सबके सहयोग की है। इस सरकार में अपनी मातृभाषा में तकनीकी क्षेत्र में पढ़ाई करने का प्रावधान किया गया है।

“द्रमुक नेता टीआर बालू इस तरह के शब्द का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं। यह दलित समाज का अपमान है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

–प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय मंत्री

लोक परीक्षा बिल पर लोकसभा की लगी मुहर

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। लोकसभा ने मंगलवार को सरकारी भर्ती, प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्न लीक व फर्जी वेबसाइट जैसी अनियमितताओं पर अंकुश लगाने वाले लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) विधेयक 2024 पर मुहर लगा दी।

इस विधेयक पर प्रश्न लीक मामले में अनियमितताओं के खिलाफ तीन वर्ष से दस वर्ष तक की सजा और एक करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। संसद में विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय कार्मिक राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थी या अभ्यर्थी इस कानून के दायरे में नहीं आते हैं। उन्होंने कहा कि विधेयक से यह संदेश नहीं जाना चाहिए कि इस कानून के जरिए उम्मीदवारों का उत्पीड़न होगा। यह कानून उन लोगों के खिलाफ है, जो परीक्षा प्रणाली के साथ छेड़छाड़ करते हैं। बिल के कानून बन जाने से परिश्रम, योग्यता और प्रतिभा के आधार पर नौजवानों को अवसर मिलेंगे।

बिल पर चर्चा के दौरान कई सदस्यों ने परीक्षा रद्द होने की स्थिति में तय समय सीमा के अंदर परीक्षा कराने की मांग की, ताकि युवाओं की मेहनत बर्बाद न हो। इसका जवाब देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा, इस तरह के मामलों में सीबीआई जांच और अन्य तरह की प्रक्रियाएं शुरू हो जाती हैं। इसलिए समय सीमा तय करना संभव नहीं है, पर सरकार का हमेशा यह प्रयास रहेगा कि जल्द से जल्द पुनर्परीक्षा आयोजित की जाए।

इसलिए बिल लाया गया: परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ अलग सख्त कानून पर कुछ सदस्यों के सवाल उठाए जाने पर राज्यमंत्री ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता में अलग से इस तरह के प्रावधानों का उल्लेख नहीं है, इसलिए यह बिल लाया गया है। सरकार विशेषज्ञों की एक समिति का गठन करेगी, जो समय-समय पर इसका आकलन कर बेहतर बनाने का सुझाव देगी।

“यह कानून उन लोगों के खिलाफ है, जो परीक्षा प्रणाली के साथ छेड़छाड़ करते हैं। इस के कानून बन जाने से परिश्रम, योग्यता और प्रतिभा के आधार पर नौजवानों को अवसर मिलेंगे।

–जितेंद्र सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री

03 से लेकर दस वर्ष तक की सजा होगी प्रश्न लीक मामले में

01 करोड़ रुपये तक जुर्माने का भी है प्रावधान लोक परीक्षा विधेयक में

जल संशोधन समेत दो विधेयक पारित

राज्यसभा

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। राज्यसभा में मंगलवार को जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) संशोधन विधेयक 2024 और संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (संशोधन) विधेयक 2024 एवं संविधान (अनुसूचित जाति एवं जनजातियां) आदेश (संशोधन) विधेयक 2024 को चर्चा के बाद पारित कर दिया गया।

विभिन्न दलों के सदस्यों ने चर्चा में हिस्सा लेते हुए जल प्रदूषण को लेकर चिंता जताई। वहीं, दूसरे विधेयक में कुछ अनुसूचित जातियों को अनुसूचित जनजाति सूची में डाला गया है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने विधेयक पर हुई चर्चा के जवाब में कहा, विकास और पर्यावरण संरक्षण एक साथ चलना चाहिए। विधेयक के प्रावधानों से जल प्रदूषण से संबंधित विभिन्न मुद्दों से निपटने में अधिक पारदर्शिता आएगी। यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल वाराणसी में जो नौ आग्रह किए थे उनमें से पहला आग्रह देश में जल के संरक्षण को लेकर हर नागरिक के जागरूक होने का था। पुराने कानून में सामान्य नियमों के उल्लंघन पर सजा का प्रावधान था। कुछ उल्लंघन अनजाने में हो जाते थे। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को देखते हुए नए विधेयक में कैद की जगह जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

कुछ अनुसूचित जातियों को अनुसूचित जनजाति सूची में डाला

राज्यसभा में संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश (संशोधन) विधेयक 2024 और संविधान (अनुसूचित जाति एवं जनजातियां) आदेश (संशोधन) विधेयक 2024 को संक्षिप्त चर्चा के बाद पारित कर दिया गया। विधेयक में कुछ अनुसूचित जातियों को अनुसूचित जनजाति सूची में डाला गया है। दो घंटे तक चली चर्चा के बाद केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सरकार ने इस विधेयक के माध्यम से उन समुदायों को अधिकार दिया है, जिन्हें आजादी के बाद से न्याय नहीं मिला है।

एससी, एसटी से संबंधित बिल मंजूर

नई दिल्ली। लोकसभा ने जम्मू-कश्मीर में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित दो बिल को मंगलवार को मंजूरी दे दी।

सदन ने संविधान (जम्मू-कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश (संशोधन) बिल 2023 व संविधान (जम्मू-कश्मीर) अनुसूचित जनजातियां आदेश (संशोधन) बिल 2023 को मंजूरी दी। पहले बिल में वाल्मीकि समुदाय को चूड़ा, वाल्मीकि समुदाय के समानार्थी के रूप में जोड़ने का प्रावधान है। वहीं, दूसरे में अनुसूचित जनजातियों की सूची में चार समुदायों को जोड़ने का प्रावधान है।

कार्यालय सेंटर फॉर गुड गवर्नेन्स,
डॉ. आर.एस. टोलिया, उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल।

संख्या: 539/XVII-26(2019–20) दिनांक : 06.02.2024

विज्ञप्ति

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स में नितान्त अस्थायी 01 पद संकाय सदस्य, ई–गवर्नेन्स प्रकोष्ठ हेतु दिनांक 08 मार्च 2024 तक आवेदन आमंत्रित किये जाने हैं। संबंधित विज्ञप्ति अकादमी की वेबसाईट www.uaua.gov.in पर उपलब्ध है।

सचिव

'सरकार के कदमों से महंगाई पर नियंत्रण'

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मंगलवार को कहा कि जल्द खराब होने वाली खाद्य वस्तुओं के दाम में वृद्धि को काफी हद तक रोका जा सका है। सरकार की ओर से समय-समय पर उठाए गए कदमों की वजह से महंगाई नियंत्रण में है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र सरकार के साथ मिलकर प्याज को गामा किरणों की मदद से नमी-रहित करने पर काम कर रहा है। इससे प्याज को लंबे समय तक रखा जा सकेगा। प्याज के दामों में अस्थिरता को रोकने के लिए सरकार ने इसका बफर आकार 2023-24 में सात लाख मीट्रिक टन कर दिया है, जो 2020-21 में एक लाख मीट्रिक टन था। तीन फरवरी 2024 तक कुल 6.32 लाख मीट्रिक टन प्याज का उत्पादन हुआ और खुदरा बिक्री, थोक बिक्री तथा ई-नीलामी से ग्रेड ए का 3.96 लाख टन प्याज जारी किया गया।

कवच से लैस हुआ 827 किलोमीटर रेलवे ट्रैक

नई दिल्ली, वि.सं.। केंद्र सरकार ने ट्रेनों की टक्कर रोकने वाली तकनीक कवच को 827 किलोमीटर ट्रैक पर लगाया है। इसके अलावा 3040 किलोमीटर लंबे ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाए गए हैं।

सरकार स्वदेशी तकनीक से विकसित कचव तकनीक को प्रथम चरण में दिल्ली-हावड़ा व दिल्ली-कोलकाता रेलमार्ग पर लगा रही है। योजना पूरी होने के बाद इन दोनों रेलमार्ग के ट्रेन दुर्घटना मुक्त होने की उम्मीद है। रेलवे बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि कवच तकनीक में ट्रेन के इंजनों, रेलवे ट्रैक, स्टेशन आदि पर उपकरण लगाए जा रहे हैं।

कवच, रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटटीफिकेशन तकनीक पर आधारित है। इसके लिए ट्रैक के किनारे 827 किलोमीटर कवच उपकरण लगाए गए हैं। रेलमार्गों के किनारे 269 मोबाइल टॉवर लगा गए हैं। 170 ट्रेन इंजनों व 186 स्टेशनों को कवच से लैस किया गया।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
संजय गाँधी स्मारक अस्पताल
मंगोलपुरी, दिल्ली-110083
फोन: 011-272921117, 27922843
ई-मेल: mssgmh@rediffmail.com, admsgmh@gmail.com

No.F.1(376)DIP/SR JR/SGMH/2023/1412 Dated: 03.02.2024

सीनियर रेजिडेंट के रिक्ति पदों के लिए साक्षात्कार की सूचना

संजय गाँधी मेमोरियल अस्पताल में सीनियर रेजिडेंट के 70 व विशेषज्ञों के 15 रिक्त पदों के लिए आवेदन पत्र क्रमशः नियमित आधार व एडहॉक पर आमंत्रित किए जाते हैं। नियुक्ति 1 वर्ष के लिए होगी, जिसे अच्छे प्रदर्शन के आधार पर 03 वर्षों के लिये बढ़ाया जा सकता है।

विशेषज्ञों के 15 रिक्ति पदों पर एडहॉक आधार पर योग्यता के अनुसार सीनियर रेजिडेंट की नियुक्ति संबंधित विभाग में की जाएगी। एडहॉक नियुक्ति 89 दिनों के लिए होगी जिसे अच्छे प्रदर्शन के आधार पर 03 वर्षों के लिये बढ़ाया जा सकता है, जब तक नियमित पदाधिकारी कार्यभार ग्रहण कर लें।

सीनियर रेजिडेंट दिनांक 15.02.2024 सुबह 9.00 बजे से 12.00 बजे तक साक्षात्कार के लिए, आवेदन पत्र, जांच सूची व अपेक्षित मूल दस्तावेज के साथ सभागार कक्ष, प्रशासनिक ब्लॉक, संजय गाँधी मेमोरियल अस्पताल में उपस्थित हो सकते हैं।

पदों हेतु पूरी जानकारी जैसे कि आवश्यक आयु, योग्यता, आय और रिक्तियों से संबंधित और अधिक जानकारी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, दिल्ली सरकार की वेबसाइट https://health.delhi.gov.in/ के रिक्ति/परिणाम अनुभाग में उपलब्ध हैं।

(डॉ० बृजेश कुमार सिंह)
उप चिकित्सा अधीक्षक

DIP/Shabdarth/Classified/0331/23-24

कार्यालय आयुक्त
खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, उत्तराखण्ड
मसूरी बाईपास, रिंग रोड, लाडपुर, देहरादून
E-mail: foodcommfcs@gmail.com

पत्रांकः 2418/आ०खा०/1070-II /2023-2024 दिनांक 05/02/2024

Corrigendum Notice

RFP for selection of System Integrator for Supply, Installation and Maintenance support of PoS Devices with Electronic Weighing Scales (EWS), FPS Automation application and hosting support towards the Automation of Fair Price Shops operations for Food, Civil Supplies & Consumer Affair Department, Uttarakhand.

Tender Ref.no-FCS & CA_UK/JAN/2024/02, कार्यालय पत्र संख्या-2304, दिनांक 20/01/2024 के द्वारा आमंत्रित निविदा हेतु जारी आर०एफ०पी० में कतिपय Clauses/ Sub Clauses में संशोधन करते हुए Corrigendum जारी किया जा रहा है। जिसे www.uktenders.gov.in वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

अन्य जानकारी हेतु खाद्यायुक्त कार्यालय के दूरभाषः 09639030354, एवं E-mail: foodcommfcs@gmail.com से सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है।

(पी० एस० पांगती) अपर आयुक्त

pfrda

18 से 70 के बीच किसी भी उम्र में शुरू करें + आजीवन सुरक्षा का आनन्द पाएं

एनपीएस के साथ ज्यादा पाएं
सुरक्षित भविष्य के लिए निवेश करें

कौन शामिल हो सकता है?
- कोई भी भारतीय नागरिक (NRIs एवं OCIs भी शामिल) और कॉर्पोरेट कर्मचारी जिसकी आयु 18 से 70 वर्ष के बीच हो

NPS से कैसे जुड़ा जा सकता है?
- ऑनलाइन और बैंक्स/ NBFCs जैसे फ़िज़िकल मोड के ज़रिए
- NPS ट्रस्ट के ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म (npstrust.org.in) या फिनटेक ऐप के जरिए

मैच्योरिटी के वक़्त :
- 60 वर्ष की आयु में अथवा रिटायरमेंट के वक़्त, आप अपनी जमा की गई राशि में से 60 प्रतिशत राशि एकमुश्त आहरण या व्यवस्थित एकमुश्त प्रत्याहरण (SLW–सिस्टेमेटिक लम्पसम विथड्रावल) से किस्तों के द्वारा निकाल सकते है और शेष राशि आपकी वार्षिक रेगुलर पेंशन के लिए उपलब्ध होगी

nps national pension system #Zaruri Hai

@PFRDAOfficial NPS-National Pension System @PFRDAOfficial /company/pfrda/

अधिक जानकारी या एनरॉल करने के लिए स्कैन करें

हिन्दुस्तान
1936
सत्य · सार्थक · सदैव

प्रधानमंत्री का जवाब

मौजूदा लोकसभा का आखिरी सत्र जब अपने समापन के बिल्कुल करीब है, तब इस सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कुछ कहा, उसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। अपने वक्तृत्व कौशल का इस्तेमाल करते हुए दरअसल उन्होंने एक तरह से आगामी आम चुनाव की पूर्वपीठिका ही पेश की। जाहिर है, उन्होंने इस अवसर पर जिस आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया, उसके पीछे प्रतिपक्ष को चिंता में डालने के साथ-साथ एनडीए को प्रोत्साहित करने की एक सुविचारित रणनीति थी। गौर कीजिए, जिस वक्त प्रधानमंत्री जवाब देने के लिए लोकसभा में खड़े हुए, उसके चंद घंटे पहले झारखंड में 'इंडिया' ब्लॉक ने न सिर्फ अपनी सरकार बचाने में सफलता हासिल की थी, बल्कि चंडीगढ़ के मेयर चुनाव के मसले पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी भी सत्तारूढ़ भाजपा के लिए कोई बहुत सुखकर नहीं थी। ऐसे में, अपने कार्यकर्ताओं के मनोबल को थामे रखने और प्रतिपक्ष के उत्साह को ठंडा करने के लिए उन्होंने एनडीए इस बार 400 पार का सूत्र दे डाला। चूंकि, मौजूदा लोकसभा को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के खात्मे का श्रेय जाता है, इसलिए 370 सीटों पर भाजपा की जीत का उनका दावा एक मनोवैज्ञानिक संदेश देने की कोशिश है।

यह स्वाभाविक ही था कि प्रधानमंत्री अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते, लेकिन जिस तरह से उन्होंने विपक्ष के ऊपर तंज-तीर बरसाए, वे बेमकसद नहीं थे।

यह स्वाभाविक था कि प्रधानमंत्री अपने जवाब में पिछले 10 वर्षों के दौरान हासिल अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते, लेकिन जिस तरह से उन्होंने विपक्ष और खासकर कांग्रेस पर तंज के तीर बरसाए, वे बेमकसद नहीं थे। प्रधानमंत्री मोदी यह बखूबी जानते हैं कि अपने प्रतिपक्षी को कभी कमतर नहीं आंकना चाहिए, फिर अगले संसदीय समर में जिस पार्टी से उनका सबसे अधिक सीटों पर आमना-सामना होना है, उसकी कमियों, उसके अंतर्विरोधों को देश के सामने रखने का अवसर वह यूं ही कैसे जाने देते? तब तो और, जब सीधे मुकाबले वाले प्रदेशों में भाजपा लगभग शत-प्रतिशत सीटों पर काबिज है? ऐसे में, कोई भी दक्ष राजनेता अपने विरोधी दल पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाए रखना चाहेगा। कांग्रेस पर प्रधानमंत्री के शाब्दिक प्रहार को इसी रूप में लेना चाहिए।

वैसे तो यह संसदीय परंपरा रही है कि लोकसभा जब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचती है, और इसके सदस्य अपनी अगली पारी के लिए चुनावी मैदान की ओर कूच करते हैं, तब वे दलीय खेमेबंदी से ऊपर उठकर एक-दूसरे के सुखद भविष्य की कामना करते हैं। अभी ज्यादा वक्त नहीं हुआ है, पिछली लोकसभा की ऐसी ही विदाई वेला में समाजवादी पार्टी के सर्वोच्च नेता मुलायम सिंह यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनने की शुभकामनाएं दी थीं। मगर दुर्योग से हमारी स्वस्थ संसदीय परंपराएं तेजी से रीतने लगी हैं। अब नेताओं में निजी कटुता साफ-साफ झलकने लगी है। यहां हम उन दुखद घटनाओं का जिक्र नहीं करना चाहते, जो सतरहवीं लोकसभा के दामन में हमेशा के लिए चस्पां हो गई हैं और इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही जिम्मेदार हैं। मगर भारत के संसदीय लोकतंत्र को सुर्खरू होना है, तो उसे सत्ता और विपक्ष के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। सतरहवीं लोकसभा ने हमें इस बात का एहसास शिद्दत से कराया है। चुनाव आते-जाते रहेंगे, सरकारें भी आती-जाती रहेंगी, पर भारत का गौरव उसकी सरकारों की नहीं, उसके संसदीय जनतंत्र की परिपक्वता की कसौटी पर ही परखा जाएगा!

हिन्दुस्तान Hindustan | 75 साल पहले

07 फरवरी, 1949

नया हस्तिनापुर और नेहरू

नई दिल्ली, ६ फरवरी। भारत के भव्य अतीत के साथ आज एक नया सम्पर्क स्थापित हुआ जबकि प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली से ६५ मील की दूरी पर हस्तिनापुर के नये नगर की नींव ठीक उसी स्थल पर डाली, जहां किसी समय महान पाण्डवों की राजधानी इसी नाम से सगर्व खड़ी थी। महाभारत के उन महापुरुषों की याद आज हमें केवल यहां के टीले और व्याख्यान दिलाते हैं। नेहरूजी के साथ भारत सरकार के कृषि मंत्री श्री जयराम दौलतराम, युक्त प्रांत के प्रधानमंत्री पंडित गोविन्दवल्लभ पन्त (तब सूबों के मुख्यमंत्री को भी प्रधानमंत्री कहा जाता था), कांग्रेस अध्यक्ष डा. पट्टाभि सीतारमैया, लोकसभा के अनेकानेक सदस्य विद्यमान थे।

हस्तिनापुर की पवित्र नगरी किसी समय कितनी लब्धप्रतिष्ठ थी और बाद की शताब्दियों में किस प्रकार उसकी मर्यादा का लोप हुआ, इसका ज्वलन्त प्रमाण इस बात से मिलता है कि निकटतम रेलवे स्टेशन हस्तिनापुर से २५ मील की दूरी पर है और यह क्षेत्र, जो ''गंगा खादर'' के नाम से प्रसिद्ध है, ६ पीढ़ियों से ब्रिटिश अफसरों के शिकार का केन्द्र रहा है, क्योंकि यहां पर सूअर, चीता, हिरण और नीलगाय अपरिमित संख्या में पाये जाते हैं। अभी एक वर्ष पूर्व तक यह स्थान मेरठ क्लब का सुरक्षित स्थल रहा है। किंतु युक्त प्रांत के पंत मंत्रिमंडल ने इस क्षेत्र का पूर्ण रूपांतरण कर दिया है। ...युक्त प्रांत की सरकार ने खादर भूमि के पुनरुद्धार की योजना दिसम्बर १९४७ में आरम्भ की थी। उसे आशा है कि इस वर्ष जून तक २२,००० एकड़ नई भूमि जोत में आ जायेगी। जैसा कि पंडित गोविन्दवल्लभ पंत ने अपने भाषण में बताया, दस हजार एकड़ भूमि में फसलें उगाई और काटी जा चुकी हैं।

शिलान्यास करते समय नेहरूजी ने एक छोटा-सा भाषण दिया, जिसमें उन्होंने एकत्र जनता को यह समझाने का प्रयत्न किया कि उत्पादन बढ़ाना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। उन्होंने यह भी बताया कि यद्यपि हस्तिनापुर के शिलान्यास से भारत के भव्य अतीत के साथ एक नया सम्पर्क स्थापित किया जा रहा है, तथापि नया नगर आधुनिक ढंग पर बनाया जायेगा। नेहरूजी ने भाषण समाप्त करने के बाद राष्ट्रीय झण्डा फहराया और हस्तिनापुर के नये नगर की नींव डाली। उस समय वन्दे मातरम् की धुन गगन में गूंज उठी।

भाजपा के नए आत्मविश्वास का गणित

राहुल वर्मा | फेलो, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च

एक तरफ सुगठित सेना है, जिसके पास मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नजरिया है, जबकि विरोधी मोर्चे में उथल-पुथल है। ऐसे में, प्रधानमंत्री का वक्तव्य यदि सच हुआ, तो आश्चर्य न होगा।

सतरहवीं लोकसभा के आखिरी सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह कहकर आम चुनाव का शंखनाद कर दिया है कि भारतीय जनता पार्टी को 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से ज्यादा सीटें आएंगी। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री तीसरे कार्यकाल को लेकर काफी आश्वस्त दिख रहे थे, साथ ही उन्होंने विपक्ष पर खूब हमले भी किए। हालांकि, विपक्ष को घेरने के बजाय यदि वह अपनी सरकार के रिपोर्ट-कार्ड को ज्यादा वक्त देते, तो ज्यादा अच्छा होता। वह बता सकते थे कि बीते पांच या दस वर्षों में किन-किन मोर्चों पर उनकी सरकार ने क्या कुछ हासिल किया, किन-किन मोर्चों पर उनको मुश्किलें पेश आईं, उनका सामना उन्होंने किस तरह से किया और अगले पांच या दस साल वह सत्ता में बने रहते हैं, तो उनका दृष्टिकोण क्या होगा? ऐसा नहीं है कि उन्होंने इन मुद्दों पर बात नहीं की, जैसा विपक्ष का आरोप है, लेकिन उन्होंने ज्यादा समय विरोधी दलों पर खर्च किए, यह बात भी सही है।

बहरहाल, सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री ने सीटों का जो आकलन किया है, वह सिर्फ इस बात का संकेत है कि भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है या वह उन अटकलों पर भी विराम लगाना चाहते हैं, जिनमें कहा जा रहा है कि एकजुट विपक्ष उनको चुनौती दे सकता है? सवाल यह भी है कि क्या भाजपा को अकेले 370 सीटें आ सकती हैं?

सबसे पहली बात, कोई नेता अपनी पार्टी के बारे में बढ़-चढ़कर ही बोलता है। छोटे-छोटे दल के नेता भी यह नहीं कहते कि चुनाव में उनको हार का सामना करना पड़ सकता है या उनकी सीटें कम आ रही हैं। संभवतः इसलिए सोमवार को सदन में 370 का नंबर दिया गया हो सकता है, ताकि लोगों को लगे कि भाजपा भारी बहुमत के साथ लौट रही है। मगर प्रधानमंत्री की इस संख्या के पीछे आखिर क्या गणित है?

भारतीय राजनीति में किसी एक दल द्वारा 370 लोकसभा सीटें जीतना कोई मामूली बात नहीं है। यह बेहद मुश्किल लक्ष्य है, पर नामुमकिन भी नहीं। इससे पहले कांग्रेस 1957 और 1984 के आम चुनावों में यह कारनामा कर चुकी है। फिर 2014 और 2019 के चुनाव नतीजों को देखकर 370 सीटें जीतने के कयास गलत नहीं जान पड़ते। उल्लेखनीय है कि 2014 के चुनाव में किसी ने नहीं सोचा था कि कोई एक दल बहुमत के साथ लोकसभा पहुंचेगा, क्योंकि बीते ढाई दशकों में ऐसा नहीं हुआ था। और, 2019 में यह नहीं सोचा गया था कि भाजपा 272 सीटों के अपने आंकड़े को पीछे छोड़कर 300 पार कर जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी के इस विश्वास की दो बड़ी वजह हो सकती है। पहली, साल 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की है। विशेषकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का परिणाम तो कल्पना से भी बाहर था। दूसरी वजह, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने लोगों में एक नए जोश का संचार किया है। अंतरिम बजट में ही जिस तरह से आने वाले कुछ महीनों को लेकर नीतियों का एलान किया गया है, वह संकेत है कि भाजपा अपनी जीत को लेकर काफी आश्वस्त है।

भाजपा इसलिए भी किसी अनिश्चय में नहीं है, क्योंकि जिस विपक्षी एकता की बात 2023 के मध्य से चल रही थी, उसमें दरार पड़ती दिख रही है। तमाम विपक्षी पार्टियां अपने-अपने ढंग से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और कांग्रेस से उनकी खींचतान चल रही है। फिर, जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं, वहां पार्टी ने अपने अनवरत प्रयासों से खुद को मजबूत बना लिया है, फिर चाहे वह महाराष्ट्र हो या बिहार।

यह बात स्पष्ट है कि आम चुनाव यदि राज्य-दर-राज्य होते हैं, यानी राज्य के मुद्दे हावी होते हैं और राष्ट्रीय मसले गौण रहे, तो भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं, लेकिन यदि पूरा चुनाव राष्ट्रीय मुद्दों पर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर केंद्रित हो जाए, तो भाजपा को वहां भी सफलता मिलने का भरोसा हो सकता है, जहां वह कमजोर स्थिति में है।

फिलहाल भाजपा यही चाह रही होगी कि उत्तर और पश्चिम के राज्यों में, जहां उसका सीधा मुकाबला कांग्रेस से है, और उत्तर प्रदेश व बिहार में, जहां कुछ क्षेत्रीय पार्टियां भी हैं, वह पिछली बार की तरह 90 फीसदी सीटें अपने हिस्से में करे। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, गुजरात, असम, कर्नाटक जैसे राज्यों में भाजपा पुराने प्रदर्शन को दोहराते हुए 225 से 250 सीटें जीतने की उम्मीद कर रही होगी। इसके बाद, तुलनात्मक रूप से कमजोर पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में वह न सिर्फ अपनी सीटें बचाने, बल्कि कुछ नई सीटों पर कब्जा जमाने की रणनीति पर काम कर रही होगी। इन सबसे वह 300 सीटों के बेहद करीब पहुंच सकती है। इसके बाद तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु केरल जैसे राज्यों में वह सहयोगी दलों की मदद से 25-30 फीसदी सीटें हासिल करने का सपना देख रही होगी। संभवतः इस तरह वह अपने लिए 350 सीटों का गणित बिठा रही होगी, हालांकि इसमें उसे कितनी सफलता मिलेगी, इसके बारे में अभी साफ-साफ नहीं कहा जा सकता।

एक बात और, सोमवार के अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर ज्यादा हमला किया और कुछ हद तक राजद, झामुमो, द्रमुक जैसे उन दलों को घेरने की कोशिश की, जो कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने अन्य क्षेत्रीय पार्टियों के बारे में कुछ ज्यादा नहीं कहा। एक तरह से वह उन दलों को संदेश देना चाह रहे होंगे कि अगर वे अब भी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे, तो देश की सबसे पुरानी पार्टी की तरह उनकी भी नैया डूब सकती है। यह उनको अपने पाले में बुलाने का मूक निमंत्रण भी हो सकता है।

स्पष्ट है, आम चुनाव में अब बहुत दिन शेष नहीं है, और दोनों मोर्चों की बिसात कमोबेश बिछ चुकी है। हालांकि, हम एक तरफ सुगठित सेना देख रहे हैं, जिसके पास एक मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नजरिया है, जबकि उसे चुनौती देने वाले मोर्चे में फिलहाल काफी उथल-पुथल है। ऐसे में, यदि विरोधी खेमा नहीं चेता, हालांकि अब समय उसके पास बहुत कम बचा है, तो प्रधानमंत्री ने सोमवार को जो सदन में कहा है, वह यदि सच हो जाए, तो आश्चर्य नहीं होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

संसार में लहरा रही भारतीय संगीत 'शक्ति' की ध्वजा

अजय प्रसन्ना | बांसुरी वादक

अब विश्व स्तर पर भारतीय संगीत को जो सम्मान मिलने लगा है, उससे पूरे संगीत जगत का उत्साह बढ़ा है। लगातार ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए नामित होना और जीतना खास मायने रखता है। अब इसमें किसी संदेह की गुंजाइश नहीं कि हमारा शास्त्रीय संगीत दुनिया में लोगों को पसंद आने लगा है। अभी जो ग्रैमी अवॉर्ड मिला है, उसमें विशेष रूप से जाकिर हुसैन, शंकर महादेवन व राकेश चौरसिया के नाम की विशेष प्रशंसा और चर्चा हो रही है। ध्यान रहे, शक्ति बैंड पचास साल पुराना संगीत बैंड है। इस बैंड के एक सदस्य संगीतकार वी सेल्वागणेश भी हैं, जिनके पिता संगीतज्ञ विक्कू विनायकराम ने भी शक्ति बैंड के साथ 25 वर्ष बिताए थे। इस बैंड के एलबम को सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल एलबम वर्ग में सम्मानित किया गया है और इस एलबम शक्ति (दिस मोमेंट) में जो संगीत है, वह अद्भुत ऊंचाई को छूता है, जिसमें विदेशी संगीत भी है, जो भारतीय संगीत की प्रधानता में सोने पर सुहागे की तरह निखर उठा है।

जब भारतीय संगीतज्ञों को लगातार ग्रैमी अवॉर्ड मिल रहा है, तब हमें स्वयं समझना चाहिए कि भारतीय संगीत दुनिया में कहां पहुंच गया है!

वाद्य संगीत या इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक को मिले सम्मान का सर्वाधिक श्रेय दिग्गज तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन को जाता है। यह मुख्यतः पांच लोगों का संगीत बैंड है और इसने विविध प्रकार की प्रस्तुतियां एलबम में दी हैं। यहां यह स्पष्ट करते चलना चाहिए कि शक्ति एक फ्यूजन बैंड है, जिसे 1973 में उस्ताद जाकिर हुसैन और गिटार वादक जॉन मैक्लॉघलिन ने भारतीय वायलिन वादक एल शंकर और विनायकराम के साथ मिलकर अमेरिका में बनाया था। अन्य संगीतकार भी इससे जुड़ते रहे। बाद में इससे गायक शंकर महादेवन भी जुड़े। यह बैंड अपने एलबम में दूसरे दिग्गज कलाकारों का भी उपयोग करता है और ताजा एलबम में बांसुरी वादक राकेश चौरसिया का बेहतरीन उपयोग किया गया है। वैसे यह बैंड खबरों में बहुत नहीं रहा है, क्योंकि वर्षों बाद इसका एलबम *शक्ति-दिस मोमेंट* जारी हुआ है। इस एलबम में गिटार वादक जॉन मैक्लॉघलिन ने जॉज शैली में भारतीय संगीत को अपने गिटार पर बजाया है। ऐसे फ्यूजन का स्वरूप कमाल का बन जाता है। पहले भी इस तरह के संगीत को बहुत सराहा गया है, इसके बल पर पंडित रविशंकर और जुबिन मेहता इत्यादि ग्रैमी अवॉर्ड में खूब ध्वजा लहराते रहे हैं।

अब शक्ति बैंड को मिले सम्मान से भारतीय संगीत को सर्वाधिक लाभ होगा, क्योंकि इससे भारत का संगीत दुनिया के पास और अच्छी तरह से पहुंचेगा। ग्रैमी अवॉर्ड में ऐसे एलबम को तरजीह दी जाती है, जिसमें दुनिया का संगीत गूंजता हो। बांसुरी वादक के रूप में ऐसे तीन एलबम में मेरी भी भागीदारी रही है, जो ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामित हो चुके हैं।

ध्यान देने की बात है कि विदेश में संगीत के रसिक अपना संगीत तो सुनते ही हैं, पर जब उनके संगीत के बीच भारतीय संगीत का वैभव खिल उठता है, तो वहां के संगीत प्रेमियों को लगता है कि कुछ खास हो गया। यही खास काम उस्ताद जाकिर हुसैन दशकों से करते आए हैं। इस काम के लिए उस्ताद को ग्रैमी अवॉर्ड पहले भी मिल चुका है। एक खास बात यह भी है कि शंकर महादेवन ने इस एलबम में जॉज को भी सरगम में गाया है। यह एक मुश्किल काम है।

बहरहाल, जब लगातार भारतीयों को ग्रैमी अवॉर्ड मिल रहा है, तो हमें स्वयं समझना चाहिए कि भारतीय संगीत दुनिया में कहां पहुंच गया है। पश्चिमी संगीत हर कोई सुनता है, उसे लगता है कि इस संगीत पर थिरक जाऊं, नाच लूं, इसके साथ ही हमारे भारतीय संगीत की जो खूबसूरती है, वह मनुष्य मन को अलग ही दिशा में ले जाती है। मैं हमेशा कहता हूं कि पश्चिमी संगीत पैरों के थिरकने के लिए ठीक है, लेकिन हमारा शास्त्रीय संगीत हमें दिल-दिमाग-आत्मा से ईश्वर के करीब ले जाता है। हमारा संगीत बहुत आगे है, दुनिया के संगीत प्रेमियों को पता चल चुका है कि भारत के पास क्या है और भारत का क्या सुना जाए!

लगातार ग्रैमी जीतने के महत्व को समझना चाहिए। अपने समृद्ध संगीत के बारे में हर हिन्दुस्तानी को सोचना चाहिए। हर बच्चे को हिन्दुस्तानी संगीत सीखना चाहिए। उन्हें संगीत सिखाने का पूरा प्रबंध होना चाहिए। जब हमारे संगीत का उज्ज्वल भविष्य दिखने लगा है, तब संगीत को अनिवार्य विषय बना देना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मनसा वाचा कर्मणा

प्रकृति से परमपुरुष का रिश्ता

क्या कभी आपने सोचा है कि परमपुरुष (ईश्वर) के साथ प्रकृति की चर्चा क्यों होती है? इसके पीछे छिपे रहस्य को समझिए। यह निश्चित है कि परमपुरुष सीधे कुछ नहीं करते, बल्कि स्वरचित विराट परिचालन-प्रणाली के जरिये परोक्ष रूप से सारे काम करवाते हैं। यह प्रणाली जल, थल, वायु, अग्नि, अंतरिक्ष, जीव, निर्जीव, सभी में व्यवस्थित है। इनमें से कुछ हमारी आंखों से दृश्य हैं, तो कुछ अदृश्य। इनके बारे में अगर हम विचार करने लगे, तो इसी में खो जाएंगे। हमारी मति सुन्न हो जाएगी। इसलिए हम दृश्यमान वस्तुओं की ओर लौटते हैं, तो पाते हैं कि हमारे आस-पास प्रकृति का साम्राज्य है। प्रकृति परमपुरुष पर आश्रित शक्ति है। उसका एकमात्र काम परमपुरुष को प्रसन्न करना है। इसलिए वह हमेशा उनके बारे में सोचती रहती है और धीरे-धीरे स्वयं को उनमें विलीन कर देती है। इस तरह, प्रकृति पूर्ण रूप से परमपुरुष में परिवर्तित हो जाती है।

विद्यापति ने कहा है, हर पल माधव (कृष्ण) के बारे में सोचते-सोचते राधा खुद माधव में विलीन हो गईं। दुनिया के सामने इसका प्रतिबिंब आया। जगत ने दो छवियों को एक साथ देखा और राधा-कृष्ण नाम को एक ही समझा। वही राधा, वही कृष्ण! यही कारण है कि शास्त्रों व दार्शनिकों ने जगत को समझाया है कि प्रकृति प्रत्येक क्षण विलीन और नई रचना करती रहती है। यह प्रक्रिया कभी रुकती नहीं। इस तरह, प्रकृति भी अनंत है, क्योंकि विलय के साथ-साथ निर्माण का क्रम चलता रहता है। प्रकृति एक शाश्वत विघटनकारी इकाई है और इसका एक निश्चित हिस्सा हर क्षण परमपुरुष में रूपांतर होता रहता है। सामान्य समझ यहां आकर रुक जाती है।

मगर यहां यह भी याद रखिए, परमपुरुष पर प्रकृति के मिलन और वियोग का प्रभाव नहीं पड़ता। परमपुरुष इन मामलों में स्थायी भाव रखते हैं। वह जो कुछ भी करते हैं, स्वरचित विशाल संचालन प्रणाली के माध्यम से स्थायी भाव से जारी रखते हैं। किसी भी क्रिया के संपन्न होने के लिए वही सर्वेसर्वा हैं। यह उनका कर्तृत्व है। कर्तृत्व का शाब्दिक अर्थ है, जिम्मेदारी, यानी उस क्रिया को संपन्न करने का धर्म निभाना। इसका मतलब हुआ

प्रकृति प्रत्येक क्षण विलीन और नई रचना करती रहती है। यह प्रक्रिया कभी रुकती नहीं। इस तरह, प्रकृति भी अनंत है, क्योंकि विलय के साथ-साथ निर्माण होने का क्रम चलता रहता है।

कि मैं किसी विशेष क्रिया का स्वामी हूं और वहां सब कुछ मेरी इच्छा के अनुसार चलेगा। 'मैं' पर केंद्रित इस भावना को परमपुरुष कभी प्रदर्शित नहीं करता। जगत के सामने परमपुरुष का 'मैं' केंद्रित भाव में नहीं रहता। यही कारण है कि परमपुरुष के प्रतिबिंब के तौर पर हम प्रकृति को महसूस करते हैं। उन्होंने एक परिचालन प्रणाली बनाई है, जो प्रकृति के साथ जुड़ी हुई है। इस प्रकार, हम प्रकृति में ही परमपुरुष के दर्शन कर लेते हैं। यही इस संसार की गतिशीलता का आधार है और इसी गतिशीलता में यह जगत बनता और बिगड़ता रहता है।

श्री श्री आनंदमूर्ति

कैलाश सत्यार्थी | नोबेल विजेता

हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। हमें मिलकर संविधान की मूल भावना, यानी न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता को समाज की कतार में खड़े आखिरी बच्चे की जिंदगी की असलियत बनाना है।

अनुलोम-विलोम
समान नागरिक संहिता

इससे रूढ़िवादी मानसिकता का होगा अंत

एक राष्ट्र, एक निशान और एक विधान कौन नहीं चाहता! सभी समानता चाहते हैं, लेकिन कुछ रूढ़िवादी मानसिकता के कारण हम लंबे समय से ऐसी कुप्रथाएं ढो रहे हैं, जिनको बहुत पहले समाप्त हो जाना चाहिए था। समान नागरिक संहिता की तरफ बढ़ना ऐसी ही कुप्रथाओं के अंत की शुरुआत है। यह सामाजिक मामलों से जुड़ी ऐसी संहिता है, जो सभी पंथ के लोगों के लिए विवाह, तलाक, भरण-पोषण, विरासत, बच्चा गोद लेने आदि मामलों में समान रूप से लागू होती है। दूसरे शब्दों में कहें, तो अलग-अलग पंथों के लिए अलग-अलग सिविल कानून न होना ही समान नागरिक संहिता है। यह किसी भी पंथ या जाति के निजी कानूनों से ऊपर है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता का स्पष्ट उल्लेख है, लेकिन राजनीतिक तुष्टीकरण के कारण इसे अभी तक पूरे देश में लागू नहीं किया जा सका है। हालांकि, देवभूमि उत्तराखंड एक ऐसा राज्य बनने जा रहा है, जहां यह कानून लागू हो सकेगा। यहां समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए विधिवत एक कमेटी का गठन किया गया, जिसने पूरे प्रदेश में 20 महीनों तक 72 से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें करके रायशुमारी की। इतना ही नहीं, 40 से अधिक जन-संवाद कार्यक्रम किए गए, ऑनलाइन लोगों के सुझाव मांगे गए और आम लोगों की सहमति के बाद ही राज्य मंत्रिमंडल ने इसे विधानसभा में पेश किया।

उत्तराखंड की समान नागरिक संहिता में सभी के लिए सुख, समृद्धि और समानता की वकालत की गई है। यदि देवभूमि के मुस्लिम समाज में मौजूद विसंगतियों को यह संहिता दूर करती है, तो मुझे नहीं लगता कि मुस्लिम समाज इसे अस्वीकार करेगा। फिर, जब देश की आबादी एक अरब 40 करोड़ को पार कर चुकी हो, तब यह संहिता राज्य के सभी धर्मों में जनसंख्या-वृद्धि को लेकर जागरूकता लाने का काम करेगी, जिससे बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। इतना ही नहीं, सभी धर्म को बच्चे गोद लेने की आजादी होगी, पिता की संपत्ति में बेटे-बेटियों को समान अधिकार मिलेगा, आदिवासी व जनजातीय समाज को देश की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी पूजा-पद्धति व अधिकारों के प्रति कोई छेड़छाड़ नहीं होगी। इस संहिता से बहु-विवाह पर भी लगाम लग सकेगी। कुल मिलाकर, एक राष्ट्र, एक निशान और एक विधान वर्तमान समय की जरूरत है। समान नागरिक संहिता का स्वागत करने के लिए न सिर्फ उत्तराखंड के, बल्कि पूरे देश के लोग तैयार हैं। ऐसा होने पर ही तो बन सकेगा, 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'।

भारत चौहान, टिप्पणीकार

यह संहिता देश की विविधता खत्म कर देगी

भारत विविध संस्कृतियों, भाषाओं और प्राकृतिक वैविध्य का गुच्छा है। विविधता इसकी पहचान है, इसलिए इसके बारे में कहा जाता है कि यहां विविधता में एकता है। इस विविधता को खत्म करने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं किया जा सकता। इससे सब कुछ एकरस हो जाएगा और भारत अपनी मूल प्रकृति ही खो देगा। समान नागरिक संहिता को लागू करने की कोशिश को इसी नजरिये से देखना चाहिए। उत्तराखंड में भले इसे लागू कर दिया जाएगा, लेकिन कई लोगों के लिए इसे खुले मन से स्वीकार करना काफी मुश्किल भरा फैसला हो सकता है।

समान नागरिक संहिता का विरोध आखिर क्यों है? असल में, यह बहुसंख्यक समाज के हितों की वकालत करती है और हाशिये के समाज को मुख्यधारा से बाहर कर देती है। जैसे, यह संहिता आदिवासियों के लिए गलत हो सकती है, क्योंकि आदिवासियों के लिए भारतीय संविधान में विशेष व्यवस्था की गई है। छोटा नागपुर टीनेंसी ऐक्ट (सीएनटी), संथाल परगना टीनेंसी ऐक्ट, पांचवीं व छठी अनुसूची आदि प्रावधानों की वजह से ही गैर-आदिवासी लोग आदिवासियों की जमीनें नहीं खरीद सकते। इसी तरह, आदिवासियों के बीच भी जमीन की खरीदारी को लेकर समान थाना क्षेत्र की बाध्यता है। संभवतः इन्हीं सबके कारण आदिवासियों की जमीनें और उनकी संस्कृति अब तक बची हुई हैं। आदिवासियों पर तो हिंदू विवाह अधिनियम भी लागू नहीं होता है। अब कल्पना कीजिए कि अगर वहां समान नागरिक संहिता लागू हो गई, तो क्या होगा? क्या हम यह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि आदिवासियों को नुकसान नहीं होगा? इसकी आशंका इसलिए भी होती है, क्योंकि जब भारतीय संविधान में आदिवासियों के लिए विशेष प्रावधान हैं, तब भी किसी न किसी तरह से संविधान की धज्जियां उड़ाने का प्रयास किया जाता है। संभव है, खनिजों के अपार भंडार के कारण समान नागरिक संहिता के नाम पर पूंजीपतियों को आदिवासी इलाकों में लूट की खुली छूट मिल जाए।

इसी तरह, मुसलमानों का अपना मुद्दा है। उनके मुताबिक, यह उनके धर्मशास्त्र पर हमला है। यदि वे अपने ही देश में अपनी इस्लामी पहचान के साथ जिंदगी नहीं गुजार सकते, तो यह उनकी आजादी पर हमले जैसा होगा। हमें सोचना चाहिए कि समाज के अलग-अलग तबके को अपने-अपने हितों के लिए विशेष रियायतें क्यों दी गई थीं? भले ही, उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने से एक बड़ा वर्ग खुशी महसूस कर रहा होगा, लेकिन कई लोग इससे मायूस भी होंगे।

भारत रावत, टिप्पणीकार

समान नागरिक संहिता
उत्तराखंड ने उठाया पहला कदम

वैसे तो गोवा देश का पहला राज्य है, जहां पुर्तगालियों द्वारा लागू की गई समान नागरिक संहिता अभी भी चल रही है, पर अब उत्तराखंड ने भी समान नागरिक संहिता संबंधी विधेयक विधानसभा में पेश कर इतिहास रच दिया है। यह ऐसा पहला भारतीय राज्य है, जहां स्वयं भारतीय विधायिका समान नागरिक संहिता लागू करने जा रही है। असम और कुछ अन्य राज्यों में भी इसके लिए कवायद शुरू होने वाली है। आखिर समान नागरिक संहिता का क्या मतलब है? संहिता कैसे बनाई जा रही है? क्या ऐसी कोई संहिता पहले भी थी? सवाल कई हैं, कार्यालय संवाददाता की कलम से पेश हैं कुछ जवाब…

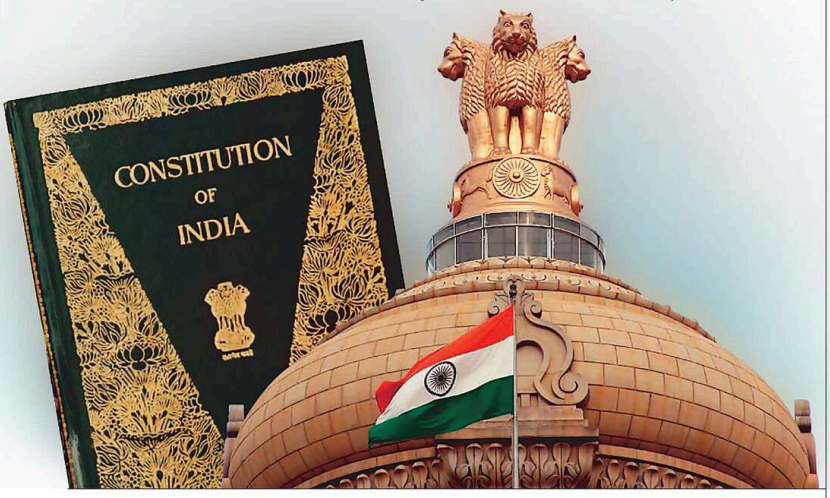

उत्तराखंड सरकार ने मंगलवार को राज्य विधानसभा के विशेष सत्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश कर दिया। यूसीसी पर यह चर्चित विधेयक तब आया, जब सर्वोच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में सरकार द्वारा नियुक्त पैनल ने पिछले सप्ताह एक मसौदा प्रस्तुत किया, जिसे सहज ही राज्य कैबिनेट की मंजूरी मिल गई। इस विधेयक में लिव-इन रिलेशनशिप सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत प्रावधान किए गए हैं, जिन पर चर्चा तेज हो गई है और कुछ दिशाओं से विरोध भी।

न्यायपालिका के विभिन्न निर्णयों के अनुरूप, उत्तराखंड सरकार ने राज्य में सभी लिव-इन रिलेशनशिप को पंजीकृत करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, उत्तराखंड के निवासी, जो राज्य के बाहर लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं, उन्हें राज्य के रजिस्ट्रार को एक बयान भी देना होगा। मतलब, इस बन रहे कानून का असर उत्तराखंड राज्य के बाहर भी पड़ना तय है। विधेयक में यह भी कहा गया है कि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले किसी भी जोड़े की संतान वैध ही मानी जाएगी। इसमें कोई शक नहीं है कि आधुनिक दौर में बदलते रिश्तों को समझने और उसके अनुरूप कानून बनाने की यह कवायद विशेषज्ञों को भी ठीक लग रही है।

यूसीसी क्यों जरूरी है?

हमारे यहां संविधान में सभी कानून समान हैं। चाहे वह सीपीसी हो या सीआरपीसी, आईपीएसी हो या भूमि संबंधी मामले हों, सभी जाति धर्म के लोगों के लिए समान हैं। केवल व्यक्तिगत मामलों को हमारे संविधान में उस समय यह कहते हुए छोड़ा गया था कि अभी देश का बंटवारा हुआ है और यह समय समान नागरिक संहिता लाने के लिए उचित नहीं है। इसे उचित समय पर चर्चा करके लाया जाए, इस मुद्दे को नीति निर्देशक तत्वों में रख दिया गया। साथ ही, केंद्र और राज्य सरकारों को यह अधिकार दिया गया कि समय आने पर या उपयुक्त समय पर इस पर कानून बना सकेंगी। इसी के तहत 1973 के बाद अनेक विषयों में उच्चतम न्यायालय ने कई मामलों में यह टिप्पणी की है कि समान नागरिक संहिता इस देश के लिए आवश्यक है और इसे जल्द लाया जाना चाहिए। पर्सनल सिविल लॉ में महिलाओं और पुरुषों में बहुत बड़ी असमानता है और इसमें महिला अधिकारों का हनन होता है। अतः इसे ध्यान में रखते हुए समान नागरिक संहिता का आना जरूरी माना जा रहा था। यूसीसी से जुड़े एक विशेषज्ञ के अनुसार, यूसीसी लाने का एकमात्र मुख्य उद्देश्य जो है, वो महिलाओं को हर विषय पर पुरुषों के समान लेकर आना है।

देश में यह कभी लागू नहीं रहा

इस देश में कभी भी समान नागरिक संहिता लागू नहीं रही है। सिर्फ इस देश में गोवा की आजादी से पहले जब पुर्तगालियों का शासन था, तब पुर्तगालियों का सिविल कोड वहां लागू था, वह भी व्यक्तिगत नागरिक मामलों के लिए। जब गोवा आजाद हुआ, तब एक आदेश द्वारा पुराने चल रहे कानून को यथावत रखने का प्रावधान किया गया। इसी कारण गोवा में पुर्तगालियों द्वारा लाई गई समान नागरिक संहिता अभी भी चल रही है। गोवा के बाद उत्तराखंड देश का पहला राज्य होगा, जहां समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयास मूर्त रूप ले रहे हैं।

अनेक देशों में ऐसे ही प्रावधान

दुनिया के अनेक देश हैं, जहां समान नागरिक संहिता है। अनेक देशों में सभी जाति-धर्म के लोगों के लिए समान कानून हैं। जैसे विवाह की उम्र। साल 2022 में महिला अधिकारों को या तलाक को लेकर, विवाह की न्यूनतम आयु को लेकर सऊदी अरब में अपनी संहिता आई। बांग्लादेश, इंडोनेशिया, अजर बैजान, जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका, कनाडा, इत्यादि अनेक देशों में इस तरह के प्रावधान मौजूद हैं और किसी तरह की शिकायत नहीं है।

अब आगे क्या तैयारी?

यह बड़ा सवाल है कि लोगों को इसके लिए कैसे तैयार किया जाएगा? ध्यान देने की बात है, बड़े पैमाने पर उत्तराखंड में सलाह-मश्विरा का काम किया गया है। सभी धर्मगुरुओं से चर्चा हुई और वो भी मानते हैं कि हमारे यहां कई जगह महिलाओं को लेकर कुछ रीतियां गलत हैं, कई बड़े-बड़े मौलाना ने भी इसमें सुधार की बात कही है और महिलाएं इसकी बहुत पक्षधर हैं। सभी अल्पसंख्यक, चाहे सिख समाज हो, ईसाई हों या बौद्ध हों, जैन हों, उत्तराखंड में बड़े पैमाने पर सलाह लेने का काम हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, आजाद भारत में ऐसी कवायद दुर्लभ ही है। इतिहास में पहली बार हुआ है कि 2 लाख 33 हजार के करीब सुझाव समान नागरिक संहिता के लिए गठित समिति को मिले हैं। इसका मतलब उत्तराखंड में लगभग दस प्रतिशत परिवारों ने सुझाव दिए हैं। बड़े पैमाने पर बैठकें हुई हैं, विचार-विमर्श किया गया है।

यूसीसी का विरोध भी खूब हो रहा है। विरोध उत्तराखंड में उतना नहीं है, जितना बाहर है। विरोध करने वालों को लग रहा है कि आज उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता बन रही है, तो भविष्य में दूसरे प्रदेशों में भी बनेगी। वैसे समान नागरिक संहिता की चर्चा भारत में नई नहीं है और इसके लिए कवायद पहले भी खूब हुई है।

ध्यान रहे, जिस समय संविधान बनाया जा रहा था, उस समय समुदायों का उनके व्यक्तिगत कानूनों द्वारा शासित होने का 150 साल लंबा इतिहास रहा था। इसे महसूस करते हुए संविधान निर्माताओं ने समान संहिता को तब असंभव माना था और इसे एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य के रूप में छोड़ दिया गया था। ज्यादातर विशेषज्ञ मानते हैं, सहमति बनाते हुए अब आगे बढ़ने का समय आ गया है।

संविधान सभा में 23 नवंबर 1948 को हुई बहस आज भी सबसे खास, पेश हैं चार पहलू

विभेद को भूल जाइए

के एम मुंशी

हिन्दुओं में भी ऐसे बहुत लोग हैं, जो एकविध व्यवहार-संहिता नहीं चाहते, क्योंकि उनका भी वही दृष्टिकोण है, जो पूर्व वक्ता मुस्लिम सदस्यों का है। उनकी यह भावना है कि उत्तराधिकार आदि का निजी कानून वास्तव में उनके धर्म का भाग है। यदि ऐसा है, तो उदाहरणार्थ आप महिलाओं को समानता कभी प्रदान नहीं कर सकते। किंतु आपने अभी इस आशय का मूलाधिकार पारित किया है और आपके यहां एक अनुच्छेद है, जिसमें लिखा है कि लिंग के आधार पर कोई विभेद नहीं किया जाएगा, … पर आप कोई भी कानून पारित नहीं कर सकते, जिससे स्त्रियों की अवस्था पुरुषों के समान बनाई जा सके। अत: कोई कारण नहीं कि सारे भारत के लिए एक व्यवहार संहिता क्यों न हो। …मेरे मुस्लिम मित्र इसे समझ लें कि जितना जल्दी हम जीवन की इस पार्थक्य भावना को भूल जाएंगे, उतना ही देश के लिए अच्छा होगा।

ऐसा करना ठीक नहीं

बी पोकर साहिब

मैं नहीं जानता कि इस अनुच्छेद के बनाने वालों का इससे क्या आशय है। …अगर इसे कहीं से नकल किया गया है, तो मैं उस विधान में भी इस प्रावधान की निंदा करूंगा। जिन देशों में परिस्थितियां सर्वथा भिन्न हैं, उनके विधानों से धाराओं की नकल करना बहुत सरल है। …इस एकरूपता से क्या प्रयोजन सिद्ध होगा, सिवाय इसके कि लोगों की आत्मा का हनन होगा और उनमें यह भावना उत्पन्न हो जाएगी कि उनके धार्मिक अधिकारों तथा आचरणों के विषय में उन्हें कुचला जा रहा है? हमारे विधान में ऐसी कठोर व्यवस्था नहीं रखी जानी चाहिए। …बहुसंख्यक जाति इस विचार की है, तो भी मैं कहता हूं कि इसकी निंदा की जानी चाहिए, और यह होने नहीं देना चाहिए, क्योंकि जनतंत्र में, जैसा कि मैं समझता हूं बहुसंख्यकों का यह कर्त्तव्य है कि वे प्रत्येक अल्पसंख्यक जाति को उनके पवित्र अधिकार प्राप्त कराएं।

बाद में ऐसा कीजिएगा

हुसैन इमाम

देश है, इसकी भारी जनसंख्या इतनी विभिन्न है कि उस पर एक प्रकार का कोई रंग चढ़ाना लगभग असम्भव है। …देश के कुछ भाग अत्यन्त पिछड़े हुए हैं। असम के आदिवासियों को देखिए, उनकी क्या अवस्था है? क्या आप उनके लिए वैसा ही कानून बना सकते हैं, जैसा आप बम्बई के प्रगतिशील लोगों के लिए बना सकते हैं? आपको काफी अंतर रखना होगा। श्रीमान, मेरे विचार में एकविध कानून बनाना सर्वथा उपयुक्त तथा अति वांछनीय है, किंतु बहुत समय पश्चात ही ऐसा करना चाहिए। हमें उस समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए, जब कि सारा भारत शिक्षित हो जाए, जब जनसाधारण की निरक्षरता दूर हो जाए, जब लोग प्रगतिशील हो जाएं, जब उनकी आर्थिक अवस्था अब से अच्छी हो जाए, जब प्रत्येक मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा होने लगे तथा अपने जीवन-संग्राम में स्वयं लड़ सके। तब आप एकविध कानून बना सकते हैं।

विभाजन बाद भारतीय संविधान सभा में 44 से ज्यादा सदस्य अल्पसंख्यक समुदाय से आते थे। सदस्य हसरत मोहानी ने तो मुस्लिमों को अल्पसंख्यक मानने से भी मना कर दिया था।

22.8 प्रतिशत थी अखंड भारत में मुस्लिमों की आबादी (जनगणना 1941)

9.8 प्रतिशत हो गई विभाजन के बाद मुस्लिम आबादी (जनगणना 1951)

हम ऐसा पहले ही कर चुके हैं

डॉक्टर बी आर आंबेडकर

मेरे मित्र मिस्टर हुसैन इमाम ने संशोधनों का समर्थन करते समय पूछा था कि क्या इतने वृहद् देश के लिए कानूनों की एकविध संहिता बनाना सम्भव तथा वांछनीय है? मुझे स्वीकार करना होगा कि मुझे उस बात पर बहुत आश्चर्य हुआ, क्योंकि हमारे यहां इस देश में मानवीय सम्बंधों के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में कानूनों की एकविध संहिता है। …मैं असंख्य उदाहरण दे सकता हूं, जिनसे यह सिद्ध हो जाएगा कि इस देश में लगभग एक ही व्यवहार संहिता है, जो एकविध है तथा समस्त देश में लागू है। अब तक केवल एक प्रदेश में व्यवहार कानून हस्तक्षेप नहीं कर सका है, वह विवाह तथा उत्तराधिकार का प्रदेश है। …हमने वास्तव में उन सब विषयों पर कानून बना दिए हैं, जो कि इस देश में एकविध व्यवहार संहिता में निहित होते हैं। अत: अब यह पूछने का समय बीत चुका कि क्या हम ऐसा कर सकते हैं? हम ऐसा पहले ही कर चुके हैं।

हमारा समाज

हिमाचल प्रदेश

मिजोरम

लक्षद्वीप

उत्तराखंड में सियासी समीकरण

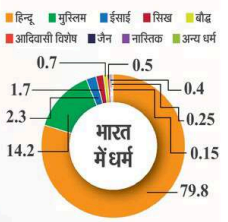

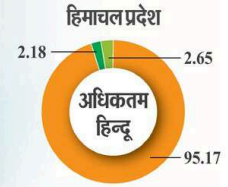

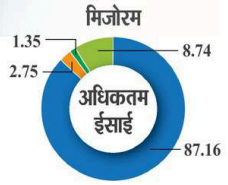

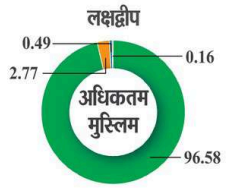

भाजपा ही नहीं, कांग्रेस भी समान नागरिक संहिता के पक्ष में रही है। उत्तराखंड की 70 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के पास 47 सीटों के साथ बहुमत है, अत: विधेयक को पारित होने में यहां असुविधा नहीं होगी। राज्यपाल या राष्ट्रपति के स्तर पर इसे मंजूरी न मिलने की आशंका नहीं है। उत्तराखंड में भी कांग्रेस इस विधेयक के विरोध में नहीं है, उसे केवल विधेयक पेश करने के तरीके पर आपत्ति है। हां, कुछ दलों के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठों में हलचल है, पर मुस्लिमों के बीच इसके लिए समर्थन भी खूब दिख रहा है। इसके होने से किसी भी देश में एकरूपता आती है और सामाजिक मजबूती भी बढ़ती है।

रोजनामचा

पं. राघवेन्द्र शर्मा
ज्योतिषाचार्य

मेष : मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। माता की सेहत में सुधार होगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

वृष : मन अशांत हो सकता है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। पर, कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। परिवार का साथ भी मिलेगा।

मिथुन : मन प्रसन्न रहेगा। संतान सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कर्क : मन अशांत हो सकता है। आत्म संयत रहें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

सिंह : मन प्रसन्न तो रहेगा। पर, आत्मविश्वास में कमी हो सकती है। कारोबार के लिए दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। भागदौड़ बढ़ेगी।

कन्या : आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। फिर भी संयत रहें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। परंतु कार्यक्षेत्र में बदलाव के साथ किसी दूसरे स्थान पर भी जा सकते हैं।

तुला : शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों में रुझान बढ़ेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखन व बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। वाणी में मधुरता रहेगी। संपत्ति में वृद्धि भी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु : मन प्रसन्न रहेगा। किसी मित्र का आगमन हो सकता है। वाणी का प्रभाव बढ़ेगा। वाणी के प्रभाव से कारोबार में वृद्धि हो सकती है। पिता से धन मिल सकता है।

मकर : मन अशांत हो सकता है। आत्म संयत भी रहें। माता का सान्निध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। खर्च बढ़ेंगे। यात्राओं का योग।

कुंभ : मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। भागदौड़ बढ़ेगी। परेशानी भी आ सकती हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि। सेहत का ध्यान रखें।

मीन : मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

स्कैन करें
भविष्यफल और व्रत-त्योहार जानने के लिए

व्रत और त्योहार | पंचांग | पं. ऋभुकांत गोस्वामी

07 फरवरी, बुधवार, 18 माघ (सौर) शक संवत् 1945, 25 माघ मास प्रविष्टे (पंजाब पंचांग) 2080, 26, रज्जब सन् 1445, माघ कृष्ण द्वादशी (विक्रमी संवत्) दोपहर 02.02 बजे तक पश्चात त्रयोदशी, पूर्वाषाढा नक्षत्र रात्रि 04.37 बजे तक, वज्र योग रात्रि 02.53 बजे तक तदनंतर सिद्धि योग, तैतिल करण, चन्द्रमा धनु राशि में (दिन रात)

सूर्य उत्तरायण। सूर्य दक्षिण गोल। शरद् ऋतु। दोपहर 12 बजे से दोपहर 01.30 बजे तक राहुकालम्। प्रदोष व्रत। तिल द्वादशी।

वास्तु सलाह | आचार्य मुकुल रस्तोगी

बच्चों की परीक्षाओं का समय चल रहा है। हमें भी इस बात का तनाव रहता है। कृपया बताएं कि बच्चे किस तरह से पढ़ाई करें। –वल्लरी, अहमदाबाद

पढ़ाई में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए बच्चों को कुछ बातें ध्यान रखनी चाहिए–

- पढ़ाई की टेबल एकदम साफ हो, फैली हुई न हो, व्यवस्थित हो।
- टेबल के एकदम सामने दरवाजा न हो।
- स्टडी टेबल पर कुछ खाएं-पिएं नहीं।
- पढ़ते समय जूते चप्पल न पहनें।
- झूठे हाथ पुस्तकों को न लगाएं।

वर्ग पहेली : 7506

ऊपर से नीचे
1. मनौती मानना (3,3)
2. संबंध रखना; नाता रखना; जुड़ाव रहना (3,3)
3. मना करना; रोकना; निषिद्ध करना (1,3)
4. अदाएं दिखाने वाला; कलाकार; अभिनेता (4)
7. चमक दमक; ठसक; नाज नखरा; बनाव सिंगार; वेशविन्यास और हाव-भाव (3,3)
8. सहायता करना; सहारा देना (3,3)
12. उन्नति करना; जगमगाना; दमकना; सहसा दर्द होना (4)
13. अग्निशामक; आग बुझाने वाली मोटर (4)

हरीश चन्द्र सन्सी, विविधा विधा, दिल्ली
(उत्तर अगले अंक में)

बाएं से दाएं
1. ख्याली पुलाव पकाना; बड़ा मकान बनाना (3,3)
5. तमाशा दिखाने वाला; बाजीगर (3)
6. खिंचाव का कारण; तनावकारी (6)
7. अंतिम; आखिरी; छोरस्थ (3)
9. अच्छा; असली; चोखा; बढ़िया; सच्चा (2)
10. अलक; केश गुच्छ; सिर के उलझे और गुथे हुए बाल (2)
11. संगीत की लय के साथ हाव-भाव दिखाकर घूमना; खुशी के मारे झूमना; प्रफुल्लित होना (3)
14. जो एक ही समय में हुए हों; समकालीन; समयानुसार (6)
15. अवसर खो देना; गलती करना; भूल करना (3)
16. लोभ करना; आवश्यकता से भी अधिक पाने की इच्छा करना (3,3)

वर्ग पहेली 7505 का उत्तर

1ध	म	2का	ना	■	3ज	■	4वि	■
■	■	य	■	5बा	ल	प	क	ना
6ख	ल	ल	डा	ल	ना	■	ल	■
ट	■	क	■	क	■	7सं	■	8च
9क	स	र	त	■	10ल	क	द	क
ना	■	ना	■	11चे	■	ट	■	रा
■	12मि	■	13बा	त	नि	का	ल	ना
14चौ	ट	क	र	ना	■	ली	■	■
■	ना	■	जा	■	15जे	न	वा	सा

सुडोकू : 7490

* मध्यम

5		1			8		9	2
7								
			9	3				5
8				7		2		
		2	8		5	3		
		6		4				8
9				2	7			
								6
2	4		6			8		9

खेलने का तरीका : दिमागी खेल और नंबरों की पहेली है यह। ऊपर नौ-नौ खानों के नौ खाने दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्याएं इस तरह लिखनी हैं कि खड़ी और पड़ी लाइनों के हरेक खाने में 1 से 9 की सभी संख्याएं आएं। साथ ही 3x3 के हरेक बक्से में भी 1 से 9 तक की संख्याएं हों। पहेली का हल हम कल देंगे।

हल : सुडोकू नं.7489

8	3	1	6	2	7	5	4	9
7	9	2	8	5	4	6	1	3
6	4	5	3	9	1	8	2	7
5	8	3	9	6	2	1	7	4
2	1	9	4	7	8	3	5	6
4	6	7	5	1	3	9	8	2
1	5	4	2	3	6	7	9	8
9	2	6	7	8	5	4	3	1
3	7	8	1	4	9	2	6	5

अंजुमन इंतिजामिया मसाजिद की ओर से दाखिल की गई संशोधन अर्जी

तहखाने में पूजा रोकने को लेकर अर्जी पर सुनवाई शुरू

ज्ञानवापी प्रकरण

प्रयागराज, विधि संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मंगलवार को ज्ञानवापी परिसर में व्यासजी के तहखाने में पूजा-अर्चना किए जाने के मामले में सुनवाई शुरू हो गई। सुनवाई से पहले अंजुमन इंतिजामिया मसाजिद ने संशोधन अर्जी दाखिल की। अर्जी में 17 जनवरी के जिला जज वाराणसी के आदेश को चुनौती दी गई है।

कोर्ट ने 31 जनवरी के आदेश के खिलाफ अपील में प्रस्तुत संशोधन अर्जी विचारार्थ स्वीकार कर ली है। अर्जी पर दोनों पक्षों ने तर्क रखे। कोर्ट ने बुधवार भी सुनवाई जारी रखने को कहा है। अंजुमन इंतिजामिया मसाजिद की अपील पर न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी, पुनीत गुप्ता ने बहस में कहा कि जब 17 जनवरी को मुकदमे में दाखिल 9ग की अर्जी मंजूर कर अदालत ने डीएम को रिसीवर नियुक्त करने की एक मांग मंजूर कर ली तो बिना अर्जी अदालत ने 31 जनवरी को पूजा अर्चना का कैसे आदेश दे दिया।

मंदिर पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि सीपीसी की धारा 15 में अदालत को विवेकाधिकार है।

कोर्ट ने सुनवाई का मीडिया ट्रायल किए जाने पर आपत्ति की और यह भी कहा कि दोनों पक्ष मीडिया ट्रायल से बचें।

वुजूखाना के सर्वे की अर्जी पर आपत्ति को मांगा समय

वाराणसी। ज्ञानवापी स्थित वुजूखाना तहखाने में भी एएसआई सर्वेक्षण की अर्जी पर प्रभारी जिला जज, अपर जिला जल (प्रथम) अनिल कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। प्रतिवादी अंजुमन इंतिजामिया मसाजिद ने आपत्ति दाखिल करने के लिए अपील की। तारीख के लिए अधिवक्ताओं में तीखी बहस हुई। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 15 फरवरी की तिथि तय की है।

शिवलिंग की आकृति केस में प्रशासन रखेगा पक्ष

ज्ञानवापी स्थित शिवलिंग की आकृति से छेड़छाड़ मामले में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए दाखिल निगरानी अर्जी पर अपर जिला जज चौदहवें देवकांत शुक्ला की अदालत में मंगलवार को सुनवाई हुई। वादी की ओर से अधिवक्ताओं ने बहस पूरी कर ली है। बुधवार को जिला व पुलिस प्रशासन की ओर से सरकारी अधिवक्ता पक्ष रखेंगे।

पूजा मामले पर सुनवाई अब 15 फरवरी को

सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में मंगलवार को भी ज्ञानवापी से जुड़े एक और प्रकरण में सुनवाई टल गई। इससे पूर्व प्रतिवादी अंजुमन इंतिजामिया की ओर से वाद की पोषणीयता पर सुनवाई के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया। अदालत अब 15 को सुनवाई करेगी। प्रकरण में वाद दाखिल कर सावन में ज्ञानवापी परिसर में प्रकट आदिविश्वेश्वर (शिवलिंग की आकृति) की पूजा-अर्चना और राग-भोग की मांग की गई है।

लाक्षागृह टीले पर प्रवेश बंद, पुलिस फोर्स तैनात

लाक्षागृह पर फैसला

बागपत में लाक्षागृह टीला पर मंगलवार को पुलिस बल की तैनाती कर दी गई।

बागपत, हिन्दुस्तान टीम। बागपत में कृष्णा व हिंडन नदी के संगम पर बसे बरनावा के महाभारतकालीन लाक्षागृह-कब्रिस्तान विवाद में कोर्ट के फैसले के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट है। मंगलवार को पूरा लाक्षागृह टीला छावनी में तब्दील कर दिया गया।

पुलिस ने लाक्षागृह को देखने आने वाले बाहरी लोगों के प्रवेश पर पूर्णरूप से प्रतिबंध लगा दिया है। यहां पहुंचे लोगों को पुलिस ने गेट से ही वापस कर दिया। वहीं, हिंडन नदी के पुल पर भी पुलिस फोर्स तैनात की गई है, फोर्स यहां से आने-जाने वाले वाहनों पर नजर रख रही है। महाभारतकालीन लाक्षागृह को लेकर 53 वर्षों से अदालत में वाद चल रहा था। सोमवार को कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष के उस दावे को खारिज कर दिया था जिसमें उसने लाक्षागृह की 100 बीघा जमीन को शेख बदरूद्दीन की मजार और कब्रिस्तान बताया था। मुसलिम पक्ष का दावा था कि 600 साल पहले एक हजरत शेख बदरुद्दीन ने यहीं इबादत की फिर यहीं दफ्न हुए इनका मकबरा भी बना था। 100 बीघे जमीन में एक कब्रिस्तान भी था।

हाईकोर्ट जाने की तैयारी

कोर्ट से मुस्लिम पक्ष का दावा खारिज होने के बाद मुस्लिम पक्ष के पैरोकार ने फैसले की कॉपी वक्फ बोर्ड को भेज दी है। बताया जा रहा है वक्फ बोर्ड के पदाधिकारी फैसले के बिंदुओं पर कानूनी जानकारों से बात कर रहे हैं। जल्द ही इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देने की बात कही जा रही है।

आचार्यों ने किया यज्ञ: हिंदुओं के पक्ष में फैसला आने के बाद मंगलवार को संस्कृत विद्यालय की यज्ञशाला में आचार्यों व ब्रह्मचारियों ने यज्ञ किया।

रांची जमीन घोटाले में हेमंत सोरेन समेत चार से पूछताछ

रांची, मुख्य संवाददाता। रांची जमीन घोटाले में बड़गाई की 8.50 एकड़ जमीन के कब्जे व मनी लाउंड्रिंग के केस में ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को पूरे दिन पूछताछ की।

वहीं पूछताछ व जांच में आए तथ्यों के आधार पर ईडी ने दोपहर में पूर्व सीएम के करीबी दोस्त आर्किटेक्ट विनोद सिंह को भी अचानक तलब किया। ईडी ने दोपहर एक बजे के बाद तकरीबन पांच घंटे तक विनोद सिंह से पूछताछ की।

ईडी सूत्रों के मुताबिक, हेमंत सोरेन के करीबी विनोद सिंह का नाम भी जमीन घोटाले में सामने आया है। विनोद सिंह के विषय में नए तथ्य हासिल हुए हैं। इसी आधार पर मंगलवार को समन कर विनोद सिंह को बुलाया गया था। हेमंत सोरेन और विनोद सिंह से पूछताछ में जो जानकारियां मिली हैं, उसका क्रॉस एग्जामिनेशन ईडी ने मौके पर कराया।

कोचर दंपति की गिरफ्तारी को हाईकोर्ट ने अवैध बताया

मुंबई, एजेंसी। बंबई हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक कथित ऋण धोखाधड़ी मामले में सीबीआई द्वारा आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर की गिरफ्तारी को 'अवैध' करार दिया।

यह फैसला जस्टिस अनुजा प्रभुदेसाई और एन.आर. बोरकर की डिवीजन बेंच ने सुनाया है। कोर्ट ने जनवरी 2023 को कोचर दंपति को दी गई अंतरिम जमानत की पुष्टि करते हुए यह फैसला सुनाया। ज्ञात हो कि चंदा कोचर और उनके पति को जनवरी 2023 को अंतरिम जमानत दी गई थी, लेकिन साल के अंत में सीबीआई ने 24 दिसंबर 2023 को उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। इसी गिरफ्तारी को कोर्ट ने गैर-कानूनी करार दिया है। हालांकि, कोर्ट ने कोचर दंपति को कहा है कि वह अपने पासपोर्ट को सीबीआई के पास जमा कर दें।

देश 30s

बीसीएएस ने विस्तारा से स्पष्टीकरण मांगा

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने विस्तारा से स्पष्टीकरण मांगा है। दुबई से आई एक उड़ान के रविवार को उतरने के बाद उसके कुछ यात्रियों को आव्रजन प्रक्रिया पूरी किए बिना मुंबई हवाई अड्डे के घरेलू टर्मिनल पर ले जाया गया था।

अमित कात्याल को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने नौकरी के बदले जमीन मामले में आरोपी अमित कात्याल की चार हफ्ते की अंतरिम जमानत मंजूर कर ली। इन्हें पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का करीबी माना जाता है।

स्पेशल जज विशाल गोगने की अदालत ने दो लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही रकम के जमानती पर अंतरिम जमानत दी।

मोहम्मद फारूक नाजकी का निधन

श्रीनगर। वयोवृद्ध प्रसारक, कवि और साहित्य अकादमी विजेता मीर मोहम्मद फारूक नाजकी का मंगलवार रात कटरा के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। सूत्रों ने बताया कि ऑल इंडिया रेडियो कश्मीर और दूरदर्शन में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे नाजकी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

हिन्दुस्तान क्लासीफाइड

विज्ञापन के लिए संपर्क करें 1800 103 1800

www.livehindustan.com

आवश्यकता

बिक्री और विपणन

REQ. M/F fresher/exp. basic knowledge of ladies' ethnic garments Loc. : D-6, C P, Near the metro Gate -3 Rajeev chowk New Delhi pref. For Delhi NCR candidate # 9810123361/9811123361

वरिष्ठ प्रबंधन

REQUIREMENT
HOME DECOR FURNITURE BRAND ESTABLISHMENT MANAGER
Experience - Open Store & Manage Website Etc.
(Call - 09 AM To 6 PM)
9829023983
info@livingshapes.com
Location : Delhi

पार्ट टाइम जॉब

Rupali Services को आवश्यकता है ट्रेंड व अनट्रेंड युवक एवं युवती की जो पार्ट/फुल टाईम में काम करके 15000 से 35000 तक कमाएं (कैब सुविधा) संपर्क - 8700324166

व्यापार

ऋण/ आय

मात्र 48 घंटे में पूरे भारत में लोन उपलब्ध
1% ब्याज 50% सब्सिडी
नया बिजनेस करने, मकान/दुकान बनाने कर्ज उतारने, उद्योग एवं कृषि कार्य हेतु डायरेक्ट कम्पनी से प्राप्त करें।
9458668954
9456870188

लोन धमाका
होम लोन पर्सनल लोन
बिजनेस लोन प्रार्पटी लोन
कृष लोन समस्त लोन
2% ब्याज 50% छुट
लाखों संतुष्ट ग्राहक, विश्वास आपका मेहनत हमारी
लोन पायें उज्जवल भविष्य बनायें नया बिजनेस करने के लिए, कर्जा उतारने के लिए, मकान व दुकान बनाने के लिए। से 99 लाख तक का लोन हमारे यहा से पायें।
7599223189
7599289178

फाइनेंस 2% ब्याज 50% छूट मार्कशीट पर्सनल पशुपालन आधार कार्ड प्रॉपर्टी कृषि सभी ग्रुप लोन 72 घण्टों में घर बैठे पायें 1 लाख से 90 लाख तक बिना खर्चे के लोन पास जन विकास हेतु 6 किस्त माफ अनलाईन सुविधा एजेंट आमंत्रित 1987 से करोड़ों ग्राहकों का विश्वास 7253026938, 7819889733

ज्योतिष

ऑल इंडिया खुला चैलेंज
24घंटे में हर परेशानी का घरबैठे सम्पूर्ण समाधान
तांत्रिक मास्टर किंग खान
बाबा सुल्तान मिर्जा
कारोबार, शादी/प्यार में परेशानी सौतन/दुश्मन से छुटकारा, गृहक्लेश, पति-पत्नी के झगड़े, लवमैरिज, प्रोपर्टी, कोर्ट-केस, गुप्त रोग, पुराना दर्द, दवा न लगना, किया कराया, जादू-टोना, गढ़ाधन आदि
अगरकोई पंडित, मौलवी, तांत्रिक, अघोरी बाबा मेरे किए काम को काटे तो उसे मुंह मांगा ईनाम
स्पे. कालाजादू, गृहक्लेश व लव प्राब्लम
9971751650

ज्योतिष

शक्ति चमत्कार देखे घर बैठे
जिन्दगी में हँसना सिखा दुंगा
2 घंटे में घर बैठे सभी समस्याओं का समाधान करवाए
गुरू हसन बंगाली
सबसे पहले काम करने का वादा
71 शक्तियों के माहिर
प्रेमविवाह, प्यार में धोखा, सौतन या दुश्मन से छुटकारा, कारोबार या शादी में रुकावट, गृह क्लेश, इत्यादि.
स्पे. वशीकरण व मुठकरनी
अगर किसी का पति-पत्नि, बेटा-बेटी किसी के वश में हो तो अवश्य सम्पर्क करें।
8439163231

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रेणियां

मेडिकल

SEX PROBLEM
बचपन की गलतियों के कारण आयी सभी सेक्स समस्याओं के समाधान के लिए हमारी सलाह द्वारा दवा का सेवन करें और 15 ही दिन में फर्क देखें
सिर्फ ₹999 महीना
घर बैठे दवा मंगवायें
सन्यासी आयुर्वेदा
2284,कोड़िया पुल चौक,पुरानी दिल्ली
• मंगोलपुरी • कालकाजी
फ्री सलाह: 8527001155

सेक्स समस्याएँ
छोटापन से निराश क्यों?
मात्र 300/- 500/-
नई खोज
18 से 80 वर्ष तक के लिए लाभदायक
शीघ्रपतन, यौन समस्याएं, स्वप्नदोष, नपुंसकता, घात आना, छोटापन, पतलापन, टेढ़ापन दूर कर क्षमता बढ़ायें।
लाभ नहीं तो पैसा वापस
हमारे इलाज से 12 घंटों में असर शुरू
फोन कर डॉ० से सलाह लें
हरिओम हर्बल केयर
07044380073
08584825181

नाम परिवर्तन

मैं, लोकमान सिंह (Lokman Singh) पुत्र नेक्शा राम (Neksa Ram) निवासी H-7, शिव दुर्गा विहार, लक्कड़पुर, सुरजकुंड, तह० बडखल, जिला फरीदाबाद ब्यान करता हू कि मेरी आर्मी रिकॉर्ड में मेरा नाम लोका (Loka) व पिता का नाम Naikese दर्ज है जोकि गलत है, जबकि मेरा सही नाम लोकमान सिंह (Lokman Singh) व पिता का नाम नेक्शा राम (Neksa Ram) है।

I, SAVITRI Devi W/o Ravikant R/o 39-C, Gali No.2, Ekta Enclave, Kamalpur, Burari Delhi-110084 have changed my name from Savitri Prajapati to Savitri Devi vide affidavit no. IN-DL39280937303384W dated 06.02.2024

I, JAY PRATAP S/o Radhe Shyam R/o Bhupatiyapur, Murra Kanpur Dehat, UP-209310, have changed my name to Jitender Singh for all future Purposes.

I, KRISHNA Malik W/o Sh. Rameshwar No. SL04693A Rank LT COL R/o H.No. 934, Near Community Center, Sec-2, Rohtak have changed my name from Krishna Devi to Krishna Malik for all future purposes.

I TANISHA d/o Dushyant singh r/o flat no 1702 san marino apartments gh-6 sector 45 gurugram haryana have changed my name to Tanisha Singh for all purposes in future

नाम परिवर्तन

IT IS for general information that I, Shekh Rajab Ali S/o Shekh Yasin Ali R/o 1562, Gali No-13, Balmiki Mohalla, Tughlakabad Village, Badarpur, South Delhi, Delhi-110044 declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as Rajab Ali and Arhaan Ali in my minor son Shekh Arhaan Ali aged 12 years in his School Records. The actual name of mine and my minor son are Shekh Rajab Ali and Shekh Arhaan Ali.

IT IS for general information that I, Shekh Rajab Ali S/o Shekh Yasin Ali R/o 1562, Gali No-13, Balmiki Mohalla, Tughlakabad Village, Badarpur, South Delhi, Delhi-110044 declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as Rajab Ali and Arshaan Ali in my minor son Shekh Arshaan Ali aged 7 years in his School Records. The actual name of mine and my minor son are Shekh Rajab Ali and Shekh Arshaan Ali.

IT IS for general information that I Pratham Rathore S/O Naresh Kumar Rathore R/O E-2/27, Shastri Nagar, North West Delhi, Delhi-110052 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Naresh Rathore and Jyoti Rathore in my 10th & 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are Naresh Kumar Rathore and Sangeeta Rathore, which may be amended accordingly.

IT IS for general information that I, Tabassum D/o Abdul Salam Saifi R/o B-759, Sangam Vihar, Delhi-110062 have changed my name to Tabassum Saifi for all future purposes. Also declare that name of my father and mother has been wrongly written as Abdul Salam and Shakila Begum respectively in my educational documents. The actual name of my father is Abdul Salam Saifi and my mother is Shakila Saifi, which may be amended accordingly.

IT IS for general information that I, Sakshi Anand D/o Deepak Kumar Agarwal Ex W/o Sagar Anand R/o A-201, Pearls Gateway Tower, Sector-44, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 declare that I got divorce from my husband vide court decree HMA No-162/2023 dated 24/04/2023 Further I have changed my name and shall hereafter be known as Sakshi Agrawal in future for all Purpose.

मैं, फुल कुमारी देवी माता आर्मी नंबर-15733553P, हवलदार धीरेन्द्र कुमार निवासी ग्राम+पोस्ट-पढ़वारा, थाना-तारापुर, जिला-मुंगेर, बिहार-813221, ने अपने पुत्र के सैन्य दस्तावेजों में अपना नाम फुल कुमारी देवी से बदलकर फुलकुमारी देवी रख लिया है अनुमंडल दण्डाधिकारी, तारापुर (मुंगेर) के समक्ष दिनांक 03/02/2024 के शपथ पत्र के माध्यम से।

I DHARMENDRA Ahirwar S/o Babulal Ahirwar Currently R/o H.No-9, Gali No-6, Gurunanak Marg, Sant Nagar, Main Market Burari, Delhi-110084 Permanent R/o Ward No-18, Amanganj Mohalla, Dr Hirdesh Khare Ke Pass, Chhatarpur, Madhya Pradesh-471001 have changed my name to Dharmendra Singh Gautam.

I, ANIRUDH Mittal S/o Shri Sandeep Kumar Mittal R/o A-70, Ground Floor (Back Side),Ashoka Enclave II,Sector-37, Amar Nagar, Faridabad-121003 declare that my mother's name wrongly written in my passport as Pratibha. But her correct name is Pratibha Mittal for all future purposes

I NEHA D/o Rupender Singh R/o 344, 3rd Floor, Gagan Vihar, Delhi-110051, have changed my name to Neha Chaudhary permanently

I, BITTU S/O, Subodh R/o Rz-50 H-block Dharmpura Najafgarh South West New Delhi -110043 have changed my name to Bittu Kumar for all purposes.

I, ANKUR Mohta S/o Brijesh Kumar R/o H.No. C-17, Omaxe Green Valley, Sec-41-42, Faridabad have Changed my Minor Son name from Saksham Mohta to Yashraj.K.Mohta.

I, RAJIV Ray S/O Pavitra Yadav R/O H.No-5, Block-P-3 Mangol Puri, Delhi-110083, have changed my name to Rajeev Yadav.

I, SOMA Vanti W/o Late Amrik Singh, R/o E 2/78, Shastri Nagar, Delhi-110052 have changed my name to Soma Wanti for all future purposes.

नाम परिवर्तन

IT IS for general information that I, Vinay Singh S/o- Dinesh Kumar, R/o- E - 6/69, Ratiya Marg Sangam Vihar New Delhi, Hamdard Nagar, South Delhi, Delhi- 110062, declare that name of my father has been wrongly written as Dinesh Singh in my CBSE 10th and 12th Marksheet and Certificate. The actual name of my father is Dinesh Kumar, which may be amended accordingly.

IT IS for general information that I, Mohammad Khaleel S/o Babu Baksh R/o H.No-F-141, Gali No-5, Chand Bagh, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi-110094 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Mohd Khalil and Babu Khan in my Election ID Card No-NSF2225621. The actual name of mine and my father are Mohammad Khaleel and Babu Baksh.

IT IS for general information Vishal Ranaut S/o Milap Ranaut, R/o D-113, Lajpat Nagar, Sahibabad Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, declare name of my father has been wrongly written as Malip Ranaut in my CBSE class 10th & 12th marksheet & certificate educational documents. The actual name of my father is Milap Ranaut respectively which may be amended accordingly

I GURMEET Kaur (also known as Gurmeet Kaur Bawa),W/O Angad Singh Bawa R/O U-13 Parwana Vihar Apartment Sector-9 Rohini New Delhi-110085 do solemnly affirm and declare that I am same person Gurmeet Kaur who is also known Gurmeet Kaur Bawa. I hereby affirm that Gurmeet Kaur and Gurmeet Kaur Bawa refer to one and the same person, namely myself.

I, MEMWATE Wife of Patram, resident of Dholagarh Palwal, state that in the service record of my son Dharampal's army number 16022688 A, Rank NK. My name is Memwati and date of birth is 09-02-1972, which is wrong. My correct name is Memwate and date of birth is 12-07-1972. In future I will be known as Memwate and date of birth is 12-7-1972.

IT IS for general information that I, Israwati W/o Triloki Nath R/o 758, C-2, Sec-27, Resettlement Colony, Rohini, Delhi-110042 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as Bimla Devi and Ramesh Gupta in my Aadhar Card No-9704 3668 8008. The actual name of mine and my husband are Israwati and Triloki Nath.

IT IS for general information that I Ayush Rathore S/O Naresh Kumar Rathore R/O E-2/27, Shastri Nagar, North West Delhi, Delhi-110052 declare that name of my mother has been wrongly written as Jyoti in my 10th & 12th Class Educational Documents. The actual name of my mother is Sangeeta Rathore which may be amended accordingly.

IT IS for general information that I, Hariom Babu S/o Amar Singh R/o H.No-C-44/237, Street No-13, Sudama Puri, Gamri Extension, North East Delhi, Delhi-110053 declare that name of mine has been wrongly written as Hari Om in my minor son Gouransh aged 16 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is Hariom Babu.

IT IS for general information that I, Vanshika D/o Jagdish R/o H.No-H1/259, Jahangirpuri, A-Block, North West Delhi, Delhi-110033 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as Rajesh and Pooja in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are Jagdish and Laxmi.

मैं, वी प्रांजली उर्फ प्रांजली वेमुरी पुत्री वी. शशिधर निवासी ए-37, पहली मंजिल, गुजरावाला टाउन पार्ट-1, डॉ. मुखर्जी नगर, उत्तरी पश्चिमी दिल्ली-9 घोषणा करती हूं कि वी प्रांजली और प्रांजली वेमुरी एक ही व्यक्ति हैं, भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों के लिए वी प्रांजली के नाम से जाना जाए।

I SALIL Kumar S/o Harish Kumar Chakarvarty, R/o Flat No-1506, Block Eternia, Mahagun Maple, Plot No-F-26, Sector-50, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed the name of my minor daughter Cheyshta Chakarvarty age 14 yrs & she shall hereafter be known as Shyamangi Chakarvarty

I HITHERTO known as Dori Lal S/o Laxmi Narayan R/o 465/5, Kashmere Bagh, Kishan Ganj, Delhi-110007 have changed my name and shall hereafter be known as Dori Lal Goswami.

नाम परिवर्तन

I, ANIRUDH Mittal S/o Shri Sandeep Kumar Mittal R/o A-70, Ground Floor (Back Side),Ashoka Enclave II,Sector -37, Amar Nagar, Faridabad-121003 declare that my father's name wrongly written in my passport as Sandeep Mittal. But his correct name is Sandeep Kumar Mittal for all future purposes.

I, GAGAN Preet Singh (Aadhaar No. 5278 9162 9542) S/o Sh. Satpal Singh R/o B-539, First Floor, Sushant Lok-1, Gurugram (HR) have changed my name to Gagaan Preet Singh. Gagan Preet Singh & Gagaan Preet Singh are one & the same person. My correct name is Gagaan Preet Singh for all future purposes

I, RAVINDRA Kumar Bhola S/o Sh. Agyaram R/o 2, Th18, Vigyan Nagar Kota, Kota, Rajasthan-324005 have changed my name from "Ravinder Kumar Bhola To Ravindra Kumar Bhola". For All Future Purposes. I am currently residing at E1/401, IREO Skyone, Sectore-60, Behind Lemon Tree, Gugugram, Haryana

I, KAMLESH W/o Shri Pal R/o-46, Ground Floor, Near ICE Factory wali Gali, Hari Nagar, South East Delhi-110044 inform that in my LIC Policy No.-125833018 my name is wrongly mentioned as Mandui Kui. Whereas my correct name is Kamlesh. Mandui Kui and Kamlesh is the same person.

I, JC 768334A Subedar Rameshwar Vishwakarma S/o Sh. M.P. Vishwakarma R/o Ward No.6, Shastri Nagar, Village Gaunar, Post Hata, Dist Kushinagar, U.P.-274203 have changed my daughter name in my service record from Kumari Priya to Priya Vishwakarma for all purposes.

I, SEEMA Devi Tripathi W/o- No. 8431625F Hav Satish Kumar Tripathi, R/o-Vill-Brahamanpur, PO-Pirthiganj Bazar, Dist-Jaunpur, U.P.-230135, have changed my name from Seema Devi Tripathi to Seema Tripathi, vide affidavit dated 06/02/2024 before Notary Public Delhi

I HITHERTO known as Kamini Kumar alias Kamini Kumar Bajaj D/o S K Sablania W/o Pankaj Bajaj R/o FP-6A, Maurya Enclave, Pitampura, Saraswati Vihar, North West Delhi, Delhi-110034 have changed my name and shall hereafter be known as Kamini Kumar Bajaj.

I HITHERTO known as Gawali Dattatray Atmaram alias Dattatray Atmaram Gawali S/o Atmaram Dhondi Gawali R/o D2/284, Shiv Durga Vihar Lakkarpur, Surajkund Faridabad, Haryana-121009 have changed my name and shall hereafter be known as Dattatray Atmaram Gawali.

I, SAMGHO Devi, Mother of No. 14859019N SEP/MT Satish Kumar, R/o-VPO-Lakhlan Bari, Teh-Rajgarh, Distt-Churu, Rajasthan-331023, have changed my name from Samgho Devi to Samjho Devi vide affidavit dated 06/02/2024 before Notary Public Delhi

I, HOSHIYAR Singh father of Changwan Arvind, Resident of Badhra 40, PO Badhara, District Charkhi Dadri, State Haryana - 127308, have changed my Name from Hoshiyar Singh to Hoshiyar Singh Maurya, vide affidavit dated 29/01/2024 before Notary Public Delhi.

I, CHANGWAN Roshani Devi mother of Changwan Arvind, Resident of Badhra 40, PO Badhara, District Charkhi Dadri, State Haryana - 127308, have changed my Name from Changwan Roshani Devi to Roshani Devi, vide affidavit dated 29/01/2024 before Notary Public Delhi.

I, CHANDAN Bharat S/o Sh. Bharat Singh R/o S-482, Village Saran, Near Shoe Market, Faridabad, HR declare that my father's name wrongly written in my documents as Bharat Bhushan. But my father's correct name is Bharat Singh for all future purposes.

I, JITENDER S/o Bhagirath R/o Vill- Raidaska, Teh & Distt. Palwal have declared that my Mother name Birjabati wrongly mentioned in my army records but my Mother's correct name is Brijbati.

I, KAMLESH Devi W/o Ramesh Chand Tyagi, R/o B-92, Gali No. 11, New Modern Shahdara, Delhi-110032, have changed my name from Kamlesh Devi to Kamlesh Tyagi for all future purposes.

I, SHASHI Thakur, spouse of Virendra Singh Thakur resident of SMQ-340/3, Air Force Station Rajokri, New Delhi have changed my Name from Shashi Thakur to Shashibala Thakur vide Affidavit dated 05022024.

नाम परिवर्तन

I SONIA W/o Mitra Sen R/o H.No-89-C, DDA Flats, Mata Sundri Road, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi-110002 have changed the name of my minor daughter Yoshika Sen alias Bhavya Sen aged 3 years and she shall hereafter be known as Bhavya Sen.

I NO Jc 772425F Rank Sub Nanna Khasim Khan wife Name Shaik Haleemabi R/o Cherukupalli (A P) 522309, want to state that my wife name wrongly mentioned in service record as Haleema Bi and correct name is Shaik Haleemabi

I, NO. JC-699815Y Sub Ugale Pralhad Pandurang, R/o-Vill+PO-Varne, Tal+ Dist-Satara, Maharashtra-415019 have changed my minor daughter's name from Srushti to Ugale Srushti Pralhad, vide affidavit dated 06/02/2024 before Notary Public Delhi

IT IS for general information that. I, Raj Kumar Jain S/O Shikhar Chand Jain R/o - N-23, Green Park Extension, New Delhi - 110016. Have changed my name R. K Jain to Raj Kumar Jain s/o Shikhar Chand Jain.

I, AKSH Saini S/o Rajeev Saini R/o 5/112, 1st Floor Street No-5, Sant Nirankari Colony New Delhi-110009 wrongly mentioned my name as Akshat Saini in other documents my correct name is Aksh Saini for all future purposes.

I HITHERTO Known As Dileep Gupta S/O Daya Lal Gupta Residing At S-184/200 Sanjay Colony, Block-Y,S Okhla Phase-2, Okhla Industrial Estate, South Delhi, Delhi- 110020, Have Changed My Name and Shall Hereafter Be Known As Dileep Kumar Sahu.

I HITHERTO known as Ravinder Singh Yadav S/o Sohan Lal, residing at Flat No. 536, GH-14, Paschim vihar, Delhi-110087, have changed my name and shall hereafter be known as Ravinder Singh

I, BHASKAR Chhabra S/o Rajneesh Chhabra R/o F No.-601,Tower 7, Paras Seasons Apartment, Sector-168, Noida,Uttar Pradesh-201301, have changed my name to Bhaskar Karan Chhabra

I, SANJEEV Kumar Garg S/o Sh. Ram Nivas Garg R/o 5/510 Sector-5 Vasundhara, Ghaziabad, U.P.-201012 declare that Sanjeev Garg and Sanjeev Kumar Garg both are the names of one and same person.

I, MD Shahnawaz R/o Kh No-1945, Abbas Garden, Near Eid Gaah Pasonda, Sahibabad, Ghaziabad, 201005 have changed my minor son's name from Md Shahad Shah to Md Shahad for all purposes.

I, AKHTAR Jan Ansari D/o Late Ghulam Nabi Khan, R/o E-1/403, Bharat City, Phase-1, Indraprastha Yojana, Afzal Pur, Ghaziabad, U.P.-201003 have changed my name to Akhtar Jan for all future purposes.

I, SONI Sharma S/o Govind Prasad Sharma R/o State Bank Colony, Near Police Chowki, Agra Road, Hathras, U.P. have changed my name to Shaurya Sharma for all purposes.

I, SANDEEP S/o Daya Nand, R/o H.No. 25, Auchandi Road Bawana, Delhi-110039, have changed my name to Sandeep Kumar for all future purposes.

I, PRAVIN Pant S/o Padmakar Pant R/o Flat No-105 , 730-730A, Sainipura, Jharsa, Sec-39 Gurgaon HR-122001 have changed my name to Pravin Padmakar Pant.

I, JYOTSNA Rani D/o Ashok Kumar R/o 665, Sec-13, Vasundhara, Ghaziabad, UP 201012 I have changed my name from Jyotsna to Jyotsna Rani for all future purpose.

I, SANDHYA W/o Sandeep Kumar, R/o H.No. 25, Auchandi Road Bawana, Delhi-110039, have changed my name to Sandhya Goel for all future purposes.

I KULDEEP S/O Late Sh Devdutt sharma R/o 159, tilpat, po: amarnagar, dist:faridabad, Haryana-121003, have changed my name to Kuldeep Sharma permanently

I, AKASH Gupta S/o Satya Prakash Gupta R/o J-4/80-A,3rd flr Khirki Extn.Malviya Nagar Delhi-17 have changed my name to Aakash Gupta for all purposes.

I HITHERTO known as Kamal S/o Ram Saroop R/o C-38, DDA Flats, New Ranjeet Nagar, New Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Kamal Kant.

नाम परिवर्तन

I, VANDANA Yuwraj Singh D/o Yuwraj Singh, R/o H.No. 1244, Sector-8, R.K Puram, New Delhi-110022 have changed my name to Vandanaa Singhh.

I, NIRAJ Kumar Sharma S/o Sh. Raj Kumar Sharma R/o Plot No.329, 2nd Floor, Niti Khand-1, Indirapuram, Ghaziabad, U.P.-201014 have changed my name to Niraj Kumar forever.

I, PEEYUSH S/o Anil Chaudhary R/o 6052, Maple Tower, Parx Laureate, Sector 108, Noida 201304 have changed my name to Peeyush Choudhary for all purposes.

I HAVE changed my name from Nanha Pandit to Nancy Pandit W/o Ashok Pandit, R/o 6H/114, HIG Duplex, Sec-5, Rajender Nagar, Sahibabad, Ghaziabad, for all future purposes.

I, KANHAIYA S/o Surender Kumar R/o H.No. 570, Housing Board Colony, Palwal have Changed my name to Kanhaiya Goel for all purposes.

I, SATY Prakash Gupta S/o Geetam Lal Gupta R/o J-4/80-A,3rd flr Khirki Ext.Malviya Nagar Delhi-17 have changed my name to Satya Prakash Gupta for all purposes.

I, ANNPURA D/o Laxman Pal R/o H.NO 1053B, 4th Floor, Bhagwani Kunj, Ward No-08, Mehrauli, Delhi 110030 Have Changed My Name to Annpurna Pal for All Purposes

I, VIJEYATA D/o Sh. Anand Parkash Malhotra R/o H.No. 324, Sector-9, Faridabad have changed my name to Vijeyata Vaishnavi for all future purposes.

I ARUN Kumar Sharma S/O, Lekhraj Sharma R/o A-162, Ist Floor, Sai Bhawan, Shakarpur, Delhi-110092 have changed my name to Arun Sharma.

खोया- पाया

I, HITESH Goyel S/o Prakash Chand Goyel, House No. 26, Block-G, Road No. 17, DLF Phase-1, Gurugram, Haryana. Have lost the Photocopy of Builder Buyer Agreement, Allotment Letter, Possession Letter, MAP, MAP Sanction Letter , Conveyance Deed, sale Deed dated 28.03.2012 regarding property bearing No. 26, Block-G, Road No. 17, DLF Phase-1, Gurugram, Haryana of the owner Mrs. Raj Goyel W/o Prakash Chand Goyel and Hitesh Goyel S/o Prakash Chand Goyel. Finder May please contact the above mentioned residential address.

I, VINOD kumar Aggarwal S/o Jyoti Prasad Aggarwal R/o.G-26,Preet Vihar,Delhi-110092 have lost original Allotment letter, Possession Letter, NOC in respect of Industrial Plot no.24/1, Block-B,Wazirpur Industrial Area,Delhi vide DDA File no. F.11(2) 1988/ LSB(I). Finder may contact on above address. # 9312061010

I DR. Abha Rani Singh W/o Dr. B R R Kumar R/o Flat No. 54, 2nd & 3rd floor Duplex DDA SFS flats Pocket A (Now know as Mount Kailash) East of Kailash, New Delhi-110065, have Lost original Conveyance Deed dated 06-11-2003 and Original Sale Deed Dated 26-02-2004 of above said property. Finder Please Contact: 9999475808.

I, RANJAN Parkash Chief Manager SHGB, Branch-Ballabgarh, Distt. Faridabad infomed that the original sale Deed No 8974 Dated 09 February 1998 in the name of Ram Kirpal Son of Bhairav Deen Mishra R/o H.No 152, Ward No 2, Ahirwara, Ballabgarh, has been Lost, Finder may be contact above address.

I, SUSHMITA Vardhan W/o Satish Gautam R/o H.No.73, H.B.C, Sec-18, Kheri Kalan, Faridabad I Have Lost My Original BPMS Agreement & BPTP Original Noc, PTM, TPA Bearing Unit No. B40-26 G.F, Block-E, BPTP Park Elite Floors, Sec-85, Faridabad. Finder Contact Above Address.

THIS IS to inform the general public, I am Priyanka shah D/o Rajendra lal shah R/o upper bajar, Joshimath Chamoli, Uttarakhand misplaced my original documents of Marksheet and Certificate of class 10th whose Roll Number 0059950, Marksheet no. 0106 Certificate no. 0064731.

I SUNIL kumar, Booking And part Receipt No- R000553, R000554 lost and Unit No-FF 227B-, Project Omaxe Chandni chowk, misplaced somewhere any person who finds it please call 8287755550.

ज्वैलरी

BUY BIG & SAVE BIG
ON OUR 14TH ANNIVERSARY MONTH SALE
* 15% Off on Diamond Rate
* Only 5% Making Charges on Diamond Jewellery
* Buy Gold Jewellery, Get Same Weight Silver Jewellery Free Free
Offer Valid Till 29th Feb, 2024
CONDITIONS:
Min. 100 gm gold & Min. 50,000/- Diamond jewellery purchase
Lowest Gold Rate in all over Delhi
₹57550 Per 10g*
Today's B.I.S. Hallmark 91.6/22CT Gold Rate
8% Making on all items
100% CERTIFIED DIAMOND 100% BUYBACK
KAPIL JEWELLERS SINCE 2010.
F-24/35-36, Sec-7 Rohini
9999889969, 9891417720

खोया- पाया

मैं विनोद कुमार पुत्र हीरा लाल नि० ए.-2/137-बी., मयूर विहार-3, दिल्ली-96, सूचित करता हूं कि मेरी जीडीए से संबंधित प्रॉपर्टी सं.-एन.के.-I/396, न्याय खंड-I, इंदिरापुरम गाजियाबाद का एग्रीमेंट टू लीज के दस्तावेज जो कि सब रजिस्टार चतुर्थ गाजियाबाद के यहाँ बुक सं.-1, वॉल्यूम-1013, पेज सं.-183 से 188, दस्तावेज नं.-6778 पर पंजीकृत है, वास्तव में कहीं खो गए है, मिलने पर उपरोक्त पते पर सूचित करें

I, MOKSH Choudhary, R/O 2405, Migsun Wynn, Greater Noida have lost my degree marksheet Roll no 1849210056 year 2018-22 of B.Tech (CS) in Greater Noida near Omaxe Mall , Finder Please contact 7988583025

I SATVIR Singh lodged eFIR having LR No:1269625/2023 on 23/12/2023 regarding loss of original allotment letter of my flat no B302 Rudra Appt plot no 12 sec 6 dwarka Delhi-110075.If found plz Contact 9540334343

WE JAI Prakash Meena & Premlata Verma, Booking Receipt No-792991 lost and suite No- 812 Project Omaxe India Trade Centre, misplaced somewhere any person who finds it please call 8287755550

I MANOPREET Singh Rehsia, has lost the builder buy agreement of my two shops in Omaxe Chowk, having cust Id OCDL/1001 & 999. who finds it please call 9555951777.

निजी

I, NIKAHAT Parveen D/o Roshan Ali R/o 17-B, Girja Nagar, Barf Factory Ke Pas, Gadiyana, New Pac Line, Dist. Kanpur Nagar, Uttar Pradesh-208015 Have Embraced Islam Religion and Renounced Hindu Religion W.e.f. 06.02.2024 for All Purposes in Future

निविदा सूचना

TENDER NOTICE

The Sri Ram CGHS Ltd., Plot No 32, Sector -04, Dwarka, New Delhi-110078. Tender is invited for Retrofitting and Re-strengthening of Columns/ Beams/ Slabs of multi-storey building and other civil jobs from the experienced Contractors.

Last date of Collection of tender documents is 21/02/2024.

Sd/-
President
For Sri Ram CGHS Ltd.
Ph. No.: 011-46562916

निविदा सूचना

निविदा सूचना

पूर्वांचल रॉयल पार्क अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (पीआरपीएओए) ("ग्राहक) **पूर्वांचल रॉयल पार्क, जीएच-04, सेक्टर-137 नोएडा में आईपी आईबी आधारित सीसीटीवी निगरानी प्रणाली की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग** के लिए प्रतिष्ठित ठेकेदारों ("बोलीदाता") से ईओआई आमंत्रित करता है।

यह कार्य बहुमंजिला आवासीय परिसर में किया जाना है। बोलीदाता को (i) अपने पास मौजूद उपकरणों की सूची (ii) पिछले 5 वर्षों में निष्पादित समान प्रकृति और परिमाण के पूर्ण कार्यों की सूची प्रस्तुत करनी होगी।

ईओआई प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20/02/2024 को 1800 बजे ईमेल के माध्यम से निम्नलिखित पते पर है:

सचिव, पीआरपीएओए
पूर्वांचल रॉयल पार्क, जीएच-04
सेक्टर -137, नोएडा (यू.पी.) -201305
ईमेल: prpaoaoffice@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that the Hon'ble Delhi High Court in the case titled as 'Mrs. Payal Kapoor & Anr. Vs Mr. Pankaj Jain & Ors, C.S. (OS)No. 3156 of 2015 vide its order dated 27.02.2019 has ordered a status quo qua the estate of late Mr. D. K. Jain. This estate includes 50 percent shares in M/s Edenpark Hotels Private Ltd. which owns and operates 'The Qutab Hotel' situated at Shaheed Jeet Singh, Marg, New Delhi. Therefore, all persons are barred from creating any third party interest or encumbrance on the properties of the said Company, including The Qutab Hotel'. Any transaction in violation of the restraint Order would be illegal, void and unenforceable in law. The General Public is therefore advised to desist from entering into any such transaction, as any violation of the status quo Order of the Hon'ble High Court would amount to its contempt. The undersigned has peremptory instructions from his Client (Ms. Priya Jain, Plaintiff No. 2) to initiate appropriate legal action against any person contravening the directions of the Hon'ble Court.

Manish Sinha, Advocate

हिन्दुस्तान क्लासीफाइड में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
1800-103-1800, 011-66561245 or 011-66561427

उत्तराखंड विधानसभा में पेश किए गए समान नागरिक संहिता विधेयक में लिव इन को लेकर कई कड़े प्रावधान, बराबरी का हक

लिव इन रिलेशनशिप में नहीं चलेगी मनमानी

■ विमल पुर्वाल

देहरादून। समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद लिव इन रिलेशनशिप में मनमानी नहीं चल पाएगी। लिव इन रिलेशन में रहने वालों को न केवल पंजीकरण कराना होगा, बल्कि 21 साल से कम उम्र होने पर दोनों के परिजनों को भी इसकी सूचना दी जाएगी। लिव इन की शर्तों का पालन न करने पर छह माह की जेल के साथ ही 25 हजार रुपऐ का जुर्माना भी लगेगा।

उत्तराखंड विधानसभा में पेश किए गए समान नागरिक संहिता विधेयक में लिव इन रिलेशन को लेकर कई कड़े प्रावधान किए गए हैं। विधेयक के अनुसार लिव इन रिलेशन में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के लिए रजिस्ट्रार जिम्मेदार होंगे और उन्हें पूछताछ का भी अधिकार होगा। इसके साथ ही वह लिव इन रिलेशन में रहने वालों की सूचना स्थानीय थाने को भी देंगे। पंजीकरण के बाद लिव इन में रहने वालों को रसीद दी जाएगी। इसका उपयोग वह किराए के मकान आदि के लिए कर सकेंगे।

वयस्क ही रह सकेंगे : विधेयक के अनुसार सिर्फ एक व्यस्क पुरुष व वयस्क महिला ही लिव इन रिलेशनशिप में रह सकते हैं। वह भी तब जबकि यदि वो पहले से विवाहित या किसी अन्य के साथ लिव इन रिलेशनशिप में नहीं रह रहे हों। दो वयस्क पुरुष या महिला लिव इन रिलेशन में नहीं सह सकेंगे।

लिव इन से हुआ बच्चा जायज माना जाएगा : लिव-इन के दौरान पैदा बच्चों को उस युगल का जायज बच्चा ही माना जाएगा। उस बच्चे को जैविक संतान के समस्त अधिकार प्राप्त होंगे। राज्य में रहने वाले किसी भी प्रदेश के नागरिकों को लिव इन में रहने पर पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराना होगा। राज्य का कोई व्यक्ति यदि प्रदेश से बाहर लिव इन में रहता है तो वह रहने वाले स्थान पर पंजीकरण करा सकता है।

महिला को भरण पोषण का हक : लिव इन रिलेशन में रहने वाली महिला पुरुष के लिव इन छोड़ने पर भरण पोषण का दावा कर सकेंगी।

देहरादून स्थित विधानसभा भवन में मंगलवार को सत्र की कार्यवाही के दौरान सरकार का पक्ष रखते संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल। ● हिन्दुस्तान

यूसीसी विधेयक का सदन में पेश होना ऐतिहासिक है। उत्तराखंड ऐसा पहला प्रदेश बनने जा रहा है, जो यूसीसी लागू करेगा। -ऋतु खंडूड़ी, विस अध्यक्ष

सत्तारूढ़ भाजपा अपने वोट बैंकों को मजबूत करने के लिए यूसीसी लागू कर सकती है। फिर भी उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव हारेगी। -इमरान प्रतापगढ़ी, कांग्रेस

यूसीसी बिल संविधान का उल्लंघन है। अनुच्छेद 44 ने प्रावधान किया गया है कि केंद्र इस पर प्रयास करेगी। हमें पढ़ने नहीं दिया गया। -मो. शहजाद, बसपा

सभी नागरिकों के लिए एक समान कानून

उत्तराखंड विधानसभा में मंगलवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किया गया। यदि यह लागू होता है तो यूसीसी प्रमुख धार्मिक समुदाय के रीति-रिवाजों और धार्मिक ग्रंथों पर आधारित मौजूदा पर्सनल लॉ को खत्म कर देगा। यूसीसी और इससे जुड़े पहलुओं के सवालों के जवाब :

29 लाख व्हाट्सऐप मैसेज किए गए लोगों को

क्या कहता है संविधान?

संविधान के अनुच्छेद 44 में कहा गया है कि राज्य अपने नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता प्रदान करने का प्रयास करेगा। संविधान निर्माताओं ने देश में राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए यूसीसी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला था। इससे एकता आती है और लैंगिक न्याय को बढ़ावा मिलता है।

अभी सिर्फ गोवा में लागू

भारत में यूसीसी अभी सिर्फ गोवा में लागू है। 1961 में पुर्तगाली शासन से मुक्त होने के बाद राज्य ने सामान्य पारिवारिक कानून को बरकरार रखा। देश के अन्य हिस्सों में अभी धार्मिक आधार पर पर्सनल लॉ कानून को मान्यता है।

विवाद क्या है?

सरकार कह रही कि सभी नागरिकों के पर्सनल लॉ को एक समान बनाना है, जो बिना किसी धार्मिक, लैंगिक या जातीय भेदभाव के लागू होगा। विरोध करनेवालों का दावा है कि सभी धर्मों और मान्यताओं का सम्मान हो।

क्या हैं चुनौतियां?

देश में हिंदू बहुसंख्यक हैं लेकिन अलग-अलग राज्यों में रिवाजों में अंतर है। मुस्लिम समुदाय में भी शिया, सुन्नी, अहमदिया समाज में रीति रिवाज अलग हैं। ईसाईयों के भी धार्मिक कानून अलग हैं। अन्य धार्मिक समूह भी विरोध कर रहे हैं।

दुनिया में कहां-कहां लागू?

अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, रूस जैसे विकसित देशों में समान नागरिक संहिता लागू है। मलेशिया और इजरायल जैसे देशों ने पर्सनल लॉ के समुदाय विशिष्ट मॉडल को अपना रखा है।

इसके फायदे क्या हैं

1. राष्ट्रीय एकता और धर्मनिरपेक्षता
2. पर्सनल लॉ के कारण होनेवाले सांप्रदायिक विवादों में भी कमी आएगी
3. महिलाओं के साथ होनेवाले भेदभाव और उत्पीड़न को खत्म करने में मदद मिलेगी।
4. विरोधाभासों को दूर करके कानूनी प्रणाली को सरल बनाएगा
5. सभी के साथ समान व्यवहार, कोई भेदभाव नहीं होगा
6. न्यायपालिका पर बोझ कम होगा

विधेयक की विशेषताएं

शादी की उम्र

सभी धर्मों की लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र 18 और लड़कों के लिए 21 निर्धारित की गई है। अभी कुछ धर्मों में इससे कम उम्र में लड़कियों की शादी हो जाती है।

विवाह पंजीकरण

शादी के छह माह के भीतर अनिवार्य तौर पर सब रजिस्ट्रार के पास विवाह पंजीकरण कराना होगा, पंजीकरण नहीं कराने पर 25 हजार रुपए के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

तलाक

समान नागरिक संहिता में पति-पत्नी के लिए तलाक के कारण और आधार एक समान कर दिए गए हैं। अभी पति जिस आधार पर तलाक ले सकता है, उसी आधार पर अब पत्नी भी तलाक की मांग कर सकेगी।

बहु विवाह

पति या पत्नी के रहते दूसरी शादी यानि बहु विवाह पर सख्ती से रोक रहेगी। विशेषज्ञों के मुताबिक अभी मुस्लिम पर्सनल लॉ में बहुविवाह करने की छूट है लेकिन अन्य धर्मों में एक पति-एक पत्नी का नियम बहुत कड़ाई से लागू है।

वसीयत

कोई भी व्यक्ति अपनी पूरी संपत्ति की वसीयत कर सकता है। समान नागरिक संहिता लागू होने से पूर्व मुस्लिम, ईसाई एवं पारसी समुदायों के लिए वसीयत के अलग-अलग नियम थे, जो अब सभी के लिए समान होंगे।

उत्तराधिकार

उत्तराधिकार में लड़के और लड़कों को बराबर अधिकार प्रदान किया गया है। संहिता में सम्पत्ति को सम्पदा के रूप में परिभाषित करते हुए इसमें सभी तरह की चल-अचल, पैतृक सम्पत्ति को शामिल किया गया है।

अधिकार क्षेत्र

राज्य का स्थायी निवासी, राज्य या केंद्र सरकार के स्थायी कर्मचारी, राज्य में लागू सरकारी योजना के लाभार्थी पर लागू होगा। राज्य में न्यूनतम एक साल तक रहने वाले लोगों पर भी यह कानून लागू होगा।

भाजपा ने बिल को ऐतिहासिक बताया

देहरादून, विसं। समान नागरिक संहिता विधेयक को सदन में पेश होने के क्षण को ऐतिहासिक स्वर्णिम पल करार दिया। मंगलवार को बिल पर चर्चा में भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी इस पहल के लिए धन्यवाद दिया।

वहीं, कांग्रेस ने विधेयक को पारित करने के बजाए इस प्रवर समिति को सौंपने की मांग की है। चर्चा की शुरूआत करते हुए संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि आज मुख्यमंत्री ने यूसीसी विधेयक सदन के पटल पर रखकर जनता ने किया वादा निभाया है। यह विधेयक संविधान की भावना के अनुसार ही लाया गया है। दुनिया के कई देशों में समान नागरिक संहिता लागू है। मातृशक्ति को समरसता और समानता का अधिकार प्राप्त होगा।

प्रवर समिति को सौंपा जाए : कांग्रेस

देहरादून, विसं। कांग्रेस ने यूसीसी विधेयक को प्रवर समिति को सौंपने की पैरवी की है। मंगलवार को सदन में बिल पर चर्चा के दौरान ही नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी को कांग्रेस विधायकों के हस्ताक्षरित पत्र भी सौंपा।

यूसीसी विधेयक पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष आर्य ने कई गंभीर सवाल उठाए। कहा कि सरकार को यूसीसी ड्राफ्ट बनाने वाली कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर विधेयक बनाने से पहले इस रिपोर्ट को सार्वजनिक करना चाहिए था। इससे गुणदोष के आधार पर चर्चा की जा सकती है। सरकार ने विपक्ष को विधेयक का अध्ययन करने के लिए महज दो घंटे का ही वक्त दिया है। आर्य ने कहा कि वर्ष 2016 में विधि आयोग ने यूसीसी को खारिज कर दिया था।

बिना इजाजत तलाक पर तीन वर्ष की कैद

■ रवि बीएस नेगी

देहरादून। समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद किसी को भी मनमाने ढंग से तलाक लेने की इजाजत नहीं होगी। तय शर्तों के तहत न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर ही तलाक लिया जा सकेगा। इसका उल्लंघन करने वालों के लिए तीन साल की कैद और एक लाख तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

विधानसभा में पेश विधेयक के अनुसार विवाह और तलाक का राज्य में पंजीकरण अनिवार्य होगा। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जिस तरह से जन्म एवं मृत्यु के प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं। उसी स्तर पर अब विवाह और तलाक का पंजीकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत सचिव तथा शहरी निकाय क्षेत्रों में सक्षम प्राधिकारियों द्वारा पंजीकरण किया जाएगा। यूसीसी में बिना न्यायिक प्रक्रिया के तलाक पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है।

एक साल से पहले कोर्ट में नहीं आएंगे तलाक के मामले

विधेयक में प्रावधान किया गया है कि एक साल से पहले विवाह विच्छेद के प्रकरण कोर्ट में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अभी विवाह के कुछ ही समय बाद कोर्ट में तलाक के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे मामलों को थामने का प्रयास यूसीसी में किया गया है। प्रावधान किया है कि कोर्ट एक साल से पहले विवाह विच्छेद के केस में सुनवाई नहीं करेंगे। यदि किसी केस विशेष में असाधारण कष्ट पहुंचाया जाता है या दुराचार जैसी स्थिति सामने आती है, तो केस सुने जा सकेंगे। विवाह उस स्थिति में शून्य माना जाएगा, यदि विवाह के समय पत्नी किसी अन्य पुरुष से गर्भवती हो या पति ने किसी अन्य महिला को गर्भवती किया हो।

जनजातियों को संवैधानिक प्रावधानों के चलते अलग रखा

देहरादून, हिब्यू। उत्तराखंड में जनजातियों को यूसीसी से बाहर रखने की बड़ी वजह उनकी अलग सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान है। भाषा, खान-पान, रीति-रिवाज, विधि-विधान, पहनावा, संस्कृति उन्हें विशिष्ट बनाती है।

विधेयक में जनजातियों और आदिवासियों को बाहर रखने के सवाल पर कहा गया है कि संविधान में जनजातियों को विशेष संरक्षण प्राप्त है। इन्हें यूसीसी में शामिल करने के लिए संविधान में संशोधन जरूरी है। यही कारण है कि जनजातियों और आदिवासियों को यूसीसी के बाहर रखा गया है। समिति ने विधेयक के ड्राफ्ट को तैयार करने के दौरान जनजाति क्षेत्रों का दौरा कर जनसंवाद किया। जो सुझाव मिले, उनमें स्पष्ट था कि जनजातीय समुदाय भी अपने यहां व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के पक्षधर हैं, परन्तु इसमें समय लगेगा।

अपना बिजनेस

एजेंसी विश्लेषण करेगी कि उसे मामले में आगे जांच शुरू करने की जरूरत है या नहीं

ईडी ने रिजर्व बैंक से रिपोर्ट मांगी

पेटीएम मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय और वित्तीय आसूचना इकाई ने रिजर्व बैंक से पेटीएम पेमेंट्स बैंक लि. को ग्राहक खातों में जमा या 'टॉप-अप' स्वीकार करने से रोकने के लिए हाल में की गई कार्रवाई पर अपनी रिपोर्ट साझा करने को कहा है।

मनी लांड्रिंग निरोधक कानून के तहत नियमों के उल्लंघन का जांच करने वाली एजेंसियां प्रवर्तन निदेशालय और वित्तीय आसूचना इकाई पहले ही धन शोधन रोधक कानून के तहत भुगतान मंचों से संबंधित मामलों की जांच कर रही हैं।

एजेंसी चीन की कंपनियों के नियंत्रण वाले मोबाइल-फोन एप्लीकेशन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के हिस्से के रूप में पेटीएम और अन्य ऑनलाइन भुगतान वॉलेट की जांच कर रही है।

एफआईयू ने यह विश्लेषण करने के लिए रिपोर्ट मांगी है कि क्या पेटीएम या पीपीबीएल ने मनी लांड्रिंग रोधक कानून की धारा 13 के तहत 'रिपोर्टिंग इकाई' के रूप में आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन किया है।

आईटी शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 454 अंक चढ़ा

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 454 अंक से अधिक के लाभ में रहा। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों टीसीएस और इन्फोसिस में लिवाली से बाजार में मजबूती आई। सेंसेक्स 454.67 अंक चढ़कर 72,186 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 157.70 अंक की तेजी के साथ 21,929.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, मारुति, विप्रो, इन्फोसिस, टाटा स्टील, एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक बैंक, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्र प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिले विजय शेखर

पेटीएम के प्रबंध निदेशक विजय शेखर शर्मा ने मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ मुलाकात कर अपना पक्ष रखा। बताया जा रहा है कि रिजर्व बैंक द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ एक्शन के बाद ये कंपनी की वित्त मंत्री के साथ पहली मुलाकात है। खबरों के मुताबिक मुलाकात मंगलवार को दोपहर के बाद हुई है और करीब 10 मिनट तक चली। चर्चा किन बातों पर हुई है, इसका खुलासा नहीं हुआ है। इससे पहले पेटीएम के अधिकारियों की रिजर्व बैंक के अधिकारियों से मुलाकात हो चुकी है।

जियो ने खंडन किया, एचडीएफसी की बातचीत जारी

मुकेश अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने पेटीएम वॉलेट खरीदे जाने की खबरों को खंडन किया है। कंपनी ने कहा है कि इसे लेकर पेटीएम के मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस से कोई बातचीत नहीं चल रही है। इस खबर के बाद जियो फाइनेंशियल के शेयरों में उछाल दर्ज किया गया था। वहीं, पेटीएम संकट से बाहर निकलने की कोशिश में एचडीएफसी बैंक के साथ बातचीत कर रहा है। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पेटीएम ने कई बड़े बैंकों से समर्थन के लिए संपर्क साधा है।

शुरू में जोरदार गिरावट के बाद पेटीएम का शेयर तेजी से पलटा

आरबीआई की कार्रवाई के बाद पांच कारोबारी सत्रों से भारी गिरावट झेल रहे पेटीएम के शेयरों में मंगलवार को जोरदार तेजी आई। सुबह कमजोर शुरुआत के बावजूद बीएससई और एनएसई पर इसके शेयरों में आठ फीसदी का उछाल आया। सोमवार को पेटीएम का शेयर बीएसई पर 438.35 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। मंगलवार सुबह यह और नीचे गिरकर 401 के भाव पर खुला और फिसलकर 52 हफ्ते के निचले स्तर 395.50 रुपये पर पहुंच गया। लेकिन कुछ देर बाद ही शेयर ने जोरदार वापसी की और 473.50 रुपये के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया। इस तरह एक दिन के कारोबार में करीब 19 फीसदी की बढ़त ले ली। अंत में यह बीएससई पर 451.60 रुपये और एनएसई पर 452.80 रुपये के भाव पर बंद हुआ।

यूपीआई अटकने से घंटों तक रकम भेजने में दिक्कत हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीआई सेवा बाधित होने से कई बड़े बैंकों के ग्राहक काफी देर तक लेनदेन नहीं कर पाए। एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, एसबीआई और कोटक महिंद्रा बैंक समेत कई अन्य बैंकों के ग्राहकों को इस परेशानी का सामना करना पड़ा। कई बार कोशिश करने के बावजूद वे पैसे भेजने में असफल रहे।

सोशल मीडिया पर शिकायतों का ढेर : यूपीआई का सर्वर ठप होने की शिकायतें ग्राहकों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर भी की। कई उपयोगकर्ताओं ने लिखा कि वे भुगतान तो कर पा रहे हैं लेकिन वह बार-बार असफल हो रहा है। कई बार कोशिश करने पर भी लेनदेन नहीं हो पा रहा था। कई बैंकों के सर्वर भी डाउन हैं। कई लोगों ने लिखा कि इस समस्या का सामना भीम, फोन-पे, गूगल पे के जरिए यूपीआई का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों का करना पड़ा रहा है।

देर रात तक पुष्टि नहीं : वहीं, यूपीआई सर्वर ठप होने और लेनदेन बाधित होने की पुष्टि देर रात तक राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) और प्रभावित बैंकों ने नहीं की। इसका कोई विवरण भी उपलब्ध नहीं कराया। हालांकि, इस तरह की समस्याओं की ट्रैक करने वाली संस्थाओं ने बताया कि यूपीआई के जरिए होने वाले लेनदेन प्रभावित हुए हैं।

यूपीआई के माध्यम से 60 फीसदी लेनदेन

भारत के खुदरा लेनदेन का 60 फीसदी से ज्यादा यूपीआई से ही किया जाता है। यह पेमेंट सिस्टम बड़ी मात्रा में लेनदेन को संभालता है। इनमें से ज्यादातर कम मूल्य वाले लेनदेन होते हैं। 100 रुपये से कम के लेनदेन में यूपीआई वॉल्यूम का 75 फीसदी हिस्सा है। 350 से अधिक बैंक यूपीआई प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। यह अनुमान लगाया जाता है कि 2025 तक यूपीआई के जरिये लेनदेन की संख्या एक अरब तक पहुंच जाएगी।

बाजार 30s

शेयर बाजार

सेंसेक्स	निफ्टी
72186 +454.67	21929 +157.70

कमोडिटी

	भाव	बदलाव
सोना	63,200	-150
चांदी	74,900	-600

करेंसी
डॉलर/रुपया
83.05 -00.02

छह बैंकों में निवेश करेगा एचडीएफसी

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक समूह को आरबीआई ने आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक सहित छह बैंक में 9.5-9.5 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है। एचडीएफसी बैंक समूह के अंतर्गत आने वाली संस्थाएं एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी और अन्य हैं।

मलाबार ने 13वें देश में परिचालन विस्तार किया

नई दिल्ली। दुनिया के छटे सबसे बड़े ज्वेलरी रिटेलर मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में अपना नया शोरूम शुरू किया। ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा, इस शोरूम के साथ ही मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने 13वें देश में अपने परिचालन का विस्तार किया है। इस नए शोरूम में सोने और हीरे के आभूषणों के 30,000 से अधिक डिजाइन प्रदर्शित होंगे।

आर्टेमिस के तिमाही लाभ में 12.5% का इजाफा

नई दिल्ली। आर्टेमिस मेडिकेयर सर्विसेज का तीसरी तिमाही कर पश्चात लाभ सालाना आधार पर 12.5 प्रतिशत बढ़कर 11.6 करोड़ रुपये रहा। आर्टेमिस मेडिकेयर सर्विसेज लिमिटेड की प्रबंध निदेशक डॉ. देवलीना चक्रवर्ती ने कहा, कंपनी का समेकित सकल राजस्व 228.7 करोड़ रुपये रहा। कंपनी दिल्ली-एनसीआर में पांच अस्पतालों के साथ कुल 713 बेड का संचालन करती है।

मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू, दरों पर यथास्थिति संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति की द्विमासिक समीक्षा बैठक मंगलवार को शुरू हो गई। खुदरा मुद्रास्फीति के उच्चस्तर पर बने रहने के बीच रेपो दर पर यथास्थिति बने रहने की संभावना जताई जा रही है।

गवर्नर दास समिति का फैसला गुरुवार सुबह पेश करेंगे। आरबीआई ने करीब एक साल से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा हुआ है। आखिरी बार बढ़ोतरी फरवरी 2023 में हुई थी जब इसे 6.25% से बढ़ाकर 6.5% किया गया था। एमपीसी ने मई, 2022 से लेकर फरवरी, 2023 तक रेपो दर में कुल मिलाकर 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। लेकिन उसके बाद से यह लगातार स्थिर बनी हुई है।

जीएसटी फर्जीवाड़ा रोकने को बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली, हिन्दुस्तान ब्यूरो। फर्जी जीएसटी रिफंड और इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा करने वालों पर नकेल कसने की तैयारी हो रही है। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार जीएसटी रिटर्न फॉर्म में संशोधन या सुधार करने की सुविधा को वापस ले सकती है।

यह कदम इस संशोधन सुविधा के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग के मामले सामने आने के बाद उठाए जाने के बाद लिया जाएगा। हाल ही में जीएसटी में फर्जीवाड़े की पड़ताल करने वाली एजेंसियों को इन मामलों का पता चला है। गौरतलब है कि इन एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष में (दिसंबर 2023 तक) 18 हजार करोड़ रुपये के 1,700 फर्जी आइटीसी मामलों का पता लगाया है। इस संबंध में 98 धोखेबाजों को गिरफ्तार किया गया है।

अभी आईटीसी दावे में संशोधन की सुविधा

फिलहाल जीएसटी रिटर्न दाखिल करने के बाद संशोधन करने की सुविधा नहीं है, लेकिन कारोबारियों को इससे होने वाली परेशानी को देखते हुए सरकार ने कुछ समय पहले ही जीएसटी के रिटर्न फॉर्म-1 में संशोधन और जीएसटी के रिटर्न फॉर्म 3बी में इनपुट टैक्स क्रेडिट के दावे को संशोधित करने की सुविधा शुरू की है। बताया जा रहा है कि इसे बंद किया जा सकता है।

जीएसटी चोरी के खिलाफ सरकार पिछले साल मई से बड़ी मुहिम चला रही है। जांच में अभी तक करीब 44 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की जीएसटी चोरी का खुलासा हुआ है।

भारत अपनी मजबूत मांग से चुनौती को पार करेगा : मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी। साख तय करने वाली और वित्तीय शोध कंपनी मूडीज इनवेस्टर्स सर्विस ने मंगलवार को कहा कि इस साल एशिया प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक वृद्धि कम होगी।

इसका कारण चीन की अर्थव्यवस्था की रफ्तार कम होना है। इसका असर वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के माध्यम से क्षेत्र में होगा लेकिन भारत मजबूत घरेलू मांग के कारण चुनौती से पार पाने में सक्षम होगा।

मूडीज ने एशिया-प्रशांत पर एक रिपोर्ट में कहा कि इस क्षेत्र में 2024 में कई चुनाव होने हैं। मूडीज ने 'आर्थिक वृद्धि चुनौतियां, तंग वित्त पोषण और भू-राजनीतिक समस्याएं 2024 की स्थिति को परिभाषित करेंगी' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा कि चुनाव नतीजों का असर देखने को मिलेगा।

FARNAZ

दक्षिण अफ्रीका को हरा भारत फाइनल में, सहारन और धास के शानदार पचासे

सचिन-उदय ने अफ्रीकियों के जबड़े से जीत छीनी

अंडर-19 विश्व कप (द. अफ्रीका 2024)

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका), एजेंसी। महज 32 रन पर चार विकेट गिर गए थे और लक्ष्य था 245 रन। यहां से कप्तान उदय सहारन और सचिन धास ने मोर्चा संभाला और दक्षिण अफ्रीका के जबड़े से जीत छीन ली। अंडर-19 विश्व कप का सेमीफाइनल मुकाबला जीतकर भारतीय टीम मंगलवार को रिकॉर्ड नौवीं बार फाइनल में पहुंच गई।

उदय 49वें ओवर में तब रन आउट हो गए जब टीम जीत से चार रन दूर थी। मगर अगली ही गेंद पर राज लिंबानी ने चौका जड़कर विजय पताका फहरा दिया। इसी के साथ भारतीय खिलाड़ी खुशी से झूम उठे। भारत लगातार पांचवीं बार अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में पहुंचा है। इसके अलावा पांच बार वह विश्व कप जीत चुका है।

नहीं गंवाया कोई मैच : अभी तक टूर्नामेंट में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने टॉस जीतकर पहले दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट पर 244 रन पर रोक दिया। उसके बाद लक्ष्य सात गेंद रहते आठ विकेट पर 248 रन बनाकर हासिल कर लिया। अभी तक टीम ने एक भी मैच नहीं गंवाया है। भारत सभी मुकाबलों में 200 प्लस का स्कोर करने वाली एकमात्र टीम है। अब फाइनल में 11 फरवरी को भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया या पाक से होगा।

150 प्लस की साझेदारी : दक्षिण अफ्रीका के 245 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उदय (81) और सचिन (96) ने लगातार दूसरे मैच में 150 प्लस की साझेदारी की। दोनों ने पांचवें विकेट के 171 रन जोड़े। पिछले मैच में नेपाल के खिलाफ दोनों ने शतक जड़कर रिकॉर्ड साझेदारी निभाई थी।

सचिन धास ने धीमी शुरुआत के बाद जल्द ही आक्रामक रुख अपना लिया। उदय दूसरे छोर पर एक या दो रन लेकर उनको स्ट्राइक देते रहे। सचिन ने तेज गेंदबाज रिली नोर्टन को निशाना बनाया और उन पर पांच चौके मारे। उन्होंने ओलिवर वाइटहेड पर लगातार दो चौकों के साथ 47 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

लिंबानी के छक्के ने बदल रुख : मुरुगन अभिषेक (00) अगले ओवर में रन आउट हुए लेकिन लिंबानी ने नोर्टन पर छक्का जड़कर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ा। उदय ने मोकोएना पर चौके के साथ टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया लेकिन जब जीत के लिए एक रन चाहिए था तो रन आउट हो गए। लिंबानी ने हालांकि चौका लगाकर भारत को जीत दिला दी।

प्रिटोरियस और रिचर्ड सेलेट्सवेन के अर्धशतक : दक्षिण अफ्रीका ने शुरुआती 10 ओवर में ही स्टीव स्टॉक (12) और डेविड (00) के विकेट गंवा दिए। प्रिटोरियस (76) और रिचर्ड सेलेट्सवेन (64) ने तीसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़ टीम को संभाला। जेम्स (24) और ट्रिस्टन (23) की पारियों की बदौलत टीम अंतिम 10 ओवर में 81 रन जोड़ सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची।

फिनिशर सचिन

नेपाल के खिलाफ पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले सचिन धास चार रन से अपने लगातार दूसरे शतक से चूक गए। बाएं हाथ के इस ऑलराउंडर ने पिछले मैच में भी कप्तान उदय के साथ चौथे विकेट के लिए 215 रन की साझेदारी की थी जो यूथ क्रिकेट में चौथे या उससे निचले क्रम में रिकॉर्ड था। महाराष्ट्र के बीड जिले के सचिन ने फिनिशर की भूमिका निभाई। जब टीम संकट में थी तो उन्होंने कप्तान उदय का साथ देकर जीत की दहलीज पर पहुंचाया।

बेनोमी में मुकाबले के दौरान भारतीय बल्लेबाज सचिन धास। ● एजेंसी

171 रिकॉर्ड रन जोड़े उदय-सचिन ने 5वें विकेट के लिए

161 रन का रिकॉर्ड था पहले बांग्लादेश के तौहीद-शमीम का

96 रन सचिन ने बनाए जबकि 81 रन उदय के बल्ले से निकले

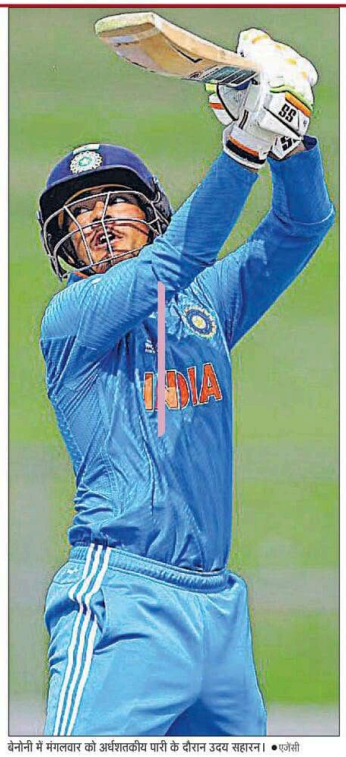

बेनोनी में मंगलवार को अर्धशतकीय पारी के दौरान उदय सहारन। ● एजेंसी

भारत का नया 'उदय' : बाउंड्री की जगह सिंगल-डबल से रन बनाना पसंद

राजस्थान स्थित श्रीगंगानगर के उदय सहारन ने बल्ले के साथ ही कप्तान की अपनी भूमिका को भी बखूबी निभाया। उन्होंने सभी मुकाबलों में रन बनाए। खास बात यह है कि उनके 65 फीसदी रन सिंगल और डबल से आए हैं। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने बाउंड्री के बजाए, गैप ढूंढकर विकेट के बीच तेजी से दौड़कर रन चुराए। ज्यादातर रन बीच के ओवरों में बटोरे। उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक लगा टीम को फाइनल तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई। चाहे बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी उनका एक भी फैसला अभी तक गलत नहीं गया।

विश्व कप में सबसे ज्यादा रन

उदय टूर्नामेंट 350 का स्कोर करने वाले एकमात्र बल्लेबाज हैं। वह अब तक छह मैच में 64.83 की औसत से 389 रन बना चुके हैं। टूर्नामेंट में चार बार पचास प्लस का स्कोर करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। उदय ने ज्यादातर रन दौड़कर बनाए हैं। उन्होंने बाउंड्री (27 चौके, 2 छक्के) से सिर्फ 120 रन बनाए हैं। मुशीर खान (338) दूसरे और सचिन धास (294) सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में तीसरे नंबर पर हैं।

केन ने गेंदबाजों को धुना, दूसरी पारी में भी सैकड़ा

पहला टेस्ट

माउंट मॉनगनुई (न्यूजीलैंड), एजेंसी। पूर्व कप्तान केन विलियम्सन (109) ने तीन दिन में दूसरा शतक जड़ा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की खूब धुनाई की। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पहली पारी में 100 रन तक पहुंचने के लिए 241 गेंदें खेली थीं जबकि दूसरी पारी में 125 गेंद में तिहरे अंक तक पहुंच गए।

इससे न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट के तीसरे दिन दूसरी पारी में 528 रन की बड़ी बढ़त बना ली है। स्टंप्स के समय न्यूजीलैंड ने चार विकेट पर 179 रन बनाए थे। डेरिल मिचेल 11 और टॉम ब्लंडेल पांच रन पर थे।

पांचवें कीवी बल्लेबाज: विलियम्सन टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले न्यूजीलैंड के पांचवें बल्लेबाज हैं। वह ग्लेन टर्नर, ज्योफ हॉवर्थ, एंड्रयू जोंस और पीटर फुल्टन के क्लब में शामिल हो गए। उन्होंने 132 गेंद पर 12 चौके और एक छक्का लगाया। वह नील ब्रांड की गेंद पर स्टंप हुए। पहली पारी में दोहरा शतक जड़ने वाले रचिन रविंद्र 12 रन ही बना सके।

सबसे तेज 31 शतक जड़ने वाले दूसरे खिलाड़ी

केन विलियम्सन सबसे तेज 31 शतक जड़ने वाले संयुक्त दूसरे बल्लेबाज बने। उन्होंने 170वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल कर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ की बराबरी की। अब केन से आगे सिर्फ भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर (165 पारियां) ही हैं। केन के अलावा न्यूजीलैंड का कोई भी बल्लेबाज 20 शतकों का आंकड़ा भी नहीं छू पाया है। रॉस टेलर (19) दूसरे नंबर पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने विंडीज का सूपड़ा साफ किया

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने मंगलवार का दिन यादगार बना लिया। उसने कैनबरा में तीसरे और आखिरी वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से रौंद सीरीज में 3-0 से उनका सूपड़ा साफ कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहला मैच आठ विकेट से और दूसरा 83 रन से जीता था। तीसरा मैच दो और वजहों से भी खास रहा। पहला, ऑस्ट्रेलिया में यह अब तक का सबसे छोटा एकदिवसीय मुकाबला था। दूसरा, यह उसका 1000वां वनडे मैच भी था। भारत के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दूसरी टीम बनी।

जेवियर पहले ऑस्ट्रेलियाई

25 साल के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट अपने पहले दोनों मुकाबले में चार-चार विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई जबकि कुल छठे गेंदबाज हैं। वह वेस्टइंडीज के कार्टली एम्ब्रोस, ऑस्ट्रेलिया के एडम होलिओके, जिम्बाब्वे के ब्रायन विटोरी, बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान और स्कॉटलैंड के हमजा ताहिर के क्लब में शामिल हो गए हैं।

22 मैच से ऑस्ट्रेलिया में नहीं जीता विंडीज

22 लगातार मैचों से वेस्टइंडीज की टीम ऑस्ट्रेलिया में कोई मैच नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने 20 हारे, दो बारिश के चलते बेनतीजा रहे। ऑस्ट्रेलिया में उसे पिछली जीत 1997 में चार विकेट से पर्थ में मिली थी।

12वीं लगातार जीत

विश्व कप से शुरू हुआ ऑस्ट्रेलिया का जीत से सिलसिला शुरू हुआ था जो लगातार 12 मैच तक पहुंच गया। वह लगातार जीत का संयुक्त तीसरा सर्वाधिक रिकॉर्ड है। सबसे ज्यादा लगातार 21 जीत का रिकॉर्ड भी कंगारुओं के नाम है। श्रीलंका (13) दूसरे नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका ने दो बार जबकि पाक ने एक बार लगातार 12 जीत दर्ज की है।

कैनबरा में मंगलवार को सीरीज 3-0 से जीतने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते हुए। ● एजेंसी

186 गेंदें कुल इस वनडे मैच में दोनों ओर से फेंकी गईं

259 गेंद रहते ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच जीता

07 वीं सबसे बड़ी जीत है यह एकदिवसीय इतिहास में सबसे ज्यादा गेंद रहने के लिहाज से

32 रन ऐलेक ने बनाए। दहाई तक नहीं पहुंचे आठ बल्लेबाज

86 रन पर वेस्टइंडीज की पूरी टीम 24.1 ओवर में ढेर हो गई

277 गेंद रहते सबसे बड़ी जीत इंग्लैंड ने 1979 में 46 रन बनाकर कनाडा पर दर्ज की

87 रन 6.5 ओवर में दो विकेट पर बना ऑस्ट्रेलिया जीता

04 विकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर जेवियर बार्टलेट ने लिए,

274 गेंद रहते श्रीलंका ने 2001 में जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबला जीता था

बैडमिंटन | भारतीय दिग्गज शटलर करीब चार माह बाद कोर्ट पर वापसी करेंगी, 13 फरवरी से एशियाई टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप में खेलेंगी

सिंधु के सामने खिताबी सूखे को सफलता में बदलने की चुनौती

नई दिल्ली, हिन्दुस्तान ब्यूरो। पिछले 19 टूर्नामेंट में सिर्फ एक फाइनल, उसमें भी ट्रॉफी नहीं। दिग्गज भारतीय शटलर पीवी सिंधु के लिए पिछला साल भुला देने वाला रहा। अब एक बार फिर उनके सामने खिताबी सूखे को सफलता में बदलने की चुनौती है।

बाएं घुटने में चोट लगने के कारण वह अक्तूबर से कोर्ट से बाहर थीं। अब मलेशिया के शाह आलम में 13 से 19 फरवरी तक होने वाली एशियाई टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रशंसकों को पीवी सिंधु से बड़ी उम्मीदें होंगी।

ओलंपिक के लिए अहम : राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन सिंधु के लिए यह चैंपियनशिप अपनी लय हासिल करने के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए भी काफी अहम है। पिछले साल अक्तूबर में फ्रेंच ओपन के बाद से उन्होंने कोई मुकाबला नहीं खेला है। इसके कारण वह रैंकिंग में शीर्ष दस की सूची से बाहर हो गई हैं। हालांकि उनके लिए राहत यह है कि वह 11वें स्थान पर हैं। जुलाई-अगस्त में होने वाले खेलों के महाकुंभ से पहले उन्हें शीर्ष 16 में अपनी जगह बनाए रखनी होगी। इस टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन से उनका मनोबल भी बढ़ेगा और ओलंपिक की तैयारियों में मदद भी मिलेगी।

18 माह से नहीं जीता खिताब : पीवी सिंधु ने पिछले 18 महीने से कोई भी खिताब नहीं जीता है। उन्होंने अगस्त 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल में आखिरी स्वर्ण पदक जीता था। उसके बाद वह चोट के चलते कई दिन तक कोर्ट पर नहीं उतरीं। फिर वापसी करते हुए कोई कमाल नहीं दिखा पाईं। इसी बीच उन्होंने तीन कोच भी बदले। जनवरी से सिंधु प्रकाश पादुकोण अकादमी में इंडोनेशियाई कोच अगस द्वि संतोसो के साथ अभ्यास कर रही हैं।

> फिटनेस हासिल कर चुकीं सिंधु कड़ी मेहनत कर रही हैं। यह चैंपियनशिप उनके लिए अहम है। इसमें शानदार प्रदर्शन से उनका मनोबल बढ़ेगा जो ओलंपिक के लिए फायदेमंद होगा।
> –विमल कुमार, पूर्व राष्ट्रीय कोच

एक मुकाबले के दौरान अंक लेने पर प्रतिक्रिया जताती भारतीय शटलर पीवी सिंधु। ● फाइल

2023 में सिर्फ एक फाइनल खेला

टूर्नामेंट	पहला दौर	दूसरा दौर	अंतिम-8	अंतिम-4	फाइनल
मलेशिया ओपन	बाहर				
इंडिया ओपन	बाहर				
ऑल इंग्लैंड	बाहर				
स्विस ओपन		बाहर			
मैड्रिड मास्टर्स					बाहर
मलेशिया मास्टर्स				बाहर	
थाईलैंड ओपन	बाहर				
सिंगापुर ओपन	बाहर				
इंडोनेशिया ओपन		बाहर			
कनाडा ओपन				बाहर	
यूएस ओपन			बाहर		
कोरिया ओपन	बाहर				
जापान ओपन	बाहर				
ऑस्ट्रेलियन ओपन			बाहर		
विश्व चैंपियनशिप		बाहर			
एशियन गेम्स			बाहर		
आर्टिक ओपन				बाहर	
डेनमार्क ओपन				बाहर	
फ्रेंच ओपन		बाहर			

खेल 30s

मयंक को फिर कर्नाटक की कमान

बेंगलुरु। अनुभवी सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल रणजी ट्रॉफी में फिर कर्नाटक की कमान संभालेंगे। वह पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं। वह शुक्रवार से चेन्नई में तमिलनाडु के खिलाफ होने वाले ग्रुप सी मैच में टीम की अगुआई करेंगे। मयंक ने त्रिपुरा के खिलाफ मुकाबले के बाद सूरत रवाना होने के कारण विमान में तरल पदार्थ पी लिया था जिसके बाद इस 32 वर्षीय बल्लेबाज को मुंह और गले में जलन के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अग्रवाल खराब स्वास्थ्य के कारण रेलवे के खिलाफ कर्नाटक के पिछले मैच में नहीं खेल पाए। चिकित्सा निरीक्षण बाद उनकी टीम में वापसी का रास्ता साफ हुआ।

दिव्यांग टी-20 : इंग्लैंड ने मैच जीता, सीरीज हारा

अहमदाबाद। कैलम फ्लिन के हरफनमौला खेल से इंग्लैंड की दिव्यांग क्रिकेट टीम ने पांच मैचों की सीरीज के अंतिम मुकाबले में भारत को 22 रन से हरा दिया। मंगलवार को इस हार के बावजूद सीरीज 3-2 से भारत के नाम रही। फ्लिन ने 43 गेंद में 53 रन की पारी खेलने के बाद दो विकेट भी लिए। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लेने के बाद फ्लिन और लियाम ओ ब्रायन (45 रन) की बल्लेबाजी से 20 ओवर में छह विकेट पर 152 रन बनाए। भारत के रविंद्र साठे ने दो विकेट लिए। भारतीय टीम सात विकेट पर 130 रन ही बना सकी। कप्तान विक्रांत केनी ने 45 रन बनाए। डेनियल रिकी ने तीन विकेट लिए।

मोहसिन नकवी पीसीबी के पूर्णकालिक अध्यक्ष बने

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अनुभवी प्रशासक सैयद मोहसिन रजा नकवी को मंगलवार को सर्वसम्मति से तीन साल के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष (चेयरमैन) नियुक्त कर दिया। उनका चुनाव लाहौर में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी)' की विशेष बैठक में हुआ। मीडिया दिग्गज 45 वर्षीय नकवी पीसीबी के 37वें पूर्णकालिक अध्यक्ष हैं। इससे पहले पूर्व रमीज राजा पूर्णकालिक अध्यक्ष थे। उन्हें 'राजनीतिक हस्तक्षेप' के कारण एक साल के कार्यकाल के बाद दिसंबर 2022 में बर्खास्त कर दिया गया था। फिर नजम सेठी और जका अशरफ ने अंतरिम अध्यक्ष के रूप में पद संभाला।

मुंबई ओपन टेनिस : श्रीवल्ली ने हबिनो को हराया

मुंबई। भारत की श्रीवल्ली भामिदिपति ने मुंबई ओपन टेनिस में मंगलवार को यहां उलटफेर कर दिया। उन्होंने महिला एकल के पहले दौर में दूसरी वरीय जापान की नाओ हिबिनो को हरा दिया। 520वें नंबर की श्रीवल्ली ने शीर्ष 100 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ पहली बार खेलते हुए 2-6, 6-1, 7-6 से जीत दर्ज की। रुतुजा भोंसले ने थाईलैंड की पींगटार्न प्लिपुएच को 6-4, 7-5 से हराया और एकल के दूसरे दौर में पहुंचीं तीसरी भारतीय बनीं। युगल में प्रार्थना थोंबारे और नीदरलैंड्स की जोड़ीदार एरियाने हार्टोनो ने लुकसिका कुमकुम और पींगटार्न की थाईलैंड की जोड़ी को 6-4, 2-6, 10-6 से हरा क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

डब्ल्यूपीएल : क्लिंगर गुजरात जायंट्स के कोच

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल क्लिंगर को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र के लिए गुजरात जाइंट्स का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह राचेल हेन्स की जगह लेंगे। दूसरा सत्र 23 फरवरी से शुरू होगा। इसके मुकाबले दिल्ली और बेंगलुरु में खेले जाएंगे। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को बताया कि भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज टीम की मेंटोर और सलाहकार तथा नूशिन अल खादीर गेंदबाजी कोच बनी रहेंगी। इसमें हालांकि यह नहीं बताया गया कि बल्लेबाजी कोच रहे तुषार अरोठे बने रहेंगे या नहीं।

द. एशिया की पहली महिला हैंडबॉल लीग भारत में

नई दिल्ली। सभी खेलों की लीग के आगाज के बाद अब भारत में दक्षिण एशिया की पहली पेशेवर महिला हैंडबॉल लीग (डब्ल्यूएचएल) का आयोजन किया जाएगा। इसमें छह टीम हिस्सा लेंगी। लीग को जनवरी 2025 तक शुरू करने का लक्ष्य है। मंगलवार को यहां एक कार्यक्रम में लीग और इसके लोगो का अनावरण भी किया गया। इस लीग में भारत के अलावा एशिया, यूरोप और अफ्रीका की स्टार खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। इसका आयोजन दक्षिण एशियाई हैंडबॉल महासंघ और एशियाई हैंडबॉल महासंघ के तत्वावधान में भारतीय हैंडबॉल संघ के सहयोग से होगा।

सचिन और सागर स्ट्रेंड्जा मुक्केबाजी के क्वार्टर में

सोफिया (बुल्गारिया)। पूर्व विश्व युवा चैंपियन सचिन और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता सागर स्ट्रेंड्जा मुक्केबाजी के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। मंगलवार को प्री क्वार्टर में सचिन (57 किग्रा) ने उज्बेकिस्तान के फेजोव खुदोनजर को 3-2 से हराया। उनका सामना जॉर्जिया के केपेनाड्ज़े जियॉर्जी से होगा। सागर (92 किग्रा से अधिक) ने लिथुआनिया के जेजेविसियस योनास को 5-0 से हराया। वह क्वार्टर में उज्बेकिस्तान के जाखोनगिर से भिड़ेंगे। वंशज (63.5 किग्रा) खंडित फैसले में ईरान के हबीबीनेजाद अली से 2-3 से हार गए।

नेपाल को हरा युवा महिला फुटबॉल टीम फाइनल में

ढाका। नेहा के दो गोल से भारत ने मंगलवार को आखिरी लीग मैच में नेपाल को 4-0 से हरा सैफ अंडर-19 महिला फुटबॉल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत के सामने फाइनल में मेजबान और मौजूदा चैंपियन बांग्लादेश की चुनौती होगी। नेहा ने 54वें और 80वें मिनट में गोल से भारत को 2-0 से आगे कर दिया। दो अन्य गोल सुलांजना राउल (85वां मिनट) और रेमरौटपुई कोल्ने (90+3 मिनट) ने किए।

सोशल मीडिया से

भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी ने इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र की तैयारी शुरू कर दी है। उनकी एक फोटो सोशल मीडिया एक्स पर वायरल हो रही है जिसमें वह पैड पहनते हुए नजर आ रहे हैं। साथ में कैप्शन लिखा है-थाला इस गैटिंग रेडी। चेन्नई सुपर किंग्स को पांच आईपीएल खिताब दिलाने वाले धौनी पांच बार टीम को उपविजेता भी बनाया था। दुनिया की यह सबसे लोकप्रिय लीग इस साल 22 मार्च से 26 मई तक खेली जाएगी। इसमें 10 टीमें कुल 74 मुकाबले खेलेंगी।

जरा हटकर

रोहित की पत्नी रितिका का बाउचर को करारा जवाब

रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस की कप्तानी से हटाने का मामला फिर चर्चा में है। मुंबई के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने कहा कि यह क्रिकेट के हित में लिया गया फैसला है। हमने हार्दिक पांड्या को एक खिलाड़ी के रूप में वापस लाने के लिए एक विंडो देखी।

इस पर रोहित की पत्नी रितिका सजदेह ने सोशल मीडिया के जरिए बाउचर को करारा जवाब दिया है। इससे मुंबई की टीम में फिर से खलबली मच गई है। रितिका ने कहा, इसमें बहुत सारी चीजें गलत हैं। मुंबई को पांच बार खिताब दिलाने वाले रोहित से टीम की कमान लेना उनके प्रशंसकों को भी रास नहीं आ रहा है। बाउचर ने दक्षिण अफ्रीका स्थित पॉडकास्ट बैंटर विद द बॉयज से कहा, हमें खिलाड़ी के तौर पर रोहित की जरूरत है। वह टीम के लिए अहम हैं। हम चाहते हैं कि वह कप्तानी का बोझ लिए बिना खेल का लुत्फ उठाए। पिछले कुछ सत्र से बल्ले से और कप्तान के तौर पर उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। हमने मुंबई समूह में सबसे चर्चा करने के बाद यह सोचा कि उन्हें करियर के आखिरी कुछ वर्षों में स्वच्छंद होकर खेलने की आजादी दी जाए। वह अब भी भारत की कप्तानी कर रहे हैं ऐसे में आईपीएल में कप्तान वाला दबाव कम होगा।

पिछले दो सत्र में रोहित का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। आईपीएल इतिहास में सबसे चर्चित कैश ट्रेड में रिलायंस के स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी ने गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक को वापस टीम से जोड़ उन्हें कप्तान बनाया।

पीएम मोदी के यूएई दौरे से रिश्तों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी

भरोसा

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। भारत और संयुक्त राज्य अमीरात (यूएई) के राजनयिक एवं वाणिज्यिक संबंधों में लगातार प्रगाढ़ता बढ़ रही है। यही कारण है कि दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच लगातार मेल-मुलाकातों का दौर भी बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 फरवरी को यूएई की यात्रा पर जाएंगे। पिछले सात महीनों के दौरान यह पांचवां मौका होगा जब दोनों राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात होगी।विदेश मंत्रालय के सूत्रों की मानें तो पिछले दस सालों में अमेरिका के बाद यदि किसी देश के साथ संबंधों में सर्वाधिक प्रगाढ़ता आई है तो वह यूएई है। यूएई के साथ मुक्त व्यापार समझौता और द्विपक्षीय निवेश समझौता भी है जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार में बढ़ोत्तरी हुई है। यूएई और भारत के बीच मई 2022 में मुक्त व्यापार समझौता लागू हुआ था जिसके एक साल के बाद ही व्यापार बढ़कर 84.5 अरब डालर तक पहुंच गए था और 16 फीसदी की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई थी।

तेल एवं ऊर्जा क्षेत्र में यूएई भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है। इसके अलावा जी-20 के दौरान घोषित मिडिल ईस्ट कारीडोर भी महत्वपूर्ण है जो यूएई, सऊदी, जार्डन और इजरायल के जरिये भारत को सीधे यूरोप से जोड़ेगा।

भारत के संबंध पाक से बेहतर

भारत–यूएई के बीच व्यापारिक संबंधों में प्रगाढ़ता से जहां दोनों देशों के कारोबारियों को फायदा पहुंचा है, वहीं राजनयिक संबंधों की मजबूत से पाकिस्तान अलग–थलग पड़ने लगा है। आज भारत के संबंध यूएई से पाकिस्तान की तुलना में कहीं बेहतर माने जा रहे हैं। यूएई में रह रहे भारतीयों को इससे कई रूपों में फायदा पहुंच रहा है।

13 को अबूधाबी में मोदी भारतीय समुदाय को संबोधित करेंगे

14 फरवरी को दुबई में वर्ल्ड गवर्मेंट समिट में सम्मानित अतिथि होंगे

14 फरवरी को ही यूएई के पहले हिंदू मंदिर का लोकार्पण करेंगे

16 फीसदी की बढ़ोत्तरी से व्यापार 84.5 अरब डॉलर तक पहुंचा

दोनों राष्ट्राध्यक्षों की 5वीं बार मुलाकात होगी

यदि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद अल नहयान की मुलाकातों की बात करें तो पिछले सात महीनों में चार बार मिल चुके हैं। फ्रांस की यात्रा से लौटते हुए 15 जुलाई को मोदी यूएई गए थे। इसके बाद यूएई के राष्ट्रपति 9-10 सितंबर को जी-20 बैठक में हिस्सा लेने भारत आए थे। एक दिसंबर को जलवायु वार्ता के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। पिछले महीने बाइब्रेंट गुजरात में हिस्सा लेने के लिए यूएई के राष्ट्रपति गांधीनगर आए थे। अब प्रधानमंत्री फिर से यूएई के दौरे पर जा रहे हैं। जिस वर्ल्ड गवर्मेंट समिट में वे हिस्सा ले रहे हैं, वह भी बेहद प्रतिष्ठित है। 2018 में भी प्रधानमंत्री मोदी को उसमें आमंत्रित किया गया था।

विदेश 30s

आनंद कुमार को यूएई का गोल्डन वीजा

दुबई। संयुक्त राज्य अमीरात (यूएई) ने सुपर-30 के संस्थापक आनंद कुमार को गोल्डन वीजा दिया है। आनंद कुमार मंगलवार को बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान और संजय दत्त सहित उन भारतीय मशहूर हस्तियों की सूची में शामिल हो गए, जिन्हें यूएई सरकार ने गोल्डन वीजा दिया है। गौरतलब है कि 2019 में यूएई ने गोल्डन वीजा देने की शुरूआत की थी।

'एमक्यू-9बी ड्रोन से भारत की समुद्री सुरक्षा बढ़ेगी'

वाशिंगटन। अमेरिका का कहना है कि 'जनरल एटॉमिक्स एमक्यू9-बी' सशस्त्र ड्रोन सौदे से भारत की समुद्री सुरक्षा और समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमता (एमडीए) में बढ़ोतरी होगी। समुद्री क्षेत्र में जागरूकता क्षमता का अर्थ है कि समुद्री क्षेत्र से जुड़ी ऐसी हर बात को लेकर जागरूक होना जो सुरक्षा, अर्थव्यवस्था या पर्यावरण को प्रभावित कर सकती है।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने गीता पर हाथ रख शपथ ली

कैनबरा। भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई बैरिस्टर वरुण घोष ने मंगलवार को भगवत गीता पर हाथ रखकर सांसद के रूप में शपथ ली। इसी के साथ वो भारत में जन्में पहले ऑस्ट्रेलियाई सांसद बन गए हैं। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के रहने वाले वरुण घोष को विधान परिषद ने संघीय संसद का सीनेट चुना है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

सिंगापुर में भारतीय मूल का अधिकारी सम्मानित

सिंगापुर। सिंगापुर के चांगी हवाई अड्डे पर भारतीय मूल के एक विमानन सुरक्षा अधिकारी को जर्मनी की 87 वर्षीय एक यात्री की सहायता करने के लिए सम्मानित किया गया है। जर्मन यात्री हवाई अड्डे पर गिर गई थी और उसका कूल्हा टूट गया था। हरेश चंद्रन को सोमवार को हवाई अड्डे के वार्षिक समारोह में 2023 के लिए 'सर्विस पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया।

रूस ने अमेरिका पर आरोप लगाया

संयुक्त राष्ट्र। रूस ने सोमवार को अमेरिका पर दुनिया में अपने वर्चस्व को बचाने तथा देश में चुनाव से पहले राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन की छवि चमकाने के लिए इराक और सीरिया के खिलाफ आक्रामकता दिखाने का आरोप लगाया। पहले राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन की छवि चमकाने के लिए इराक और सीरिया के खिलाफ आक्रामकता दिखाने का आरोप लगाया।

गिरिधरन ऑस्ट्रेलिया में नस्ल भेदभाव आयुक्त बने

मेलबर्न। भारतीय मूल के एक जाने-माने वकील गिरिधरन सिवारामन को ऑस्ट्रेलियाई मानवाधिकार आयोग (एएचआरसी) का नया नस्ल भेदभाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। सिवारामन की जिम्मेदारी सभी तरह के नस्लीय भेदभाव का मुकाबला करने के लिए समाज के सभी वर्गों में समझ, सहिष्णुत और सद्भाव को बढ़ावा देने की होगी। सिवारामन बहुसांस्कृतिक ऑस्ट्रेलिया समूह के प्रमुख हैं। वह मौरिस ब्लैकबर्न में एक जाने-माने वकील हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया- तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी पूरी तरह से गठबंधन का हिस्सा

आरक्षण की सीमा बढ़ाई जाएगी : राहुल

भारत जोड़ो न्याय यात्रा 24वां दिन

गुमला, संवाददाता। राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि देश में आठ फीसदी आदिवासी, 15 फीसदी दलित और 50 फीसदी ओबीसी आबादी है। अगर इनकी कुल जनसंख्या 73 प्रतिशत है, तो आरक्षण पर केवल 50 प्रतिशत की सीमा क्यों है? उनकी सरकार बनी, तो आरक्षण की सीमा बढ़ाई जाएगी। सामान्य वर्ग के गरीबों का भी ध्यान रखा जाएगा।

राहुल ने कहा कि हम चाहते हैं कि आबादी के हिसाब से ओबीसी, दलित और आदिवासियों को भागीदारी दी जाए। राहुल ने दावा किया है कि ममता बनर्जी पूरी तरह से इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। अधिकतर दल अभी भी गठबंधन के सदस्य हैं। सिर्फ नीतीश कुमार ने गठबंधन छोड़ दिया है और वह भाजपा में चले गए हैं। उनके जाने की वजह का अंदाजा लगाया जा सकता है। बिहार में इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ेगा।

राहुल गांधी गुमला जिसे स्थित बसिया प्रखंड के कोनबीर में प्रेस वार्ता कर रहे थे। इससे पहले राहुल गांधी का खूंटी से मंगलवार को 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का कारवां निकला। उन्होंने पहले बिरसा मुंडा के परिजनों से मुलाकात की, कामडारा में रोड शो किया और ओडिशा जाने के पूर्व सिमडेगा-ओडिशा बॉर्डर पर जनसभा को संबोधित किया।

राहुल ने कहा कि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो जीएसटी को सबसे पहले बदलेंगे। देश में नया फाइनेंशियल प्लान लागू करेंगे।

राहुल गांधी ने मंगलवार को झारखंड के खूंटी जिले में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। • प्रेट्र

भारत जोड़ो न्याय यात्रा ओडिशा पहुंची

बीरमित्रपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ओडिशा के लोगों से अपने मुद्दों के साथ आगे आने का आह्वान करते हुए मंगलवार को कहा कि वह उन्हें हल करने का प्रयास करेंगे। राहुल के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा मंगलवार को झारखंड से ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के बीरमित्रपुर पहुंची।

'छोटे दुकानदारों को हुआ जीएसटी से नुकसान'

राहुल गांधी ने कहा कि जीएसटी-नोटबंदी से सबसे ज्यादा नुकसान छोटे दुकानदारों, व्यवसायियों व आम लोगों को हुआ है। जो देश को रोजगार देते हैं उन्हें प्रधानमंत्री और अडानी ने नोटबंदी व जीएसटी लागू कर खत्म कर दिया। नोटबंदी को तो बदल नहीं सकते हैं, लेकिन जीएसटी को जरूर बदलेंगे।

'कुत्ते को खिलाने के लिए उसके मालिक को बिस्कुट दिया था'

गुमला, हि. ब्यू.। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि धनबाद में 4 फरवरी को कुत्ते द्वारा मेरे हाथ से बिस्कुट नहीं खाने पर मैंने यह (बिस्कुट) खिलाने के लिए उसके मालिक को दे दिया था।

कांग्रेस नेता की यह सफाई उस वीडियो के वायरल होने के बाद आई है जिसमें वे बिस्कुट कुत्ते के खाने से इनकार करने के बाद उसे एक व्यक्ति को देते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद भाजपा ने आरोप लगाया था कि कुत्ते के बिस्कुट खाने से इनकार करने के बाद राहुल गांधी ने वह बिस्कुट अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को खाने के लिए दे दिया।

राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा कि कुत्ता घबराया हुआ था और कांप रहा था। जब मैंने उसे बिस्कुट दिया तो वह डर गया। फिर, मैंने उसके मालिक को बिस्कुट देते हुए कहा कि यह आपके हाथ से खाएगा। फिर, मालिक ने बिस्कुट दिया और कुत्ते ने खा लिया। इसमें क्या समस्या है? मुझे समझ नहीं आता कि भाजपा क्यों कुत्ते के पीछे पड़ी है? इस वीडियो को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार रात को वीडियो पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर लिखा कि न केवल राहुल गांधी बल्कि पूरा परिवार मुझे वह बिस्कुट नहीं खिला पाया। मुझे असमिया और भारतीय होने पर गर्व है। मैंने खाने से इनकार कर कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। हिमंत बिस्वा सरमा ने मुंबई भाजपा की आईटी और सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की सह संयोजक पल्लवी सीटी की 'एक्स' पर साझा की गई एक पोस्ट के जवाब में यह बात कही।

■ कुत्ते को बिस्कुट खिलाने के वीडियो पर राहुल गांधी ने दी सफाई

कुत्ते के मालिक ने दी सफाई : इधर, धनबाद में कुत्ते के मालिक जितेंद्र कुमार ने भी कहा कि भीड़ में कुत्ता घबराया हुआ था। जब उसने बिस्कुट नहीं खाया तो राहुल गांधी ने बिस्कुट मुझे देते हुए कहा कि कुत्ते को बाद में खिला देना।

अखिलेश न्याय यात्रा में शामिल होंगे

लखनऊ, विसं। सात साल बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव एक साथ दिखेंगे। अखिलेश यादव 16 फरवरी को यूपी में प्रवेश कर रही कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने को तैयार हो गए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि वह यात्रा के अमेठी या रायबरेली आने पर उसमें शामिल करेंगे।

सपा ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में सम्मिलित होने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का निमंत्रण प्राप्त हुआ। अखिलेश यादव ने कांग्रेस को बधाई देते हुए निमंत्रण स्वीकार किया एवं 16 फरवरी को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने के पश्चात अमेठी या रायबरेली में न्याय यात्रा में शामिल होने के लिए सहमति दी।

भारतीयों को ईरान में वीजा-मुक्त प्रवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पर्यटक अब बिना वीजा के ईरान की यात्रा कर सकते हैं। ईरान ने भारतीय यात्रियों के लिए मुफ्त-वीजा नीति की घोषणा की है। ईरानी दूतावास ने कहा कि भारतीय नागरिकों के लिए 4 फरवरी से चार शर्तों के साथ वीजा-मुक्त प्रवेश शुरू कर दिया गया है।

15 दिन बिना वीजा के रह सकेंगे : इस वीजा-मुक्त पहल से लोगों के बीच संपर्क बढ़ने और ईरान और भारत के बीच पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सामान्य पासपोर्ट रखने वाले व्यक्तियों को अब बिना वीजा के ईरान में प्रवेश की इजाजत दी जाएगी, लेकिन कुछ प्रतिबंध भी रहेंगे। ईरान में बिना वीजा के एक बार जाने पर दूसरी बार छह महीने बाद जाया जा सकता है। इसके अलावा नए नियम के तहत 15 दिन बिना वीजा के ईरान में रहा जा सकता है। इस 15 दिन की अवधि को नहीं बढ़ाया जा सकता है। वीजा सिर्फ उन्हीं लोगों को मिलेगा, जो ईरान में पर्यटन के उद्देश्य से जा रहे हैं।

■ इसके लिए कुछ शर्तें भी रखी गईं

दूतावास से प्राप्त किया जा सकता है : अगर कोई भारतीय नागरिक लंबे समय के लिए ईरान में रहने की योजना बनाता है, या छह महीने में कई बार आना-जाना चाहता है तो उसे अलग से संबंधित वीजा लेना होगा। ईरान का वीजा भारत में मौजूद उसके दूतावास से प्राप्त किया जा सकता है। वीजा में छूट उन भारतीय नागरिकों पर लागू होगा जो सिर्फ हवाई सीमा के माध्यम से ईरान में प्रवेश करेंगे।

पिछले महीने जयशंकर ने ईरान की यात्रा की थी : दिसंबर में ईरान ने भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, जापान, सिंगापुर और मलेशिया सहित 32 अन्य देशों के लिए एक नए वीजा-मुक्त कार्यक्रम को मंजूरी दी।

पिछले महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने अपने ईरानी समकक्ष होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन के साथ कई द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर व्यापक बातचीत की थी।

रालोद के एनडीए में जाने की अटकलें

मेरठ/नई दिल्ली, हिब्यू। सियासी हलकों में फिर रालोद और भाजपा गठबंधन की अटकलें तेज हो गई हैं। चर्चा है कि चार सीटों पर बात बन रही है। अगर ऐसा होता है तो 15 साल बाद रालोद का भाजपा के साथ तालमेल होगा।

हालांकि, एनडीए से तालमेल पर रालोद नेता अभी खुल कर नहीं बोल रहे हैं लेकिन माना जा रहा है कि बात फाइनल हो गई है। चर्चा है कि चार से पांच सीटें रालोद को दी जा रही हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में रालोद और समाजवादी पार्टी का गठबंधन हुआ था। इसमें रालोद का पलड़ा भारी रहा। लेकिन सपा ने चतुराई से रालोद के सिंबल पर अपने प्रत्याशियों को लड़ा दिया। आसन्न लोकसभा चुनाव में भी सपा यही फार्मूला अपनाना चाहती है। इसके लिए रालोद तैयार नहीं है। कहा जाता है कि मेरठ, मुजफ्फरनगर, कैराना और बिजनौर की सीटों पर इसी पर पेच फंसा हुआ है।

भाजपा से नजदीकी की चर्चाएं: यह कोई पहला मौका नहीं है कि एनडीए में रालोद के शामिल होने की चर्चा चली हो। यह तो काफी समय से हो रहा है। रालोद मुखिया जयंत चौधरी जब-तब खंडन करते रहे। सोमवार को ही जयंत चौधरी ने यूपी के बजट पर आलोचनात्मक टिप्पणी की थी। मंगलवार को एनडीए से गठबंधन की चर्चा चल पड़ी।

12 फरवरी की छपरौली का कार्यक्रम स्थगित

गहमागहमी के चलते छपरौली में 12 फरवरी को चौधरी अजित सिंह की प्रतिमा का अनावरण समारोह एवं बड़ी जनसभा का कार्यक्रम भी स्थगित कर दिया गया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इसी दौरान जयंत चौधरी के सभी सीटों पर प्रत्याशियों के चयन की घोषणा की संभावना जताई जा रही थी लेकिन अब सबकुछ आगामी समय के लिए स्थगित कर दिया गया है। 2009 का लोकसभा चुनाव रालोद ने भाजपा के साथ मिलकर लड़ा। पांच सांसद रालोद के बने थे। बाद में अजित सिंह यूपीए में चले गए थे और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री बने थे।

थोड़े और प्रयास से जीत सकते थे चुनाव : पायलट

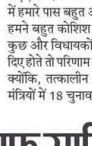

नई दिल्ली, वि.सं.। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट का मानना है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में कुछ और प्रयास किए होते तो पार्टी जीत सकती थी। चुनाव हारने पर अफसोस जताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी को कुछ और विधायकों के टिकट काटने चाहिए थे। क्योंकि, कई मंत्री चुनाव हार गए।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ सभी मतभेद दूर होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में पार्टी को कुछ और प्रयास करने चाहिए थे। पायलट ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस अच्छी लड़ाई लड़ी, पर हम जीत नहीं पाए। चुनाव में हमारे पास बहुत अच्छा मौका था, हमने बहुत कोशिश भी की। पार्टी ने कुछ और विधायकों के टिकट काट दिए होते तो परिणाम कुछ और होता। क्योंकि, तत्कालीन सरकार के 25 मंत्रियों में 18 चुनाव हार गए।

अशोक गहलोत के साथ सभी मतभेद दूर होने का दावा

निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे : जयंत पाटिल

एनसीपी विवाद

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) विवाद में अजीत पवार गुट के पक्ष में चुनाव आयोग के फैसले से शरद पवार गुट को करारा झटका लगा है। इस मामले पर शरद पवार गुट के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल ने मंगलवार को कहा कि वह फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। यह हमारी आखिरी उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाए।

दरअसल, चुनाव आयोग ने मंगलवार को अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का नाम और चुनाव चिह्न दे दिया। पाटिल ने कहा, एनसीपी की स्थापना शरद पवार ने की थी, जिन्होंने इसे जमीनी स्तर पर विकसित किया और कई नेताओं को उनके राजनीतिक करियर में आगे बढ़ने में मदद की।

एनसीपी नेता ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने अतीत के फैसले में कहा था कि भले ही विधायक अपनी वफादारी बदलते हैं, लेकिन पार्टी उनका पालन नहीं करती है। इसके बावजूद, आयोग ने निर्वाचित प्रतिनिधियों और उनके झुकाव के आधार पर निर्णय दिया।

'फैसला महाराष्ट्र के खिलाफ साजिश'

नई दिल्ली, एजेंसी। एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने मंगलवार को चुनाव आयोग के फैसले को अदृश्य शक्ति की जीत बताया। उन्होंने इसे महाराष्ट्र और मराठी लोगों के खिलाफ एक साजिश करार दिया।

सुप्रिया ने कहा कि इस फैसले से बिल्कुल भी आश्चर्यचकित नहीं हूं। उन्होंने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले समूह को असली शिवसेना के रूप में स्वीकार करने वाले चुनाव निकाय के फैसले का भी जिक्र करते हुए कहा, दोनों पार्टियां (एनसीपी और अविभाजित शिवसेना) महाराष्ट्र में पैदा हुई थीं और उनका नेतृत्व मराठी लोगों ने किया था। यह एक और उदाहरण है कि कैसे अदृश्य शक्तियां ऐसे फैसले लेती हैं जो मराठी लोगों और राज्य को नुकसान पहुंचाएंगे।

सांसद ने कहा, यह महाराष्ट्र के लोगों के साथ अन्याय है।

जितेंद्र आव्हाड बोले- शरद पवार फिर उभरेंगे

फैसले पर जितेंद्र आव्हाड ने कहा पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार फीनिक्स हैं और वह राख से भी उठ खड़े होंगे। उन्होंने कहा, हम पहले से जानते थे कि यह होने वाला है। आज उन्होंने (अजित पवार ने) शरद पवार का राजनीतिक गला घोंट दिया है। हमारे पास अभी भी ताकत है क्योंकि हमारे पास शरद पवार हैं।

लोकतंत्र में बहुमत मायने रखता है : अजित पवार

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली एनसीपी को राज्य भर के अधिकांश विधायकों के साथ-साथ जिला अध्यक्षों का भी समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में बहुमत को प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि चुनाव आयोग ने पार्टी का नाम और प्रतीक हमें आवंटित किया।

जयपुर से पाक का नागरिक हिरासत में

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक पाकिस्तानी को संदिग्ध गतिविधियों के संदेह में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आरोपी मनु भील जैसलमेर सैन्य स्टेशन में संविदाकर्मी के रूप में एक ईंधन पंप पर काम करता था। वह जोधपुर में रहता था। सेना के खुफिया विभाग ने सोमवार शाम आरोपी को हिरासत में लिया। उन्होंने दावा किया कि उसके मोबाइल में संदिग्ध सामग्री मिली है।

नौएडा

नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण

मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर–6, नौएडा, गौतमबुद्ध नगर

वेबसाइट: www.noidaauthorityonline.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि–

नौएडा क्षेत्र के 31 ग्रामो के लगभग 268 काश्तकारो को देय 5 प्रतिशत आबादी भूखण्डो का नियोजन सैक्टर – 146 में किया जाना प्रस्तावित है, इसके अतिरिक्त 08 ग्रामो मोहियापुर, सुथियाना, इलाबास, नगली–नगला, रसूलपुर नवादा, शहदरा, पर्थला खंजरपुर तथा छिजारसी के 5 प्रतिशत आबादी भूखण्डों का नियोजन प्राधिकरण की उपलब्ध एवं कब्जा प्राप्त भूमि में किया गया है। 31 ग्रामों के लगभग 268 काश्तकारो एवं ग्राम–सदरपुर के कुल 35 काश्तकारों एव उक्त 08 ग्रामों के 44 काश्तकारों के लगभग कुल 347 काश्तकारों का विवरण नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण की वेब साइट www.noidaauthorityonline.in पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध रहेगें। यदि किसी काश्तकार को उपरोक्त सूची में कोई आपत्ति/सुझाव दर्ज कराना हो तो इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिन की अवधि में अपनी आपत्ति/सुझाव महाप्रबन्धक (नियोजन) के मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर–6 स्थित कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करने का कष्ट करें, निर्धारित तिथि के उपरांत प्राधिकरण द्वारा प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

महाप्रबन्धक (नियोजन)
नौएडा

स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

उ0प्र0 लोक सेवा आयोग

विज्ञप्ति

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि **11 फरवरी, 2024 (रविवार)** को प्रदेश के **58** जनपदों में आयोजित की जा रही **समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी आदि (प्रा0) परीक्षा–2023** के सम्बन्ध में **गौतमबुद्ध नगर (ग्रेटर नोएडा)** जनपद के **एक परीक्षा केन्द्र** के पते में एवं **सुल्तानपुर जनपद के एक परीक्षा केन्द्र** के नाम में **आंशिक संशोधन** किया गया है, जो निम्नवत है–

क्र.सं.	जनपद	अनुक्रमांक	परीक्षा केन्द्र का पुराना नाम/पता	परीक्षा केन्द्र का संशोधित नाम/पता
1	गौतमबुद्ध नगर (ग्रेटर नोएडा)	0492042 से 0540256	परीक्षा उपकेन्द्र कोड- 27/038, राजकीय इण्टर कालेज, पता- यू-1 सेक्टर-12, प्लाट नं0-4, टेक जोन-4, ग्रेटर नोएड वेस्ट, गौतमबुद्ध नगर (ग्रेटर नोएडा)।	परीक्षा उपकेन्द्र कोड- 27/038, राजकीय इण्टर कालेज, पता-ब्लाक-यू, सेक्टर-12, नोएडा गौतमबुद्ध नगर (ग्रेटर नोएडा)।
2	सुल्तानपुर	0873319 से 0895467	परीक्षा उपकेन्द्र कोड- 69/046, धनवा देवी बद्रीप्रसाद स्मारक पी0जी0 कालेज, कुडवार, नियर वाटर टैंक, सुल्तानपुर।	परीक्षा उपकेन्द्र कोड-69/046, धर्मा देवी बद्रीप्रसाद स्मारक पी0जी0 कालेज, कुडवार, नियर वाटर टैंक, सुल्तानपुर।

अतएव अभ्यर्थीगण उपर्युक्त जनपदों में अपने परीक्षा केन्द्र पर निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

संख्या– 15/05/ई–2/2023–24
दिनांक: प्रयागराज 06 फरवरी, 2024

अजय कुमार तिवारी
(परीक्षा नियंत्रक)

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

YEIDA FUTURE IS HERE

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नौएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर, 201308 (उ.प.)
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट: www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक: वाई.ई.ए./GM(P)/2024/880 दिनांक: 05.02.2024

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्र सरकार/राज्य सरकार/केन्द्र शासित/अर्द्धशासिक/सार्वजनिक उपक्रमों के कार्यों का कम से कम चार वर्ष का अनुभव रखने वाले ठेकेदारों/फर्मों से ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। ई–प्रोक्योरमेंट सोल्यूशन द्वारा निविदायें द्विस्तरीय पद्धति से खोली जायेगी।

कार्यालय आदेश संख्या : **वाई.ई.ए./GM(P)/2024/879 दिनांक 05.02.2024** के अनुपालन में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की कार्यों में संविदाकार द्वारा बिल ऑफ क्वान्टिटी (बी.ओ.क्यू.) पर डाले गये 10 प्रतिशत कम दरों तक 0.5 प्रतिशत प्रति एक प्रतिशत कम दर पर तथा उसके पश्चात् 10 प्रतिशत से अधिक कम दरों पर 1.00 प्रतिशत प्रति एक प्रतिशत कम दर पर सिक्योरिटी/परफॉर्मेन्स गारन्टी प्राप्त की जायेगी तथा परफॉर्मेन्स गारन्टी एफ.डी.आर./सी.डी.आर/बैंक गारन्टी/एन.एस.सी. के रूप में न्यूनतम संविदाकार द्वारा अनुबन्ध गठन से पूर्व देनी होगी, जो कार्य के अन्तिम बीजक होने के बाद वापिस होगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम/वर्क सर्किल	अनुमानित लागत
1.	Providing and fixing Dry Brick (Kharanja) from primary School to 120.00mtr road and Interlocking tile in Village Dhanori-Khurd YEA Wc-6	रू. 12.47 लाख
2.	Supply and Stacking of green fooder for chanchli gaushala Yeida Wc-6	रू. 20.53 लाख
3.	Providing and fixing of Interlocking tile WORK IN VILLAGE Dhanpura (Including Construction of drain) YEA Wc-6	रू. 18.76 लाख
4.	Providing and Laying interlocking tiles and drain in Village-Jhajhar yea Wc-06	रू. 29.62 लाख
5.	Development work in Village Mohamdabad Khera (Including Construction of drain) yea Wc-06	रू. 94.28 लाख
6.	Providing and Laying interlocking tiles work in Village Ramner (Including Construction of drain) yea Wc-06	रू. 03.12 लाख
	जिन्हें दिनांक 09.02.2024 से 23.02.2024 को 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई–निविदाओं की प्री–क्वालीफिकेशन दिनांक 26.02.2024 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी।	
7.	Modification and Maintenance under Operation Kayakalp for J.H.S and P.S School in (Zone 2) group B Yeida. Wc-06	रू. 89.35 लाख
8.	Modification and Maintenance under Operation Kayakalp for J.H.S and P.S School in(Zone 1)group A Yeida. Wc-06	रू. 94.18 लाख
9.	Modification and Maintenance under Operation Kayakalp for J.H.S and P.S School in(Zone 3)Phase-2 Yeida. Wc-06	रू. 300.97 लाख
10.	Modification and Maintenance under Operation Kayakalp for J.H.S and P.S balance work in(Zone 4) Yeida. Wc-06	रू. 354.76 लाख
11.	Modification and Maintenance under Operation Kayakalp for J.H.S and P.S School in(Zone 5) Yeida Wc-06	रू. 192.76 लाख
12.	Modification and Maintenance under Operation Kayakalp for J.H.S and P.S School in(Zone 6) Yeida Wc-06	रू. 128.86 लाख
	जिन्हे दिनांक 12.02.2024 से 26.02.2024 को 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई–निविदाओं की प्री–क्वालीफिकेशन दिनांक 27.02.2024 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी।	
13.	Modification and Maintenance under Operation Kayakalp for J.H.S and P.S School in (Zone 7) Yeida Wc-06	रू. 288.11 लाख
14.	Construction of Boundrywall of park Near Plot No.-187 and 221 Pocket M in Sector-20 Yeida Wchorti	रू. 34.84 लाख
15	C/o E-Library room (part-A civil work in Village Atta Gujran YEA Wc-06	रू. 29.02 लाख
16	Remaining work of internal Development Work Road Drain Sewerage and Water Supply of Pocket M Sector-20 YEA Wc-02	रू. 1428.09 लाख
	जिन्हे दिनांक 13.02.2024 से 27.02.2024 को 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई–निविदाओं की प्री–क्वालीफिकेशन दिनांक 28.02.2024 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी।	

महाप्रबंधक (परियोजना)

POSTAL REG. NO. DL (ND)-11/6057/2015-16-17 "Licensed to post without prepayment" LICENCE No. U(C)-116/2006-08

धरती के गर्म होने की रफ्तार अनुमान से कहीं ज्यादा

खतरे में धरती

1.7 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो चुकी है पृथ्वी

200 वर्षों से समुद्री जीव के जरिये आकलन

पर्थ, एजेंसी। धरती के गर्म होने की रफ्तार अनुमान से कहीं ज्यादा है। धरती 1.7 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो चुकी है। यह संयुक्त राष्ट्र के मानक तापमान के अनुमान से आधा डिग्री अधिक है।

शोधकर्ताओं ने यह दावा कैरेबियन सागर की सतह में मौजूद समुद्री जीव स्पंज की प्राचीन प्रजातियों के आधार पर किया है। नेचर क्लाइमेट चेंज जर्नल में यह शोध प्रकाशित हुआ है। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने बताया कि स्पंज समुद्र के तापमान में बदलाव को रिकॉर्ड कर रहे हैं। दरअसल, इस जीव में कई छेद होते हैं, जिससे पानी गुजरता रहता है। इसकी लंबाई करीब 12-15 सेंटीमीटर के बीच होती है। तापमान के अनुसार इसके शरीर में बदलाव होते रहते हैं। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि तापमान किस तरह से बढ़ रहा है।

कब-कब तापमान रिकॉर्ड किया

शोधकर्ताओं के मुताबिक, वर्ष 1815 में इंडोनेशिया में बड़े पैमाने पर ज्वालामुखी विस्फोट के कारण स्पंज ने तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की थी, जिससे विश्वास हुआ कि स्पंज तापमान के लिए एक अच्छा संकेतक है। वहीं स्पंजों ने 19वीं शताब्दी में समुद्र के तापमान के जहाज आधारित मापों में मदद की। स्पंजों से य्यह भी पता चल सका कि वर्तमान ग्लोबल वार्मिंग 1860 में शुरू हुई, जबकि संयुक्त राष्ट्र का अंतर सरकारी पैनल पूर्व-औद्योगिक अवधि को 1850 और 1900 के बीच मानता है।

तूफानों की नई श्रेणी पर चर्चा

दुनिया में तूफान शक्तिशाली हो रहे हैं। इसको देखते हुए वैज्ञानिकों ने तूफान पैमाने की नई श्रेणी 6 बनाने का प्रस्ताव रखा है। विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय के मुताबिक, इससे वास्तविक स्थिति का पता लगाने में आसानी होगी। इसमें हवा की गति को 308 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रखकर तूफानों को नापा जाएगा। 1980 से 2021 तक पांच तूफानों को श्रेणी 6 में वर्गीकृत किया जा सकता है।

इस तरह किया गया अध्ययन

शोधकर्ताओं ने अध्ययन के लिए गहरे समुद्र में गोताखोरों की मदद से सेराटोपोरेला निकोलसोनी स्पंज के छह नूमने एकत्रित किए। एक स्पंज को 10-15 सेंटीमीटर बढ़ने में सैकड़ों साल लगते हैं। जैसे-जैसे इनमें वृद्धि होती है, वे स्ट्रोंटियम और कैल्शियम को उस अनुपात में सोखते हैं, जो सीधे उनके आसपास के पानी के तापमान से संबंधित होता है। शोधकर्ताओं ने स्पंज में पाए गए संकेतों के आधार पर पिछले 300 वर्षों में दुनिया के महासागर के तापमान को मापा है।

शरीर में फैल जाने के बाद कैंसर के 50 फीसदी रोगियों की पहचान

नए इलाजों के बावजूद पिछले 20 वर्षों में भी जीवित रहने की दर में सुधार नहीं हुआ

सेहत

■ ऋद्दिमा कॉल

नई दिल्ली। कैंसर के आधे से अधिक मामलों का पता तब चलता है, जब वह शरीर के दूसरे अंगों तक फैल जाता है। इससे इलाज एक चुनौती बन जाता है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के आंकड़ों से यह चिंताजनक तथ्य सामने आए हैं।

विशेषज्ञों ने इसकी वजह जागरूकता की कमी बताई है। बीमारी को लेकर जागरूकता होने पर इन घातक बीमारियों का पता जल्दी चल सकता है और लोग इससे समय रहते उबर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रोग फैलने के साथ जीवित रहने की दर में गिरावट आती है। इलाज के बावजूद पिछले 20 वर्षों में भी जीवित रहने की दर में सुधार पर्याप्त नहीं है। भारत में अपनी विशाल जनसंख्या के कारण कैंसर का बोझ अधिक है। यह रिपोर्ट देशभर में 7,757 अस्पतालों, नर्सिंग होम, क्लीनिक, प्रयोगशालाओं और एजेंसियों में दर्ज कैंसर रोगियों की संख्या पर तैयार की गई है। इन डाटा में कैंसर के नए मामले, उनका पैटर्न, निदान व उपचार और परिणाम के बारे में जानकारी दी गई है। देश के उत्तर और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में कैंसर मरीज सबसे अधिक हैं।

2.67 करोड़ मरीज 2021 में देश में

2.98 करोड़ हो जाएगी संख्या 2025 तक

क्या है स्थिति

महिलाएं

देश में महिलाओं में स्तन के 54.7 फीसदी, फेफड़ों के 55.5 फीसदी, गर्भाशय के 62.2 फीसदी और मुंह के 72.3 फीसदी कैंसर के मामलों का पता तब चलता है जब वे दूसरे अंगों में फैल जाता है। महिलाओं में स्तन कैंसर मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। इसके बाद गर्भाशय कैंसर महिलाओं की जान ले रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने इन दोनों कैंसर को चिंता का विषय बताया है।

पुरुष

भारत में पुरुषों में 70.3 फीसदी मुंह और 50 फीसदी फेफड़ों के कैंसर का इलाज तब शुरू होता है जब, वे अन्य अंगों को भी अपनी चपेट में ले लेता है। देश में पुरुषों में मुंह का कैंसर मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। देश में मुंह के कैंसर के लिए तंबाकू को जिम्मेदार माना जाता है। वहीं, पुरुषों में फेफड़ों में कैंसर के मामले तेजी से बढ़े हैं, जिसके लिए ब्रदूषण को जिम्मेदार माना जा रहा है।

बच्चों के पीड़ित होने की रफ्तार तेज

आईसीएमआर के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 में भारत में नए कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या 14,61,427 थी। भारत में लगभग नौ में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल के दौरान कैंसर होने की आशंका हो सकती है। बचपन के कैंसर (0-14 वर्ष) में, लिम्फोइड ल्यूकेमिया प्रमुख प्रकार के रूप में उभरा, जो लड़कों में 29.2 फीसदी और लड़कियों में 24.2 फीसदी है।

चार फीसदी मामलों में बच्चे हैं रोगी

देश में बच्चों में कैंसर के बढ़ते मामलों का मुद्दा चर्चा का विषय बनता जा रहा है। देश में सभी कैंसर का चार फीसदी 0-14 वर्ष के बच्चों में होता है। चिंता की बात यह है कि देश के आधे से भी कम अस्पतालों में बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी विभाग नहीं है।

जीवित रहने की संभावना तेजी से कम होती जाती है

स्तन कैंसर के दूसरे चरण में पांच साल जीवित रहने की दर 81%, तीसरे में 65.5% और चौथे में 18.3% होती है। गर्भाशय कैंसर के मामले में दूसरे चरण के तहत पांच साल जीवित रहने की दर 65.9%, तीसरे चरण में 53.5% और चौथे चरण में 18% होती है। स्तन कैंसर के दूसरे चरण में पांच साल जीवित रहने की दर 81%, तीसरे चरण में 65.5% और चौथे चरण में 18.3% होती है। गर्भाशय कैंसर में दूसरे चरण के तहत पांच साल जीवित रहने की दर 65.9%, तीसरे में 53.5% और चौथे में 18% होती है। जितनी जल्दी कैंसर का पता चलता है बचने की संभावना अधिक होती है।

Hindustan Times

गोभी मंचूरियन की बिक्री बंद की गई

पणजी, एजेंसी। गोवा के एक स्थानीय निकाय ने अपने अधिकार क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े ठेलों पर 'गोभी मंचूरियन' की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है।

म्हापसा नगर पालिका की अध्यक्ष प्रिया मिशाल ने बताया, स्वास्थ्य संबंधित चिंताओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। विक्रेता व्यंजन बनाते समय स्वच्छता का ख्याल नहीं रखते और गोभी मंचूरियन तैयार करने के लिए रासायनिक रंगों का उपयोग करते हैं।

शरीर का गर्म रहना अवसाद का कारण

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अवसादग्रस्त लोगों के शरीर का तापमान उच्च रहता है। तनावग्रस्त व्यक्ति अपने शरीर के तापमान को कम रखे, तो यह उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद साबित हो सकता है। जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट में प्रकाशित अध्ययन में ये बात कही कही है। हालांकि, इसमें यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि तनाव शरीर के तापमान को बढ़ाता है या उच्च तापमान तनाव को बढ़ाता है।

धमकाने से बच्चों के मन पर बुरा असर

टोक्यो, एजेंसी। डराने-धमकाने (बुलिंग) से बच्चों के मन पर बुरा असर पड़ता है। जापान के टोक्यो यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने बुलिंग का शिकार हुए 500 किशोरों के मस्तिष्क के स्कैन का अध्ययन करने के बाद ये दावा किया है। बुलिंग के शिकार किशोर दबाव के चलते वास्तविकता से दूर हो जाते हैं।

शोध के अनुसार बुलिंग के शिकार किशोरों के मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर ग्लूटामेट का स्तर कम पाया गया। ग्लूटामेट व्यक्ति के भावों और मूड के साथ मस्तिष्क की कई क्रियाओं को नियंत्रित करता है। मनोविकृति की इस समस्या का पता लगाना भी कठिन होता है। इस कारण कुछ किशोरों में मानसिक विकार से जुड़ी कई दूसरी समस्याएं भी सामने आती हैं। शोध से जुड़े वैज्ञानिक नाओहिरो ओकादा का कहना है कि प्रारंभिक स्तर पर इस रोग को पकड़ना जरूरी है। अगर समय रहते इसे नहीं पकड़ा गया तो भविष्य में बच्चे गंभीर मानसिक रोग का शिकार हो सकते हैं। वैज्ञानिकों का शोध जर्नल मॉलीक्यूलर साइक्रेटरी में प्रकाशित हुआ है।

चलाना होगा अभियान : बुलिंग को रोकने के लिए स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाना होगा। बच्चों को एक दूसरे के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना होगा। स्कूलों में काउंसिलिंग के साथ बच्चों की तकलीफों को समझने के लिए विशेष टीम नियुक्त करनी होगी। अभिभावकों को अपने बच्चों के हावभाव को समझना होगा। बच्चे का रवैया अचानक बदल रहा है तो उससे बात करें। संतोषजनक चीजें न निकलें तो मनोचिकित्सक से संपर्क करें।

स्कूलों में बुलिंग के मामले सबसे ज्यादा

बुलिंग का अर्थ किसी व्यक्ति या बच्चे को डराया, धमकाया और लगातार चिढ़ाया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों का समूह किसी एक छात्र को चिढ़ाने या डराने-धमकाने का काम करते हैं जिसे बुलिंग कहा जाता है। देश में ऐसे 50-60% मामलों में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। साइबर बुलिंग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं जो चिंता का विषय है।

तकनीक 30s

'द एवरीथींग' ऐप जल्द लॉन्च होगा

एक्स का सुपर ऐप 'द एवरीथींग' जल्द लॉन्च हो सकता है। इसमें कई सारी सुविधाएं एक साथ मिलेंगी। सोशल मीडिया ऐप से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग और पेमेंट से लेकर ट्रैवल के लिए टिकट बुकिंग इससे की जा सकेंगी।

व्हाट्सऐप चैनल्स को यूजर कर पाएंगे पिन

कंपनी व्हाट्सऐप चैनलों के लिए पिन चैनल्स फीचर लाने की तैयारी में है। इसकी मदद से यूजर चैनल को पिन कर सकते हैं। अभी तक पिन करने की सुविधा चैट और मैसेज तक ही सीमित है। जिस चैनल को पिन किया होगा, वह लिस्ट में ऊपर होगा।

नए फीचर से मैसेज फिल्टर हो सकेंगे

टेलीग्राम में कई सारे नए फीचर्स मिलेंगे। इसमें वन-टाइम वॉयस, वीडियो मैसेज, रीड टाइम इन प्राइवेट चैट शामिल हैं। सबसे खास फीचर सेव्ड मैसेज है। इसकी मदद से यूजर मैसेज को फिल्टर कर सकेंगे और टेक्स्ट, मीडिया या लिंक को सेव कर सकते हैं।

एंड्रॉयड फोन पर भी मिलेगा एआई फीचर

एंड्रॉयड स्मार्टफोन में भी एआई फीचर मिलने वाला है। सर्किल टू सर्च फीचर इस साल अक्तूबर के बाद ही दूसरे एंड्रॉयड फोन्स पर उपलब्ध होगा। हाल ही में स्मार्टफोन निर्माता एक कंपनी ने अपनी नई गैलेक्सी एस 24 सीरीज में सर्कल टू सर्च फीचर को लॉन्च किया था।

वायु सेवा शुल्क : मुम्बई एवं अहमदाबाद-₹ 10.00
मुद्रक तथा प्रकाशक राजीव बेओतरा द्वारा हिन्दुस्तान मीडिया वेन्चर्स लिमिटेड (एच एम वी एल) के पक्ष में एच टी मीडिया लिमिटेड प्रेस, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा, जिला : गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 18-20, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : शशि शेखर प्रबंध संपादक : प्रताप सोमवंशी* दूरभाष : (011) 23361234, सम्पादकीय (011) 66561364, 66561263, प्रसार : (011) 66561111, विज्ञापन (011) 66561442, 66561189, फैक्स : (011) 66561451, 66561270 आर.एन.आई. नं. 509/57
*संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।